दैनिक सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

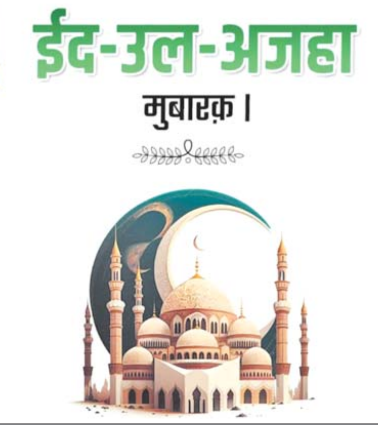

वर्ष 52/ अंक 306/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 29 जून 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

मोदी की शाह-नड्डा के साथ लंबी चर्चा, मंत्रिमंडल फेरबदल से लेकर कई मुद्दों पर हुआ मंथन

नई दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी की कल रात केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह और पार्टी अध्यक्ष जेपी नड्डा से लंबी चर्चा हुई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर हुई इस अहम बैठक में मंत्रिमंडल फेरबदल से लेकर कई मुद्दों पर मंथन हुआ।

पार्टी सूत्रों के मुताबिक भाजपा के दिग्गज नेता बुधवार देर शाम प्रधानमंत्री आवास पर पहुंचे। पीएम मोदी के साथ जारी इस बैठक में गृहमंत्री अमित शाह, बीजेपी अध्यक्ष जेपी नड्डा, संगठन मंत्री बीएल संतोष समेत कई बड़े नेता पहुंचे हैं। बैठक में केंद्रीय मंत्रिमंडल के साथ-साथ पार्टी में भी फेरबदल पर चर्चा चल रही है। सूत्र बताते है कि कुछ मंत्रियों को पार्टी में कोई पद दिया जाएगा, जबकि कुछ पार्टी नेताओं को सरकार में पद दिया जाएगा। इससे पहले शाह, नड्डा और संतोष ने पिछ्ले कुछ दिनों में तीन बैठकें की थीं। बीजेपी नेताओं ने आरएसएस के साथ बैठकों का ब्योरा भी साझा किया था।

सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार तीनों नेताओं ने अपनी चर्चाओं का खाका और उन बैठकों के दौरान मिले फीडबैक को प्रधानमंत्री के साथ साझा किया है और आने वाले दिनों में निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले और बैठकें होंगी। ये बैठक ऐसे समय हुई है जब संसद का सत्र भी कुछ दिनों में शुरू होने वाला है। संसद का मॉनसून सत्र जुलाई के तीसरे सप्ताह में शुरू होने की संभावना है जिसमें शुरुआत में बैठक पुराने संसद भवन में हो सकती हैं और बाद में नए भवन में सत्र चल सकता है। संसद के नए भवन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 28 मई को किया था। करीब महीने भर चलने वाले मॉनसून सत्र में 20 बैठक हो सकती हैं और यह स्वतंत्रता दिवस से पहले समाप्त हो सकता है। सूत्रों के अनुसार सत्र की शुरुआत पुराने संसद भवन में होगी और बाद में नए संसद भवन में बैठक हो सकती हैं। आगामी सत्र में सरकार 'राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली सरकार (संशोधन) अध्यादेश' की जगह लेने के लिए विधेयक ला सकती है जो सेवा मामलों में दिल्ली सरकार को विधायी एवं प्रशासनिक नियंत्रण देने वाले उच्चतम न्यायालय के फैसले को निष्प्रभावी कर देगा। सरकार विधेयक को जल्द पारित कराने का प्रयास करेगी।

सुप्रीम कोर्ट में आदिपुरुष के खिलाफ याचिका दायर, फ़िल्म को बैन करने की मांग

नई दिल्ली। 'आदिपुरुष' फ़िल्म को लेकर विवाद खत्म नहीं हो रहे। अब ये मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका में हिंदू महाकाव्य 'रामायण' पर बनी फिल्म 'आदिपुरुष' पर हिंदुओं और फिल्म में दिखाए गए भगवानों के भक्तों की भावनाओं को आहत करने का आरोप लगाया गया है। साथ ही फिल्म पर तुरंत प्रभाव से रोक लगाने की भी मांग की गई। याचिकाकर्ता की तरफ से फिल्म के डायलॉग्स का भी जिक्र किया गया और कहा है कि सिर्फ 'गली बॉयज' ही ऐसी अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल करते हैं।

सुप्रीम कोर्ट से पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में आदिपुरुष को लेकर सुनवाई हुई थी, जिसमें डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर को नोटिस जारी किया गया। सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वालीं ममता रानी ने कहा कि फिल्म को सेंसर बोर्ड की तरफ से मिले सर्टिफिकेट को रद्द किया जाना चाहिए। क्योंकि, ये सिनेमैटोग्राफ अधिनियम 1952 की धारा 5 बी में वैधानिक प्रावधानों का उल्लंघन है।

याचिका में तर्क देते हुए कहा गया है कि पवित्र ग्रंथों पर समाज का हर शख्स भरोसा करता है और उससे उसकी भावनाएं जुड़ी हुई हैं। वो शख्स अपनी संस्कृति और परंपराओं के बिना पेड़ से गिरे किसी सूखे पत्ते की तरह होता है।

डिस्क्लेमर को लेकर भी आपत्ति

याचिकाकर्ता की तरफ से फिल्म 'आदिपुरुष' के डिस्क्लेमर पर भी आपत्ति जताई गई है। याचिका में दावा किया गया है कि फिल्म के डिस्क्लेमर में 'भ्रामक' चीजें लिखी गई हैं। इसके अलावा याचिका में कहा गया कि फिल्म में भगवान श्रीराम और हनुमान को उनके चरित्र और पात्रों के विपरीत दिखाया गया है। याचिकाकर्ता ने इस बात की भी आशंका जताई है कि भगवान को इस तरह से दिखाने पर ये लोगों को अलग नैतिकता और आदर्शों पर विश्वास करने के लिए प्रभावित करेगा। इस याचिका में माता सीता के रोल को लेकर भी सवाल उठाए गए हैं।

हाईकोर्ट ने भी फटकारा

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई से पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट में इस मामले को लेकर सुनवाई हुई थी। हाईकोर्ट ने फिल्म के डायलॉग राइटर मनोज मुंतशिर को एक नोटिस जारी कर जवाब मांगा, साथ ही सेंसर बोर्ड की भूमिका पर भी सवाल उठाया। हाईकोर्ट ने फिल्म की आलोचना करते हुए कहा कि लोगों के लिए रामायण एक मिसाल है, फिल्म में जिस तरह से हनुमान और माता सीता को दिखाया गया वो किसी को समझ नहीं आ रहा। हाईकोर्ट की तरफ से एक हफ्ते में जवाब दाखिल करने को कहा गया है।

मुख्यमंत्री ने की इंदौर की कानून व्यवस्था की समीक्षा

गुंडे बदमाश और असामाजिक तत्वों पर कठोर कार्रवाई की जाए: शिवराज

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज प्रातः इंदौर की कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा की। श्री चौहान ने गुंडे बदमाश और असामाजिक तत्वों पर कठोरतम कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि गुंडे बदमाशों में पुलिस का खौफ रहे। आम जनता में पुलिस पर विश्वास होना जरूरी है।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्थानों पर शराब पीने और नशा करने जैसी गतिविधियों को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा, इस प्रकार की गतिविधियों में लिप्त

व्यक्तियों पर तुरंत कार्यवाही की जाए।

मुख्यमंत्री निवास समत्व कार्यालय भवन में हुई बैठक में अपर मुख्य सचिव गृह राजेश राजौरा पुलिस महानिदेशक सुधीर सक्सेना, एडीजी इंटेलिजेंस आदर्श कटियार, ओएसडी मुख्यमंत्री अंशुमन सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। इंदौर से इंदौर पुलिस कमिश्नर मकरंद देउस्कर, कमिश्नर पवन शर्मा, कलेक्टर इलैया राजा सहित जिला प्रशासन के अधिकारी वर्चुअली उपस्थित रहे।

ईद अल-अजहा: मस्जिदों में लोगों ने नमाज पढ़ी, एक-दूसरे को गले लगाकर मुबारकबाद दी

नई दिल्ली/भोपाल। देश में आज ईद अल-अजहा यानी बकरीद का त्योहार मनाया जा रहा है। देशभर के मस्जिदों और दरगाह में लोग सुबह ईद की नमाज में शामिल हुए। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले लगाकर ईद की मुबारकबाद दी। नमाज के बाद कुर्बानी का सिलसिला शुरू होगा। राजधानी में गुरुवार को ईद-उल-अजहा पर्व उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। तीन दिन तक ईद का पर्व मनेगा। पहले दिन शहर की सभी बड़ी मजिस्दों में सुबह ईद की नमाज अदा की गई। ईद की पहली नमाज ईदगाह पर सुबह सात बजे शहर काजी मौलाना सैयद मुश्ताक अली नदवी की मौजूदगी में हुई। फिर शहर की बाकी बड़ी मस्जिदों में नमाज अदा की गई। नमाज के बाद कुर्बानियां दी गईं।

मोदी ने दी ईद की मुबारकबाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर ईद की मुबारकबाद दी। उन्होंने लिखा- ईद-उल-अजहा के मौके पर शुभकामनाएं। उम्मीद करता हूं कि ये दिन सभी की जिंदगी में खुशी और बरकत लेकर आए। ये दिन हमारे समाज में भाईचारा और एकता बनाए रखे।

राहुल मणिपुर पहुंचे, दो दिन राहत कैंपों का दौरा करेंगे

इंफाल। राज्य में जारी हिंसा के बीच कांग्रेस नेता राहुल गांधी आज मणिपुर पहुंच गए हैं। वे कल यानी 30 जून तक मणिपुर में रहेंगे। आज सबसे पहले वे चुराचांदपुर जिले में कई राहत शिविरों का दौरा करेंगे। इसके बाद वे राज्य के सिविल सोसाइटी के नेताओं से मुलाकात करेंगे। बाद में वे विष्णुपुर जिले के राहत शिविरों में जाएंगे। मणिपुर कांग्रेस अध्यक्ष ओकराम इबोबी सिंह ने बताया कि राहुल सीनियर सिटीजन और कई नेताओं से भी मिलेंगे। मणिपुर में 3 मई से कुकी और मैतेई समुदाय के बीच हिंसा जारी है। हिंसा में अब तक 131 लोगों की मौत हो चुकी है।

मप्र में दो दिन तक तेज बारिश का दौर

जबलपुर-इटारसी रेलवे ट्रैक पर पानी भरा, आधा दर्जन ट्रेनों का रूट बदलना पड़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश में मानसून के पहले सप्ताह में तेज बारिश के कारण नरसिंहपुर, उमरिया, सिवनी समेत कई जिलों में बाढ़ जैसे हालात पैदा हो गए। मौसम वैज्ञानिकों ने चेतावनी जारी की है। आकाशीय बिजली गिरने की भी आशंका है। भोपाल में सुबह से रिमझिम बारिश हो रही है। हालांकि, आज तेज बारिश के आसार भी हैं। जबलपुर और नरसिंहपुर में बुधवार को हुई बारिश से नर्मदा नदी का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। नर्मदापुरम के सेठानी घाट पर नर्मदा नदी का जलस्तर गुरुवार सुबह 8 बजे 947 फीट पहुंच गया। 24 घंटे के अंदर 10 फीट से ज्यादा पानी बढ़ा है। यह खतरे के निशान से 18 फीट नीचे है। जिला प्रशासन व बचाव दल अलर्ट हो गए हैं।

तेज बारिश के कारण जबलपुर-इटारसी रेलवे ट्रैक पर करेली-नरसिंहपुर स्टेशन के बीच बालू रेवा ब्रिज पर पानी आ जाने के कारण करीब सात ट्रेनों के रूट डायवर्ट कर दिए गए हैं। 28 जून को रवाना हुई ट्रेनें को दूसरे रूट से निकाला जा रहा है। इसी प्रकार जबलपुर मंडल के कटनी- बीना ट्रैक पर सैलया स्टेशन के पास ट्रैक पर पानी भर गया। मध्यप्रदेश में पिछ्ले 24 घंटे में कई शहरों में पानी गिरा। दमोह में सबसे ज्यादा 143 मिमी यानी साढ़े 5 इंच से ज्यादा बारिश हुई। खजुराहो में भी तेज बारिश का सिलसिला जारी रहा। इसी प्रकार दमोह में 5.6, खजुराहो 3.8, रीवा 2.5, गुना 2.5, सतना 2.2, पचमढ़ी 2.1, मंडला 2.0, उमरिया 1.8, नौगांव 1.5, शिवपुरी 1.5, जबलपुर 1.2, टीकमगढ़ 0.9 सागर 0.8, छिंदवाड़ा 0.6, उज्जैन 0.5, रायसेन 0.5, धार 0.3, नरसिंहपुर 0.3, सीधी 0.2, नर्मदापुरम 0.2, नर्मदापुरम 0.1 और रतलाम में रतलाम 0.1 इंच बारिश हुई। इसके अलावा पिछ्ले 24 घंटे में भोपाल, बैतूल, इंदौर, दतिया, सिवनी में भी बारिश दर्ज की गई।

सिवनी में नदी में फंसे लोग, हेलिकॉप्टर से रेस्क्यू

सिवनी जिले के केवलारी ब्लॉक में खरपडियां गांव में 6 लोग नदी के टापू पर फंस गए। जिन्हें हेलिकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू किया गया। इसमें 1 महिला और 5 पुरुष शामिल हैं। बताया जा रहा है कि ये लोग मवेशी चराने गए थे। यहां अचानक नदी का जलस्तर बढ़ गया। जिससे ये टापू में फंस गए। मौके पर केवलारी पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

भोपाल में भी तेज बारिश होगी

राजधानी में भी तेज बारिश हो सकती है। 29-30 जून, 1 और 2 जुलाई को शहर में बारिश होगी। शहर के कुछ हिस्सों में तेज बारिश भी हो सकती है। मौसम विभाग के अनुसार, सुबह से ही रिमझिम बारिश हो सकती है। दोपहर बाद तेज बारिश हो सकती है।

दिल्ली-मुंबई में सड़कों पर पानी

मौसम विभाग) के मुताबिक, देश भर में मानसून सामान्य से धीमी रफ्तार से चल रहा है। अभी देश में 16त्न कम बारिश हुई है। उत्तर-पश्चिमी राज्यों में सामान्य से 42त्न ज्यादा बारिश दर्ज की गई है। अगले 24 घंटे में मध्यप्रदेश-राजस्थान समेत 23 राज्यों में भारी बारिश का अनुमान है। हिमाचल प्रदेश के शिमला में बाढ़ जैसे हालात हैं। यहां 3 दिन भारी बारिश का अलर्ट है। असम में बाढ़ के हालात में कुछ सुधार है। स्टेट डिजास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के मुताबिक, राज्य के 6 जिलों में 83 हजार लोग अभी भी बाढ़ की चपेट में हैं।

रीवा में कार पलटी, चार लोगों की मौत

रीवा। जिले के लालगांव चौकी क्षेत्र में पर्यटकों से भरी कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में चार लोगों की मौत हो गई जबकि दो घायल हैं। हादसा बुधवार शाम हुआ। सूचना मिलते ही लालगांव चौकी और गढ़ थाने का पुलिस स्टाफ मौके पर पहुंचा।

लालगांव चौकी प्रभारी उपनिरीक्षक शैलेन्द्र सिंह ने बताया कि पर्यटक उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के रहने वाले हैं और क्योटी जलप्रपात घूमने आए थे। इनमें से शिवम केशरवानी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बाकी 5 लोगों को सिरमौर

सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इन्हें प्राथमिक उपचार के बाद रीवा के संजय गांधी अस्पताल रेफर कर दिया गया।

भिंड में दो पक्षों में फायरिंग, एक की मौत

भिंड जिले में दो पक्षों के विवाद में फायरिंग हुई। गोली लगने से एक की मौत हो गई। एक गंभीर घायल है, उसे ग्वालियर रेफर किया गया है। लहार थाना क्षेत्र के धौनपुरा गांव में खेत से रास्ता बनाने को लेकर पान सिंह चौहान (65) और वीरेंद्र सिंह जादौन (53) के कुछ दिनों से विवाद चल रहा था। गुरुवार सुबह रास्ते से ट्रैक्टर निकालने को लेकर दोनों पक्ष आपस में भिड़ गए।

सांसद प्रतिनिधि पर केस दर्ज होने से नाराज केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने लौटाई दमोह पुलिस की सुरक्षा

दमोह। सांसद प्रतिनिधि यशपाल ठाकुर पर दर्ज किए गए मामले से खफा केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल ने दमोह पुलिस की सेवाएं लेने से इंकार कर दिया है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठाए हैं। दरअसल केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल के बंगले पर गुरुवार सुबह धर्मपुरा

वार्ड के लोग पहुंचे थे उन्होंने केंद्रीय मंत्री के समक्ष सांसद प्रतिनिधि यशपाल ठाकुर पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज किए जाने का विरोध जताया था। जिसके बाद केंद्रीय मंत्री ने पुलिस एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा तत्काल की गई कार्रवाई का विरोध जताया है।

बता दें कि करीब 5 दिन पूर्व बजरिया वार्ड 3 निवासी राशन दुकान के सेल्समैन विक्की उर्फ विक्रम रोहित के द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी और दो पेज का सुसाइड नोट भी मिला था। जिसमे दमोह नगर पालिका के सांसद प्रतिनिधि यशपाल ठाकुर, भाजपा नेता मोंटी रैकवार, नर्मदा सूर्यवंशी एवं नरेंद्र परिहार पर प्रताड़ित किए जाने का आरोप लगाया था। मृतक के परिजनों ने अस्पताल चौराहे पर प्रदर्शन किया था और पुलिस ने कार्रवाई का आश्वासन दिया था।

इस घटना के बाद रैकवार समाज के लोगों ने एसपी ऑफिस पहुंचकर मोंटी रैकवार को निर्दोष बताते हुए इस प्रकरण में से उसका नाम हटाने की मांग की थी। जबकि पुलिस ने उक्त सभी लोगों के विरुद्ध मामला जांच में लिया था तथा प्रकरण दर्ज किया था। जब इस बात की जानकारी केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल को लगी तो उन्होंने पुलिस अधीक्षक से मामले की गंभीरता से जांच कराए जाने के आदेश दिए थे। साथ ही मृतक एवं उसके परिवार के प्रति शोक संवेदना प्रकट की थी। बावजूद इसके पुलिस ने इस प्रकरण में सांसद प्रतिनिधि का नाम बतौर आरोपी के रूप में दर्ज कर लिया। जिसके बाद गुरुवार को केंद्रीय मंत्री ने दमोह पुलिस के सेवाएं लेने से मना कर दिया। मीडिया से चर्चा के दौरान उन्होंने कहा की यशपाल ठाकुर मेरे प्रतिनिधि हैं।

द्वितीय पुण्य स्मरण
29.06.2023

स्व.श्रीमती शशिप्रभा भट्ट

निःस्वार्थ प्रेम की मूरत,
परिवार को बांधे रखने के लिए
अपने जीवन को समर्पित किया,
यादें ही तुम्हारी धरोहर हैं
अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

दुखी हृदय-
पिता- पं. पी. एन. भट्ट
भाई- पं. शैलेन्द्र कुमार भट्ट
भाई- पं. दीपक कुमार भट्ट
मो.- 9407266609
जी.ए.डी. कॉलोनी, गोपालगंज, सागर

शोकाकुल
पति- पं. नितिन शर्मा (बंटी)
पुत्री- कु. अंशिका शर्मा
मनोरमा कॉलोनी, सागर
मो.-9425171109

गुफा मंदिर में अभिषेक कर अमरनाथ यात्रा के लिए रवाना हुआ 151 शिव भक्तों का पहला जत्था

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

श्री महा महा कालका युवा उत्सव समिति द्वारा अमरनाथ यात्रा जाने से पहले गुफा मंदिर में अध्यक्ष राकेश रैकवार के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने अभिषेक किया और आज मालवा एक्सप्रेस पर जत्था रवाना हुआ। संस्था के सदस्य संतोष मूलचंद मालवीय संतोष मालवीय पीयूष सेठी रघु रैकवार कैलाश दास पंडा बाबा दीपक शर्मा दीपक उपाध्याय लेखराज महाराज और गुफा मंदिर के महंत से जिसे आशीर्वाद लेकर आज राकेश रैकवार दूसरा जत्था रवाना हुआ। हर साल की तरह इस साल भी 20 लोग हर साल बढ़ते हैं यात्रा पर जाने वाले इस साल राकेश रैकवार का कहना है कि मैं विकलांग और ब्लाइंड और निशुल्क ले जाने वालों की संख्या मेरे पास बढ़ती जा रही है और आजू बाजू के गांव गांव से लोग मेरे पास आना शुरू हो गए हैं जिससे कि मुझे अच्छा लगता है इस संस्था से जो लोग मेरे माध्यम से जो अमरनाथ यात्रा करते हैं उनको यात्रा करा कर मुझे खुशी मिलती है। ओम शिव शक्ति सेवा मंडल रजिस्टर्ड भोपाल के सचिव रिंकू भटेजा ने बताया कि मंडल का 151 शिव भक्तों का पहला जत्था पवित्र त्रिशूल एवम राष्ट्रीय ध्वज लेकर मालवा एक्सप्रेस से रवाना हुआ । इस जत्थे में भोपाल , संत हिरदाराम नगर एवं विदिशा के भक्त शामिल हुए , इस जत्थे में 29 महिलाएं सम्मिलित हैं , इसमें गांधीनगर निवासी 13 वर्ष की बालिका कु दीप्ति असवानी एवं बागसेवनिया निवासी 68 वर्ष के श्री एस के पाठक जी सम्मिलित हैं। पहलगांव मार्ग से जाने वाले यात्रियों का नेतृत्व अरुण तिवारी करेंगे। एवं बालटाल मार्ग से जाने वाले यात्रियों का नेतृत्व राजकुमार आसवानी एवम प्रवीण उपाध्याय द्वारा किया जायेगा । मंडल सदस्यों द्वारा अमरनाथ जाने वाले यात्रियों को तिलक लगाकर ढोल धमाके के साथ विदाई दी गई। अमरनाथ यात्रियों को बिदाई देने हेतु सचिव रिंकू भटेजा ,राजकुमार शर्मा ,राजेश दत्ता ,गुड्डू अग्रवाल ,योगेश श्रीवास्तव ,मनोज पांडे ,प्रदीप सोनी , गजेन्द्र ठाकुर , अमरीश पटेल ,रामजीत गुप्ता , राज कुमार रघुवंशी , सीता शरण शर्मा ,सविता मालवीय ,चेतन साहू सहित अनेकों मंडल सदस्य शामिल हुए ।

निगम आयुक्त ने नीलबड़ कलखेड़ा परियोजना स्थल का किया निरीक्षण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

निगम आयुक्त के.वी.एस. चौधरी ने नीलबड़ क्षेत्र स्थित कलखेड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत आवासीय परियोजना में निर्माणाधीन एलआईजी, ईडब्ल्यूएस आवासों के प्रचलित कार्यों व प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया और सड़क, पानी, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की। निगम आयुक्त चौधरी ने प्रचलित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त श्री चौधरी ने कलखेड़ा परियोजना स्थल में फेस-1 एवं फेस-2 की विद्युत आवश्यकता के अनुसार विद्युत सब स्टेशन की स्थापना करने के निर्देश दिए। निगम आयुक्त चौधरी ने परियोजना स्थल पर निर्माणाधीन ईडब्ल्यूएस स्लम एवं नॉन स्लम आवासीय ब्लाकों, एलआईजी आवासों एवं विभिन्न आकार के भूखण्डों की पृथक-पृथक जानकारी संबंधित स्थल पर पेंट से लिखवाकर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त संदीप केरकेट्टा, मुख्य अभियंता आर.के.सक्सेना सहित निगम के अन्य अधिकारी मौजूद थे।

निगम आयुक्त ने बुधवार को नीलबड़ स्थित कलखेड़ा में प्रधानमंत्री आवास योजनांतर्गत आवासीय परियोजनाओं में विकसित भूखण्ड स्थल एवं निर्माणाधीन एलआईजी, ईडब्ल्यूएस स्लम व ईडब्ल्यूएस नॉन स्लम आवासीय ब्लाकों के प्रचलित कार्यों व प्रस्तावित स्थलों का निरीक्षण किया और सड़क, पानी, बिजली सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के संबंध में अधिकारियों से चर्चा की। चौधरी ने कलखेड़ा परियोजना स्थल में फेस-1 एवं फेस-2 की विद्युत आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विद्युत सब स्टेशन की स्थापना करने के निर्देश दिए। चौधरी ने निर्माणाधीन ईडब्ल्यूएस स्लम व ईडब्ल्यूएस नॉन स्लम आवासीय ब्लाकों के प्रचलित कार्यों के संबंध में अधिकारियों तथा कंसलटेंट से विस्तारपूर्वक जानकारी प्राप्त की। निगम आयुक्त ने निर्माणाधीन एलआईजी आवासों के कार्यों का अवलोकन किया तथा प्रस्तावित कार्यों के संबंध में आधिकारियों से विस्तारपूर्वक चर्चा की निगम आयुक्त चौधरी ने परियोजना स्थल पर जानकारी प्राप्त करने हेतु आने वाले नागरिकों की सुविधा के दृष्टिगत निर्माणाधीन ईडब्ल्यूएस स्लम एवं नॉन स्लम आवासीय ब्लाकों, एलआईजी आवासों एवं विभिन्न आकार के भूखण्डों की पृथक-पृथक जानकारी संबंधित स्थल पर ही पेंट से लिखवाकर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए।

साधु वासवानी स्कूल के 5 विद्यार्थी बने वंदे भारत ट्रेन का हिस्सा

संत हिरदाराम नगर। सुधार सभा द्वारा संचालित साधु वासवानी स्कूल के पांच विद्यार्थी वंदे भारत ट्रेन का हिस्सा बनें। शिक्षाविद् विष्णु गेहानी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वंदे भारत ट्रेन की उपलब्धि पर अपने विचार रखते हुए बताया कि यह प्रयास हर भारतीय के लिए सुविधाजनक होगा ऐसा मेरा विश्वास है। बड़े ही हर्ष की बात है कि साधु वासवानी स्कूल के पांच विद्यार्थियों को पास देकर ट्रेन में बिठाया गया और इस ट्रेन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा हरी झंडी देकर रवाना किया गया। इस यात्रा के दौरान सभी विद्यार्थियों ने बहुत एंजाय किया, कक्षा आठवीं के छात्र राजवीर ने प्रधानमंत्री की बहुत ही सुंदर तस्वीर बनाई जिसे बड़े-बड़े अधिकारियों ने बहुत ही सराहा, साथ ही छात्रा लवीशा पारवानी ने स्वच्छ भारत अभियान के तहत एक सुंदर कविता सुनाई, जिसे सुनकर सभी भावविभोर हो गए।

नवनिध विद्यालय की छात्राओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट की

संत हिरदाराम नगर। नवनिध हासोमल लखानी पब्लिक विद्यालय की पाँच छात्राओं को वंदे भारत एक्सप्रेस के लोकार्पण के अवसर पर देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से भेंट करने का अवसर प्राप्त हुआ। इस हेतु नवनिध विद्यालय की शिक्षिकाओं में हिमांशी लालवानी, लता मनवानी, कोमल जग्गी एवं सोनिया रायचंदानी के मार्गदर्शन में वाद-विवाद ,कविता पाठ, ड्राइंग एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया व इन प्रतियोगिताओं में चुनी गई छात्राओं में से स्वस्ति बंसल, लवीशा बनवानी, निक्की तिवारी, परिधि रमतानी एवं भूमि रामचंदानी को विद्यालय की खेल विभाग की शिक्षिका गीता राजपूत के नेतृत्व में नई शुरू की गई वंदे भारत एक्सप्रेस में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्तालाप करने एवं इन अविस्मरणीय पलों का प्रत्यक्ष रूप से साक्षी बनने का सुअवसर प्राप्त हुआ।

अनुबंध पत्र का पंजीयन कार्यालय में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य

भोपाल । अचल सम्पत्ति क्रय-विक्रय के अनुबंध (सौदा-चिट्ठी) का पंजीयन आवश्यक है। भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 की धारा-17 के अंतर्गत अचल सम्पत्तियों भूमि, भवन, फ्लेट, प्लॉट, दुकान / गोडाउन / कार्यालय इत्यादि को खरीदने या विक्रय के एग्रीमेंट का पंजीयन सब रजिस्ट्रार कार्यालय में करना अनिवार्य है। केवल स्टाम्प पर लिखे गये नोटराईज्ड अनुबंध कानूनी अधिकार प्रदान नहीं करता है। अचल सम्पत्ति के क्रय-विक्रय के अनुबंध पत्रों पर स्टाम्प एवं पंजीयन शुल्क निर्धारित है। एग्रीमेंट में सम्पत्ति पर कब्जा नहीं दिया है, तो एक हजार रूपये स्टाम्प ड्यूटी और अनुबंध मूल्य का 0.8 प्रतिशत पंजीयन फीस प्रभार्य है। अनुबंध के द्वारा कब्जा देने पर सम्पत्ति के बाजार मूल्य या सौदा मूल्य, जो भी अधिक हो का हस्तांतरण पत्र अनुसार (5 प्रतिशत) स्टाम्प शुल्क तथा 0.8 प्रतिशत पंजीयन फीस प्रभार्य है। अनुबंध पत्र पर उपरोक्तानुसार चुकाई गई स्टाम्प ड्यूटी और पंजीयन फीस का समायोजन रजिस्ट्री कराने पर हो जाता है।

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में रीडिंग पर ऑनलाइन क्विज का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के भाषा विभाग द्वारा केन्द्रीय पुस्तकालय के संयुक्त तत्वावधान में रीडिंग पर ऑनलाइन क्विज का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में रीडिंग स्किल्स को बढ़ावा देना है। केरल सरकार एवं पी.एन. पणिकर फाउंडेशन द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में रीडिंग स्किल्स के प्रति जागरूकता लाने हेतु रीडिंग डे मंथ के अंतर्गत विभिन्न प्रेरणादायक गतिविधियों के आयोजन का सुझाव दिया गया था। महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. डालिमा पारवानी ने कहा कि केरल में लाईब्रेरी मूवमेंट के जनक कहे जाने वाले स्वर्गीय पी.एन. पणिकर के सम्मान में प्रतिवर्ष नेशनल रीडिंग डे मनाया जाता है। विद्यार्थियों को पढ़ें और बढ़े की इस पहल का भरपूर लाभ लेना चाहिए। यह विद्यार्थियों में एकाग्रता एवं विचारों की सृजनशीलता को बढ़ावा देता है। नई शिक्षा नीति 2020 में मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के लिए रीडिंग स्किल्स पर विशेष जोर दिया गया है जिससे कि विद्यार्थियों को इस स्किल के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। इस ऑनलाइन क्विज में 50 से अधिक विद्यार्थियों ने भाग लिया एवं सभी को ई-सर्टिफिकेट प्रदान किये गये।

7 वर्षीय बच्चे ने राखी बनाकर स्वयं की आय से 21000 की सहयोग राशि मातृछाया को भेंट की

भोपाल । गर्मियों की छुट्टियों में अपने नाना नानी विजय गुप्ता के यहां माता पारुल शर्मा और पिता आशीष शर्मा के साथ भोपाल आए 7 वर्षीय नन्हे नील ने अपने स्वयं के कमाई जो राखिया बनाकर उन्होंने अर्जित की थी से सेवा भारती द्वारा संचालित मातृछाया संस्था की गतिविधियों को जाकर देखा

और ?21000 की सहयोग राशि अपनी और सेवा भारती को भेंट की इस अवसर पर मातृछाया के वरिष्ठ पदाधिकारियों नवनीत अग्रवाल भगवानदास ढालिया आदि ने नील की भावना कद्र करते हुए नोनिहालो को प्रेरणा लेने का आवाहन किया।

बरखेड़ा ई सेक्टर से 28 पेटी अवैध शराब जब्त

भोपाल । कलेक्टर आशीष सिंह* निर्देशन में बुधवार 28 जून 2023 को सहायक आबकारी आयुक्त दीपम रायचुरा द्वारा गठित दल ने आबकारी नियंत्रक सजेंद्र मोरी के नैतृत्व में एन-2 ई सेक्टर म.न.640 क्र॰थ्रबरखेड़ा में दविश देकर आरोपी हीरालाल चौरसिया उम्र-40 वर्ष के मकान से 10 पेटी गोवा व्हिस्की 18 पेटी देशी मदिरा कुल 28 पेटियों में 252 ब. ली. मदिरा बरामद कर म.प्र. आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)(2) का प्रकरण कायम किया । आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। प्रकरण उपनिरीक्षक रमेश अहिरवार द्वारा कायम कर विवेचना की जा रही है। मदिरा के स्रोत के बारे में भी जानकारी ली जा रही है, जिस लायसेंसी से मदिरा देना पाया जाएगा उसके विरुद्ध भी नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी। जप्त मदिरा की कीमत 1.25 लाख रुपये है। उक्त कार्यवाही से शराब तस्करों में हड़कम्प मच गया है। कार्यवाही में जिले का कार्यपालिक बल व मुख्य आरक्षक, आरक्षक एवं होमगार्ड जवान शामिल रहे। दीपम रायचुरा ने बताया कि अवैध मदिरा के विरुद्ध इस तरह की बड़ी व कडी कार्यवाही निरन्तर जारी रहेगी।

महापौर ने आपात नियंत्रण कक्ष का किया निरीक्षण

भोपाल। महापौर श्रीमती मालती राय ने जोन 7 यातायात पार्क स्थित आपात नियंत्रण कक्ष का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान महापौर श्रीमती राय ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों से प्राप्त शिकायतों, नागरिकों की समस्याओं के संबंध में जानकारी प्राप्त की साथ ही समस्याओं के निराकरण संबंधी कार्यवाही की विस्तृत रूप से जानकारी प्राप्त की एवं समस्याओं के निराकरण के संबंध में की गई कार्यवाही की विस्तृत रूप से जानकारी भी प्राप्त की। महापौर श्रीमती राय ने लंबित शिकायतों का तत्काल निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। महापौर श्रीमती राय ने इस दौरान शिकायत पंजी, कर्मचारियों की उपस्थिति पंजी का भी अवलोकन किया।

पत्रकारिता विश्वविद्यालय को मिला टॉप 10 मीडिया कॉलेज में चौथा स्थान

भोपाल । माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं संचार विश्वविद्यालय की उपलब्धियों में एक और बड़ी उपलब्धि जुड़ गई है । विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. (डॉ.) केजी सुरेश के कुशल नेतृत्व में एशिया के पहले और भारत के सबसे बड़े मीडिया विश्वविद्यालय को इंडिया टुडे रैंकिंग में चौथा स्थान प्राप्त हुआ है । टॉप 10 कॉलेज विथ बेस्ट वेल्यू फॉर मनी, एवं टॉप 10 कॉलेजेस विथ लोएस्ट फीस इन दोनों केटेगरीस के लिए इंडिया टुडे द्वारा भारत के टॉप 10 मीडिया कॉलेजेस में एमसीयू ने चौथा स्थान हासिल किया है । इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो (डॉ) केजी सुरेश ने खुशी जताते हुए विश्वविद्यालय परिवार के सभी सदस्यों को बधाई दी है । उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व अंग्रेजी पत्रिका द वीक ने अपने वार्षिक रैंकिंग में विश्वविद्यालय को टॉप 10 मीडिया संस्थानों में शुमार किया था । ओपन पत्रिका ने भी अपनी सूची में पश्चिम भारत में अव्वल नंबर पर माखनलाल चतुर्वेदी विश्वविद्यालय को स्थान दिया था । नए परिसर में हस्तांतरित होने के बाद विश्वविद्यालय का यह पहला रैंकिंग हैं ।

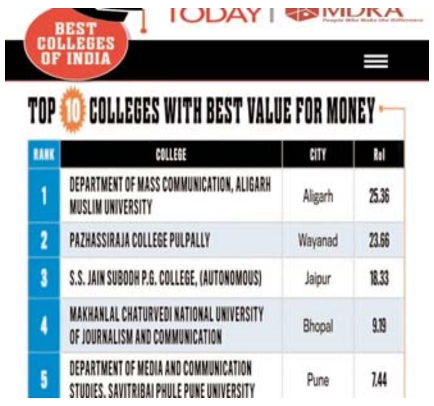

RANK	COLLEGE	CITY	RoI
1	DEPARTMENT OF MASS COMMUNICATION, ALIGARH MUSLIM UNIVERSITY	Aligarh	25.36
2	PAZHASSIRAJA COLLEGE PULPALLY	Wayanad	23.66
3	S.S. JAIN SUBODH P.G. COLLEGE, (AUTONOMOUS)	Jaipur	18.33
4	MAKHANLAL CHATURVEDI NATIONAL UNIVERSITY OF JOURNALISM AND COMMUNICATION	Bhopal	9.19
5	DEPARTMENT OF MEDIA AND COMMUNICATION STUDIES, SAVITRIBAI PHULE PUNE UNIVERSITY	Pune	7.44

मिट्ठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल में मेधावी छात्र सम्मान समारोह का आयोजन

मित्रों के चयन एवं अपने विचारों के प्रति सजग रहें : सिद्ध भाऊ

संत हिरदाराम नगर। सत्र 2022-23 के कक्षा दसवीं एवं बारहवी सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में उत्कृष्ट अकादमिक प्रदर्शन 85 प्रतिशत एवं उससे अधिक अंक लाने वाले मिठी गोबिंदराम पब्लिक स्कूल के 47 विद्यार्थियों को सम्मानित करने हेतु 'मेधावी छात्र सम्मान समारोह' का आयोजन संत हिरदाराम सभागार में किया गयाद्ध जिसमें मेधावी विधार्थियों के साथ-साथ उनके माता-पिता, दादा-दादी, नाना-नानी एवं परिवार के अन्य सदस्यों को भी सम्मान हेतु आमंत्रित किया गया था। इस कार्यक्रम का मूल उद्देश्य विद्यार्थियों की लगनशीलता, अध्ययन के प्रति गंभीर दृष्टिकोण, आत्मविश्वास, सतत् परिश्रम करने की प्रवृत्ति की सराहना करना तथा माता-पिता के प्रति कृतज्ञता का भाव जगाना रहा। श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी के पावन कर कमलों द्वारा मेधावी छात्रों को ट्रॉफी एवं प्रमाण-पत्र तथा उनके माता-पिता व परिवार के अन्य सदस्यों को सरोपा, श्रीफल व पुष्प-गुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर अपने आशीर्वचनों में श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी ने सभागार में उपस्थित अभिभावकों, शिक्षकों एवं अकादमिक उत्कृष्टता प्रदर्शित करने वाले विद्यार्थियों को असीम शुभकामनाएँ प्रदान करते हुए कहा कि छात्रों की सफलता का श्रेय छात्र की मेहनत के साथ ही अभिभावकों के त्याग एवं आशीर्वाद को जाता है। माता-पिता के त्याग के प्रति कृतज्ञता, शिक्षकों के प्रति श्रद्धाभाव, लक्ष्य के प्रति सजगता सफलता का कारक हैं। उन्होंने छात्रों से अपील करते हुए कहा कि मित्रों के चयन एवं अपने विचारों के प्रति सजग रहें क्योंकि संगति आपके व्यक्तित्व निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। इसी क्रम में उन्होंने छात्रों को अपनी दिनचर्या को सुव्यवस्थित स्वरूप प्रदान करने हेतु समय-सारणी बनाने एवं उसका अनुशासित रूप से पालन करने हेतु निर्देशित किया तथा माता-पिता को पंचाग-प्रणाम कर अपने भीतर विनम्रता, शालीनता एवं कृतज्ञता का भाव रोपित करने हेतु प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि वर्तमान युवा-पीढ़ी में प्रतिभा कूट-कूट कर भरी हुई है बस आवश्यकता है उस प्रतिभा को शक्ति एवं कर्मठ प्रयासों द्वारा सही दिशा की ओर अग्रसर करने की। माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के बाल्य-जीवन की आर्थिक समस्याओं की ओर इंगित करते हुए भाऊजी ने अपने संबोधन में कहा कि उनकी दृढ़-इच्छाशक्ति, परिश्रम, आत्मविश्वास एवं माता-पिता के आशीष के परिणाम स्वरूप ही वे आज विश्व में भारत के गौरव को बढ़ा रहें हैं। संस्था सचिव ए.सी. साधवानी ने कहा कि श्रद्धेय सिद्ध भाऊजी द्वारा अभिप्रेरणात्मक सत्रों का आयोजन छात्रों के संपूर्ण व्यक्तिव निर्माण हेतु किया जाता है जिसमें छात्रों को शिक्षा एवं स्वास्थ्य संबंधी विषयों पर जागरूक किया जाता रहा है जिसके परिणाम स्वरूप उत्कृष्ट परीक्षा परिणाम प्राप्त कर छात्र सफलता के मार्ग पर आगे बढ़ रहे हैं। इसी क्रम में छात्र की सफलता में माता-पिता के योगदान को उन्होंने अतुलनीय बताते हुए कहा कि मां उन्हें बुनियादी आधार देकर उनकी जड़ों को सींचती है तथा पिता पंख देकर उनके अंदर आत्मविश्वास भरते है। साथ ही उन्होंने मेधावी छात्रों की इस सफलता का श्रेय शिक्षकों देते हुए उनके गहन अनुभव, ज्ञान एवं कर्मठता का अभिवादन कर उन्हें बधाई दी। संस्था सह-सचिव श्री के. एल. रामनानी ने मेधावी छात्रों एवं अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी विद्यालय के लिए वे गौरव के क्षण होते हैं जब वे अपने छात्रों को सम्मानित करते हैं। विद्यार्थी की सफलता का मूल कारण माता-पिता एवं शिक्षकों के त्याग और सहयोग भाव से पूर्ण होता है। अतः शिखर पर पहुंचते पर हमें इनके प्रति कृतज्ञता रखनी चाहिए। इसी क्रम में उन्होंने छात्रों को कहा कि विचारों को समय-समय पर शुद्ध करें तथा करणीय तथा अकरणीय विषय-वस्तुओं के मध्य अंतर को समझें।

संस्था के डारेक्टर अकादमिक गोपाल गिरधानी ने संबोधन में कक्षा 10वीं एवं 12वीं के परीक्षा परिणाम के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कक्षा 10वीं का परिणाम छात्रों का विषय चयन का अवसर देता है तथा कक्षा 12वीं का परीक्षा परिणाम हायर एजुकेशन के लिए अभिप्रेरित करता है। विद्यालय प्राचार्य अजय बहादुर सिंह ने अपने स्वागत उद्बोधन में मेधावी छात्र सम्मान में उपस्थित सभी सम्मानीय एवं पूज्यजनों का हार्दिक अभिनंदन करते हुए विद्यालय परिवार की ओर से कृतज्ञता ज्ञापित की। उपरोक्त वक्ताओं के अतिरिक्त इस कार्यक्रम में भगवान बाबाणी प्रशासनिक अधिकारी, थांवरदास वरलानी नवयुवक परिषद के महासचिव, अजय बहादुर सिंह प्राचार्य, आशा चंगलानी (उप-प्राचार्या), कॉर्डिनेटर्स, अभिभावक, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्रगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार विद्यालय उपप्राचार्या आशा चंगलानी द्वारा व्यक्त किया गया व कुशल संचालन शिक्षिका अंजू गोगिया द्वारा किया गया।

ईद उल अजहा के मौके पर ईदगाह पर ईद की नमाज अदा करते मुस्लिम धर्मालंबी।

मुख्य अभियंताओं दरकिनार कर अधीक्षण यंत्री को बनाया जल संसाधन विभाग का प्रमुख अभियंता

अमित शाह ने कहा था, इन्हें सस्पेंड किया जाएगा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मध्य प्रदेश में जो हो जाए, कम है। बड़े अफसरों के मामले में कंगाल जल संसाधन विभाग में एक कमाल और हो गया है। एक अधीक्षण यंत्री को प्रमुख अभियंता यानी ईएनसी का महत्वपूर्ण पद सौंप दिया गया। ये भी तीन माह पहले रिटायर हो चुके हैं और एक परियोजना में पांच सौ करोड़ रुपए एडवांस भुगतान के आरोपी हैं। मजे की बात ये है कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा में इसी अधिकारी को सस्पेंड करने का ऐलान करके गए थे।

आज सत्ताईस जून को एक आदेश जारी हुआ है। आदेश कमांक 945/1340747/2023/ पी-1 /31= विभाग के आदेश कमांक इस 396/1187608/2023/ पी-1 /31 दिनांक 17.03.2023 के अनुक्रम में शिशिर कुशवाहा, प्रभारी मुख्य अभियंता (केन्द्रीयकृत निविदा इकाई एवं बजट) कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग को एतद् द्वारा प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग के रिक्त पद का अतिरिक्त प्रभार अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक सौंपा जाता है।

इन्हे प्रभारी मुख्य अभियंता भी नियम के तहत नौ बनाया गया था। दस अधीक्षण यंत्री वरिष्ठ हैं विभाग में, लेकिन कुशवाह को प्रभारी सीई बना दिया। तीन माह पहले ये रिटायर हो गए। फिर इन्हें संविदा पर रखा गया। अब ईएनसी बना दिया। कुशवाह सिवनी में प्रमुख अभियंता के प्रभार में थे, तब छिंदवाड़ा कॉम्प्लेक्स मामले में पांच सौ करोड़ एडवांस भुगतान का मामला चर्चा में आया था। इस मामले में कार्यपालन यंत्री को तो सस्पेंड कर दिया, ये बच

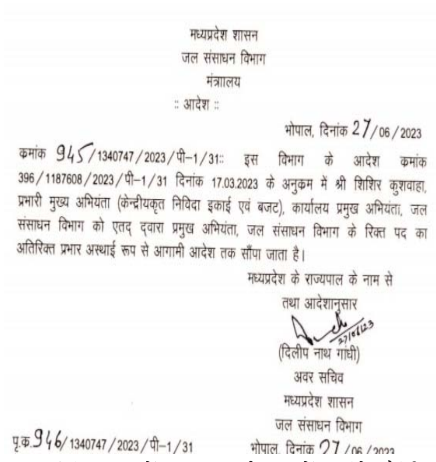
मध्यप्रदेश शासन
जल संसाधन विभाग
मंत्रालय
:: आदेश ::

भोपाल, दिनांक 27/06/2023

कमांक 945/1340747/2023/पी-1/31:: इस विभाग के आदेश कमांक 396/1187608/2023/पी-1/31 दिनांक 17.03.2023 के अनुकम में श्री शिशिर कुशवाहा, प्रभारी मुख्य अभियंता (केन्द्रीयकृत निविदा इकाई एवं बजट), कार्यालय प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग को एतद् दवारा प्रमुख अभियंता, जल संसाधन विभाग के रिक्त पद का अतिरिक्त प्रभार अस्थाई रूप से आगामी आदेश तक सौंपा जाता है।

मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम से
तथा आदेशानुसार
27/06/23
(दिलीप नाथ गांधी)
अवर सचिव
मध्यप्रदेश शासन
जल संसाधन विभाग

पृ.क. 946/1340747/2023/पी-1/31 भोपाल, दिनांक 27/06/2023

गए। छिंदवाड़ा में एक कार्यक्रम में पहुंचे केंद्रीय मंत्री अमित शाह के संज्ञान में ये मामला लाया गया तो उन्होंने मंच से कहा की इस अधिकारी को सस्पेंड किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह और राज्यमंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल भी यहां मौजूद थे। कुशवाह पेंच परियोजना फेस वन और टू में कथित अनियमितताओं के आरोपी भी हैं। इसमें भी एडवांस पेमेंट किया गया। दोनो मामले में तत्कालीन कार्यपालन यंत्री शर्मा और महाजन को सस्पेंड किया गया। मुख्य अभियंता हर बार बचते रहे।

बताया जाता है कि पूरा मामला सीएम कार्यालय से संपन्न हुआ है, मंत्री तुलसी सिलावट से साइन कराए गए। आज जब श्रद्ध नरेंद्र मोदी भोपाल यात्रा पर आए हुए थे, उसी दौरान ये आदेश जारी कर दिया गया। उल्लेखनीय है कि जल संसाधन विभाग में वरिष्ठ अधिकारियों का भारी टोटा है। ईएनसी स्तर का एक भी अफसर नही है। मुख्य अभियंता के एक दर्जन पद खाली हैं। पूरा विभाग अधीक्षण यंत्री और कुछ रिटायर अफसर चला रहे हैं।

महा जनसंपर्क अभियान में महापौर ने गंगराड़े से मुलाकात कर पार्टी के बारे में फीडबैक लिया

भोपाल। महापौर मालती राय ने न्यू मार्केट व्यापारी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष सतीश गंगराड़े के निवास नेहरू नगर स्थित आकृति कॉलोनी में महा जनसंपर्क अभियान के अंतर्गत सतीश गंगराड़े से मुलाकात की तथा पार्टी के बारे में फीडबैक लिया। इस अवसर पर चंदीराम तख्तानी, पवन वरदानी, अजय देवनानी, मनीष ठाकुर, पुरषोत्तम आहूजा आदि साथीगण उपस्तिथ रहे।

विधानसभा सत्रों की अल्पावधि लोकतंत्र के लिए चिंता: बैजनाथ कुशवाहा

भोपाल। विधानसभा सत्रों की अवधि कम होने से लोकतांत्रिक मूल्यों में गिरावट आ रही है मध्यप्रदेश विधानसभा में चिंताजनक स्थिति है। यह बात सबलगढ़ विधानसभा सबलगढ़ विधायक बैजनाथ सिंह कुशवाहा ने कहते हुए कहा कि हाल ही में मुंबई में पूरे देश के विधायकों का एक सम्मेलन आयोजित किया गया जिसमें करीब 1700 विधायकों ने भाग लिया इसमें इस बात पर चिंता व्यक्त की गई की विधानसभा सत्र बहुत ही अल्पावधि के हो रहे हैं जिससे विधायकों के जनता के प्रति दायित्व निर्वाहन नहीं कर पा रहे विशेषकर मध्यप्रदेश विधानसभा में सत्र बहुत ही सीमित समय के लिए किए जा रहे हैं यह लोकतांत्रिक परंपराओं के लिए अच्छा नहीं है।

विमुक्त, घुमन्तु, अर्द्धघुमन्तु समुदायों के बेस लाइन सर्वे के लिये 2.34 करोड़ का प्रावधान

भोपाल। प्रदेश में विमुक्त, घुमन्तु, अर्द्धघुमन्तु समुदायों के उत्थान और उनके हितों के लिये चलाई जा रही योजनाओं के बेहतर तरीके से क्रियान्वयन के लिये बेस लाइन सर्वे कराया जा रहा है। इस कार्य के लिये इस वर्ष के विभागीय बजट में 2 करोड़ 34 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है। विभाग ने पिछले वर्ष इस कार्य के लिये विभागीय बजट में 51 लाख रूपये का प्रावधान किया था। बेस लाइन सर्वे में सहयोग करने के लिये एनआईसी द्वारा पोर्टल एवं मोबाइल एप तैयार किया जा रहा है।

इन समुदायों के पारंपरिक कला, ज्ञान और व्यवसाय को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिये आईटीआई के माध्यम से मुख्यमंत्री विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु स्व-रोजगार योजना का क्रियान्वयन किया जा रहा है। योजना में इन वर्गों के आईटीआई द्वारा प्रशिक्षित हितग्राही को 2 लाख रूपये तक व्यक्तिगत ऋण उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है। हितग्राही को ऋण राशि की 25 प्रतिशत राशि अनुदान के रूप में उपलब्ध कराई जाएगी। लाभान्वित हितग्राही को 6 प्रतिशत ब्याज अनुदान भी उपलब्ध कराया जाएगा।

प्रदेश में 51 विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु समुदाय हैं, जो संपूर्ण प्रदेश में फैले हैं। इन वर्गों के आर्थिक सशक्तिकरण के लिये स्कीम फॉर इकोनॉमिक इम्पावरमेंट ऑफ डीएनटी (एसईईडी) परियोजना प्रारंभ की गई है। यह योजना केन्द्र सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से शुरू की गई है। विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण विभाग द्वारा विभागीय वेबसाइट भी तैयार की गई है।

प्रधानमंत्री मोदी की मंशानुरूप पार्टी ने शुरू किया सेवा कार्य: शर्मा

प्रदेश अध्यक्ष ने माता मंदिर चौराहा पर बूथ क्रमांक 105 के कार्यकर्ताओं से किया संवाद

बूथ क्रमांक 105 में शुरू हुआ वाचनालय, स्थानीय जनता पढ़ सकेगी अखबार

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मंशानुरूप भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश भर में प्रत्येक बूथ पर सेवा कार्य प्रारंभ कर दिए है। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के बूथ सशक्तिकरण के सुझाव को लेकर बुधवार शाम को दक्षिण पश्चिम विधानसभा के बूथ क्रमांक 105 के माता मंदिर चौराहा पर बूथ कार्यकर्ताओं से संवाद किया। प्रदेश अध्यक्ष ने वार्ड क्रमांक 105 में वाचनालय का शुभारंभ किया, जिसमें स्थानीय जनता अखबार पढ सकेगी। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं को महत्वपूर्ण सुझाव भी दिए।

शर्मा ने कहा कि हम सेवा के लिए कार्य करते है, यह विश्वास जनता से अर्जित भी करना है। जिसका आज से शुभारंभ हो गया है। हमें समाज में सकारात्मक भाव लाने के लिए ऐसे रचनात्मक कार्यक्रम करने होंगे, जिससे सामाजिक ताना बाना अच्छा हो। घरों से पेपर एकत्रित कर एक स्थान पर पढने की व्यवस्था की जा रही है।

प्रत्येक बूथ पर अखबारों का वाचनालय शुरू करेंगे। प्रदेश अध्यक्ष शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की मंशा के अनुरूप प्रदेश भर के कार्यकर्ताओं ने संकल्प लिया है कि प्रत्येक बूथ पर सेवा कार्य करेंगे और आज से ही शुरू कर दिया है। इसी प्रकार हमें आसपास रहने वाले बच्चों के जन्मदिन को आगंनवाडी में एकत्रित होकर मनाना, प्रधानमंत्री जी ने 5 लाख रूपए तक के इलाज की व्यवस्था की है उनका आयुष्मान कार्ड बनाना और गरीब कल्याण की योजनाओं को घर घर में जाकर बताना है। इस अवसर पर पूर्व मंत्री उमाशंकर गुप्ता, पार्टी के प्रदेश मंत्री राहुल कोठारी, जिला महामंत्री रविन्द्र यति, विधानसभा प्रभारी शंकर मकोरिया, राजेन्द्र गुप्ता, जिला मंत्री कीर्ति गुप्ता, राजकुमार विश्वकर्मा, राजू अनेजा, आरती अनेजा, विमलेश यादव, मंडल अध्यक्ष आदित्य अग्रवाल, प्रियेश उपाध्याय, पारस नरवरिया, विस्तारक भूषण वर्मा, लालबिहारी सिंह, सुमंत राज, दिनेश कुमार, महेन्द्र दवे सहित जिला पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित थे।

संस्कृति मंत्री ने अयोध्या दर्शन के लिए 40 सफल परीक्षार्थियों को किया रवाना

भोपाल। संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने आनंद के धाम जय श्री राम प्रतियोगिता के 40 सफल परीक्षार्थियों के समूह को शुभाशीष देते हुए अयोध्या के लिए रवाना किया। मंत्री सुश्री ठाकुर ने मानस भवन में सभी परीक्षार्थियों से परिचय प्राप्त कर उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएँ दीं। परीक्षार्थी समूह राजा भोज हवाई अड्डे से हवाई जहाज से प्रयागराज पहुँचेगा और वहाँ से अयोध्या के लिए प्रस्थान करेगा। परीक्षा में कुल 172 परीक्षार्थी सफल हुए हैं। सफल परीक्षार्थियों को हवाई जहाज से भोपाल से प्रयागराज तथा प्रयागराज से अयोध्या तक बस से ले जाया जाएगा। विजेताओं को 40-40 के समूह में अयोध्या स्थित रामलला के दर्शन कराए जाएंगे। तुलसी मानस प्रतिष्ठान के कार्यकारी अध्यक्ष श्री रघुनंदन शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता 10 अक्टूबर 2022 को ऑनलाइन हुई थी। कुल 25 हजार 448 परीक्षार्थियों ने फॉर्म भरे तथा 22 हजार 852 परीक्षार्थी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में कक्षा 9 से 12 तक के स्कूली विद्यार्थी शामिल हुए।

बिजली की ट्रिपिंग में कमी नहीं आने पर होगी सख्त कार्यवाही

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कहा कि बिजली की ट्रिपिंग कम करने के लिये हर संभव कदम उठाये जाये। ट्रिपिंग में कमी नहीं आने पर संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जायेगी। इस संबंध में 33 एवं 11 के.व्ही. फीडरों पर विशेष ध्यान दें। ऊर्जा मंत्री तोमर ने कहा कि जहाँ स्टॉफ की जरूरत हो, वहाँ आउटसोर्स करें। स्टॉफ की कमी का जैसा कोई भी बहाना मान्य नहीं होगा। स्टोर में पर्याप्त सामग्री उपलब्ध रहनी चाहिये। ट्रांसफार्मर की मरम्मत और खराब सर्विस लाइन तुरंत बदलने की कार्यवाही की जाये। साथ ही कॉल-सेंटर की दक्षता बढ़ायें। शिकायत करने वाले उपभोक्ताओं से फीडबैक भी लें। घर में बँटवारा होने पर अलग-अलग बिजली कनेक्शन देने का प्रावधान बनाया जाये। तोमर ने उप केन्द्रों एवं लाइनों के संधारण कार्य की भी समीक्षा की।

91-7440389275
Yash Civil Contractor
Residential / Commercial
Quality Construction With
Material & Labour Rates
Contact Us :-
Bhopal. (M.P.)

एससी-एसटी वर्गों के आर्थिक विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं: वित्त मंत्री

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

वित्त एवं वाणिज्यिक कर मंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि अनुसूचित जाति-जनजाति वर्गों के लिए विभिन्न विभाग द्वारा संचालित योजनाओं का एक जगह संग्रह होना चाहिए। इससे उनको मिलने वाले लाभ का विश्लेषण करने में सभी विभाग को आसानी होगी। देवड़ा ने कहा कि राज्य सरकार इन वर्गों के आर्थिक विकास के लिये प्रतिबद्ध है और इसके लिये बजट की कोई कमी नहीं है। देवड़ा मंत्रालय में अनुसूचित जाति एवं जनजाति वर्ग के युवाओं के लिए स्व-रोजगार एवं उद्यमिता के क्षेत्र में नवीन अवसर नियमित करने के लिए गठित मंत्रीमंडल समूह की बैठक को संबोधित कर रहे थे।

बैठक में विभिन्न निवेश नीति और योजनाओं में इन वर्गों के लिये वित्तीय एवं गैर वित्तीय सुविधाएं उपलब्ध कराने और इन वर्गों के व्यवसायियों को शासकीय उपार्जन में प्राथमिकता एवं विभिन्न प्रकार की छूट प्रदान करने पर भी विचार किया गया। साथ ही इन वर्गों के परंपरागत शिल्प, उत्पाद पाक कला, कृषि, वनों पर आधारित उपचार पद्धतियों और विभिन्न कलाओं को सुरक्षित रखने पर भी चर्चा हुई। स्व-रोजगार एवं उद्यमिता से जुड़े नगरीय विकास एवं आवास, किसान-कल्याण एवं कृषि विकास, वन, आयुष, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम विभाग, कुटीर एवं ग्रामोद्योग, अनुसूचित जाति -अनुसूचित जनजाति, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, उद्यानिकी एवं खाद्य प्र-संस्करण जैसे विभागों के बीच समन्वय होना चाहिए जिससे इन विभागों से जुड़ी योजनाओं का लाभ भी इन वर्गों को मिल सके। बताया गया कि दलित इंडियन चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री - डिक्की से जुड़े उद्यमियों के लिए मालीखेड़ी गाँव जिला इंदौर में भूमि उपलब्ध कराने की कार्रवाई की जाएगी। सभी विभागों के प्रतिनिधियों ने इस पर सहमति व्यक्त की कि एसटी-एससी प्लान का पैसा इन्हीं वर्गों की अन्य योजनाओं के लिए उपयोग में लाना चाहिए। डिक्की के स्टेट प्रेसीडेंट डॉक्टर अनिल सिरवैया ने एसटी-एससी युवाओं के स्व-रोजगार और उद्यमिता के लिए सुझाव देते हुए कहा कि अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम तथा आदिवासी वित्त एवं विकास निगम जैसी महत्वपूर्ण संस्थाओं को पूरी तरह से प्रोफेशनल बनाने की आवश्यकता है। अन्य प्रदेशों में इन वर्गों के लिए संचालित अच्छी योजनाओं का अध्ययन कर मध्यप्रदेश में लागू किया जाना चाहिए। सभी प्रकार के सूक्ष्म और मध्यम स्तरीय काम-धंधे की इन्वेंटरी बनाना चाहिए। यह सभी विभागों और संभावित हितग्राहियों के लिए लाभकारी होगी।

स्वास्थ्य मंत्री डॉ. प्रभुराम चौधरी, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्री ओमप्रकाश सखलेचा, औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव, श्रम कल्याण मंडल के अध्यक्ष भगवानदास गोंडाने, प्रमुख सचिव औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन संजय कुमार शुक्ला एवं संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

स म्पा द की य

विपक्षी एकता में बाधा

आगामी लोकसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी से मुकाबले के लिए विपक्षी एकता सुनिश्चित करने की राह में कांग्रेस और आप का विवाद कहीं बड़ी बाधा न बन जाए। पटना बैठक से पहले आप ने दबाव बनाया कि पहला एजेंडा दिल्ली सरकार को अफसरों के तबादले और तैनाती का सुप्रीम कोर्ट से मिला अधिकार खत्म करने के लिए केंद्र सरकार द्वारा लाया गया अध्यादेश होना चाहिए। उसका जोर इस बात पर भी था कि कांग्रेस राज्यसभा में इस अध्यादेश का विरोध करने की घोषणा तत्काल कर दे। वैसा नहीं हुआ तो आप संयोजक अरविंद केजरीवाल संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल हुए बिना दिल्ली लौट गए और चेतावनी के अंदाज में कहा कि अगर कांग्रेस अध्यादेश के विरोध की घोषणा नहीं करती तो आप के लिए भविष्य में एकता की बैठकों में शामिल होना मुश्किल होगा।

इस चेतावनी में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल की मजबूरी कम, उनका दंभ अधिक दिखाई दे रहा है। सार्वजनिक दबाव की ऐसी नीति से सकारात्मक संकेत नहीं जाता, लेकिन हर दल और नेता की अपनी शैली होती है और अरविंद केजरीवाल इसी तरह के नेता हैं। दिल्ली की राजनीति में यह सफल भी नजर आती है, लेकिन व्यापक रूप से इसकी सफलता पर फिलहाल कुछ नहीं कहा जा सकता।

साल 2011 में भ्रष्टाचार पर अंकुश के लिए अन्ना हजारे के चर्चित जन लोकपाल आंदोलन से उठे सत्ता विरोधी जन भावनाओं के उफान के बीच नवंबर, 2012 में अरविंद केजरीवाल और उनके साथियों द्वारा बनाई गई आम आदमी पार्टी दिल्ली के बाद पंजाब में भी सरकार बनाने में सफल रही। और दोनों ही राज्यों में उसने भाजपा नहीं, कांग्रेस की सरकारें छीनीं हैं। एक तो वह खुद यह भूल जाते हैं कि जिससे सत्ता छीनी या उनके कारण जिसकी सत्ता गई, उसी पर अपनी शर्तें थोपना कितना उचित है? दूसरा केजरीवाल की कार्यशैली सीधे टकराने की रही है। हालांकि इसी के चलते उन्हें सफलताएं मिली हैं, लेकिन ये सफलताएं कितनी दीर्घकालीन होंगी, यह सवाल तो उठने ही लगा है।

केजरीवाल की कार्यशैली के चलते ही कुमार विश्वास, प्रशांत भूषण और योगेंद्र यादव समेत अनेक संस्थापक सदस्य पार्टी छोड़ गए तो राज्य सरकार के लिए आप को सिर-आंखों पर बिठानेवाले मतदाता भी लोकसभा चुनाव में उसे नकारते रहे। इस जमीनी राजनीतिक हकीकत का परिणाम है कि 2012-13 में जो अरविंद केजरीवाल कांग्रेस-बीजेपी समेत तमाम दलों में भ्रष्ट नेताओं की सूची जारी करते हुए देश को वैकल्पिक राजनीति का सपना दिखाते थे, अब उन्हीं दलों-नेताओं के साथ मिलकर बीजेपी विरोधी गठबंधन की जरूरत पर जोर दे रहे हैं। कह सकते हैं कि देना पड़ रहा है। और जो भ्रष्टाचार के विरोध में देश की आवाज बनने का सपना देख रहा था, उसके तमाम सहयोगी लगातार भ्रष्टाचार के आरोपी बनते जा रहे हैं। दो मंत्रियों को तो जेल ही हो चुकी है और निशाने पर स्वयं केजरीवाल भी हैं।

अन्ना आंदोलन का लाभ दिल्ली में भले केजरीवाल को मिला, पर राष्ट्रीय राजनीति में लॉटरी भाजपा की खुली। 2014 के लोकसभा चुनाव में तीन दशक बाद अकेले दम स्पष्ट बहुमत पाकर बीजेपी ने सबको चौंका दिया और देश की सबसे पुरानी पार्टी कांग्रेस ने महज 44 सीटों के साथ अपना सबसे शर्मनाक प्रदर्शन किया। प्रधानमंत्री पद पर ताजपोशी के बाद नरेंद्र मोदी और बीजेपी का कद तेजी से बढता गया तो तेवर भी आक्रामक होते गए। 2019 में बीजेपी की सीटें 282 से बढ़कर 303 हो जाने के बाद विपक्षी दलों को भविष्य नहीं, अस्तित्व का ही संकट महसूस होने लगा है।

इसलिए तमाम दल आपसी एकता बनाने की ओर बढ़े। लेकिन परस्पर विश्वास और सम्मान के बिना राजनीतिक गठबंधन कैसे बने? गुजरात चुनाव के बाद भले ही आप को राष्ट्रीय दल का दर्जा मिल गया हो, पर जमीनी सचाई यही है कि बीजेपी के अलावा सिर्फ कांग्रेस ही ऐसा राष्ट्रीय दल है, जिसकी उपस्थिति पूरे देश में है। नहीं भूलना चाहिए कि कई क्षेत्रीय दल या तो कांग्रेस के बागियों द्वारा बनाए गए हैं या वे कांग्रेस का परंपरागत जनाधार छीन कर बने हैं। ऐसे में क्षेत्रीय दलों और कांग्रेस के बीच हितों का टकराव स्वाभाविक है, पर राजनीतिक व्यावहारिकता में ऐसे मतभेदों को नजरअंदाज करना पड़ता है। भारत में गठबंधन राजनीति का इतिहास भी यही बताता है, लेकिन समस्या है कि कांग्रेस-आप के बीच महज मतभेद नहीं, गहरा मनभेद भी है।

चुनावी राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप नई चीज नहीं है, लेकिन आप ने जिस तरह कांग्रेस को लगातार निशाना बनाया, उससे दोनों के बीच कटुता की खाई गहरी होती गई है। कभी भ्रष्ट नेताओं की जो सूची केजरीवाल जारी करते थे, उसमें सबसे ज्यादा नाम कांग्रेस नेताओं के ही होते थे। दिल्ली हो या पंजाब, आप ने कांग्रेस से ही सत्ता छीनी। गोवा और गुजरात में भी आप को चुनावी सफलता कांग्रेस की कीमत पर ही मिली। कांग्रेस की दिल्ली और पंजाब इकाइयां तो आप के साथ जाने का विरोध ही कर रही हैं, यह स्वाभाविक भी है।

केजरीवाल की एक समस्या यह भी है कि वो स्वयं को मोदी का विकल्प मान बैठे हैं। जिन सिद्धांतों पर आप बनी, वो ताक में रखे जा चुके हैं और अब आप के पास अन्य दलों का समर्थना पाना मजबूरी है, लेकिन केजरीवाल के धमकी भरे स्वर इसमें बाधक बन रहे हैं। आप व कांग्रेस के बीच कटुता की खाई पाटे बिना इन दोनों का विपक्षी एकता के रथ पर सवार हो पाना संभव नहीं होगा। यह भी ध्यान में रखने की बात है कि ओडिशा, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के सत्तारूढ़ दल पहले ही विपक्षी एकता की इस मुहिम से बाहर हैं। ऐसे में दो राज्यों में सत्तारूढ़ आप को इससे बाहर रखना राजनीतिक समझदारी नहीं होगी। लेकिन जिस कांग्रेस के पास बुरे वक्त में भी देश भर में 18-20 प्रतिशत वोट है, चार राज्यों में जिसकी अपनी सरकार है, तीन अन्य राज्यों में जो सत्ता में भागीदार है, उसके बिना तो कोई भी गठबंधन वास्तविक हो ही नहीं सकता। सच यही है कि कांग्रेस के बिना विपक्षी एकता संभव नहीं है।

पटना बैठक से संकेत मिलता है कि अन्य दलों ने कांग्रेस का महत्व ही नहीं एक हद तक उसकी अग्रणी भूमिका भी स्वीकार कर ली है। तभी अगली बैठक 12 जुलाई को कांग्रेस शासित हिमाचल प्रदेश (शिमला) में करने का फैसला लिया गया। कांग्रेस और आप, दोनों को एक-दूसरे का चुनावी महत्व समझते-स्वीकारते हुए परस्पर सम्मान भाव और विश्वास का रिश्ता बनाना होगा। सबसे पहले तो केजरीवाल का अपना दंभ छोड़ना होगा, तो कांग्रेस को भी बड़ा दिल दिखाना होगा। बेहतर होगा कि शिमला बैठक से पहले ही कांग्रेस और आप अपने बीच की दूरियां कम कर लें। तभी किसी विश्वसनीय विपक्षी एकता का मार्ग प्रशस्त हो पाएगा। और जनता के बीच अपनी विश्वसनीयता बनाने के लिए यह विपक्ष के लिए जरूरी भी होगा। जनता में यदि यह विश्वास नहीं पैदा होगा कि विपक्ष में बिखराव नहीं होगा, तो भाजपा का मुकाबला कठिन ही होगा और सफलता का प्रतिशत भी कम रहेगा।

राजवाड़ा-2-रेसीडेंसी: भाजपा के असंतुष्टों को साधने में लगे हैं संघ के दिग्गज

अरविंद तिवारी

कहा तो यह जा रहा है कि संघ और उसके

अनुषांगिक संगठन इन दिनों भाजपा से बहुत नाराज हैं और समय-समय पर इसका इजहार भी अपने तरीके से कर देते हैं, लेकिन हकीकत कुछ और है। संघ के दिग्गज इन दिनों भाजपा के उन नेताओं की घेराबंदी में लगे हैं, जो अपनी ही पार्टी के नेताओं के खिलाफ मुखर हैं।

नाराज नेताओं को तलब कर संघ के दिग्गज उनसे वन-टू-वन बात कर रहे हैं। प्यार से भी समझाया जा रहा है और आंखे भी तरैरी जा रही है। समझाइश के इस दौर में उनकी नाराजगी का जो कारण है, उस पर भी गौर किया जा रहा है। संघ इस मामले में कितना गंभीर है, इसका अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि इस काम का जिम्मा विभाग और प्रांत प्रचारक स्तर के दिग्गजों ने संभाल रखा है।

पोस्टर पॉलिटिक्स में पर्दे के पीछे के किरदार

विधानसभा चुनाव के पहले मध्यप्रदेश में पोस्टर वार शुरू हो गया है। पहले कमलनाथ के पोस्टर लगे, फिर शिवराज सिंह चौहान के। अब तो पोस्टर की बहार आ गई है। इस पोस्टर वार के पर्दे के पीछे के किरदार कौन हैं? यह जानने में सबकी बहुत रुचि है।

हकीकत तो भाजपा के स्टेट प्रेसीडेंट वीडी शर्मा और मीडिया प्रभारी आशीष अग्रवाल और कमलनाथ के मीडिया एडवाइजर पीयूष बबेले ही बता सकते हैं। लेकिन इन पोस्टर के बहाने दोनों दलों के नेता अपने नंबर बढ़ाने में लग गए हैं। पोस्टर को आधार बनाकर जिस तरह से सोशल मीडिया पर पोस्ट पर पोस्ट

चिपकाई जा रही हैं, वह नंबर बढ़ाए जाने की कवायद का ही हिस्सा है। देखते हैं किसको कितना फायदा मिलता है।

इंदौर में सब पर भारी है चार नेताओं की चौकड़ी

राजेंद्र धारकर, श्रीवल्लभ शर्मा, निर्भयसिंह पटेल और गोकुलदास भूतड़ा जैसे दिग्गजों की अगुवाई में आगे बढ़ी इंदौर की भाजपा मैं इन दिनों चार नेताओं का बड़ा दबदबा है। ये चार नेता हैं जयपाल सिंह चावड़ा, गौरव रणदिवे, मनोज पटेल और सावन सोनकर। इनके दबदबे के आगे बड़े-बड़े नेता पानी भरने लगे हैं। चारों की चौकड़ी जिस पर हाथ रख दे, उसका उद्धार तय माना जाता है और जिससे खफा हो जाए, उसकी फिर खैर नहीं। इनके दबदबे का अहसास सांसद शंकर लालवानी और विधायक महेंद्र हार्डिया जैसे वरिष्ठ नेताओं को भी है। इसलिए कई मौके पर ये दोनों भी इनकी हां में हां मिलाने से ज्यादा कुछ कर नहीं पाते।

विधायकों से प्रेम, दिग्गजों से दूरी, अब टूटने लगा सब्र का बांध

ग्वालियर-चम्बल के जिलों के सिंधिया समर्थकों में छटपटाहट है। कांग्रेस में सिंधिया के नाम का ठप्पा लगाकर ठप्पे से घूमने वाले नेता बीजेपी में निराश क्यों हैं? शिवपुरी जिले के दो कद्दावर नेता राकेश गुप्ता और बैजनाथ यादव अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस में वापसी कर चुके हैं तब सिंधिया के कुछ निकटतम लोग इस बात के विश्लेषण में लगे हैं कि दो-दो, तीन-तीन पीढ़ी से सिंधिया परिवार के साथ राजनीति करने वालों का अब महाराज से भरोसा क्यों उठ रहा है। चर्चा तो यह है कि कमलनाथ सरकार गिराने के बाद महाराज ने सिर्फ विधायकों को तवज्जो दी, क्योंकि उन्हीं के कारण सरकार गिरी। कई ऐसे नेता जो अपने जिले में विधायक से ज्यादा प्रभाव रखते थे, वे इससे खुद को उपेक्षित महसूस करने लगे हैं। इसी कारण टूट रहा है सब्र का बांध।

यहां पैसे देने के लाले, वहां स्टेबिन के गानों पर छलकते जाम और उड़ते नोट

प्रशासन और पुलिस ने 13 वर्षों में कोई पांच बार भूमाफियाओं के खिलाफ अभियान चलाया। बावजूद इसके चंद छटे-छटाए भूमाफिया ना तो अपनी फितरत से बाज आ रहे और ना ही इन्हें कार्यवाही का खौफ है। तमाम कार्यवाहियों और अदालतों के समक्ष बेचारा बनकर खड़े होने वाले इन भूमाफियाओं का असली रंग उदयपुर के पांच सितारा अनन्ता रिसोर्ट में सामने आ गया। इंदौर के एक चर्चित भूमाफिया के बेटे की बेहद खर्चीली डेस्टीनेशन वेडिंग में शहर के वे सभी छटे-छटाए भूमाफिया शामिल हुए। पीड़ितों को प्लाट और पैसे देने के लिए तरसाने वाले ये तमाम भूमाफिया अनन्ता रिसोर्ट में स्टेबिन के गानों पर जाम छलकाते हुए नोट उड़ा रहे थे।

इस बार प्रदेश को मिल सकती है दूसरी महिला मुख्य सचिव

नवंबर में जब मुख्य सचिव इकबाल सिंह बैंस का विस्तारित कार्यकाल समाप्त होगा तब चुनाव आचार संहिता लागू रहेगी। नए मुख्य सचिव के लिए चुनाव आयोग का अनुमोदन लगेगा।

इसका फायदा वीरा राणा को मिल सकता है क्योंकि इकबाल सिंह बैंस के बाद वरीयता सूची में जो 2 नाम है वह केंद्र में प्रतिनियुक्ति पर तैनात है और उसके बाद नंबर वन पर राणा का ही नाम है। देखते हैं मौका किसे मिलता है पर फिलहाल तो आचार संहिता के बीच मुख्य सचिव की नियुक्ति ने राणा के नाम को चर्चा में तो ला दिया है।

चलते-चलते

जयवर्धन सिंह जैसे शांत, सौम्य और सबको साथ लेकर राजनीति करने में विश्वास करने वाले नेता को भी इंदौर के कांग्रेसियों ने पसीना ला दिया। अंतरसिंह दरबार और सदाशिव यादव के झगड़े में महू की बैठक टालना पड़ी। सत्यनारायण पटेल और स्वप्निल कोठारी की खींचतान में पांच नंबर की बैठक स्थगित करना पड़ी। अभी 1, 2, 3 और 4 नंबर विधानसभा क्षेत्र का नंबर आना बाकी है।

पुछल्ला

राजनीति जो कराए वह कम है। प्रेमचंद गुड्डू ने बेटी रीना सेतिया को सांवेर से कांग्रेस के टिकट के लिए मैदान में उतारा और स्थापित कर दिया। अब जब विधानसभा चुनाव नजदीक हैं, गुड्डू खुद आलोट से कांग्रेस के टिकट के दावेदार हो गए हैं। टिकट किसी एक को ही मिलना है। देखते हैं कौन किस पर भारी पड़ता है।

बात मीडिया की

पत्रिका में बड़े बदलाव की आहट है। यह बदलाव जल्दी ही आकार लेगा। इस बदलाव की चपेट में कुछ बड़े नाम भी आ सकते हैं। दरअसल पत्रिका के इंदौर संस्करण से एक के बाद एक कई लोगों ने संस्थान को अलविदा कह दिया। जो लोग रिपोर्टिंग टीम में हैं उनके परफार्मेंस को लेकर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। लंबे समय तक दैनिक भास्कर की एसआईटी में सेवाएं देने वाले सुनील सिंह बघेल ने नोटिस पीरियड समाप्त होने के बाद दफ्तर जाना बंद कर दिया है। सैलरी के मुद्दे पर भास्कर छोड़ने वाले बघेल जल्द ही नई भूमिका में नजर आएंगे। पत्रिका में लंबे समय से सेवाएं दे रहे युवा पत्रकार लवीन ओव्हाल अब टीम दैनिक भास्कर का हिस्सा हो गए हैं। लवीन हेल्ट बीट के अच्छे रिपोर्टर हैं। डिजियाना टीवी में क्राईम बीट देख रहे पलाश राठौर अब पत्रिका अखबार में सेवाएं देंगे। पलाश डिजियाना टीवी में लंबे समय से क्राईम बीट देख रहे थे।

यूसीसी का विचार, वसुधैव कुटुंबकम का आधार

सरयूसुत मिश्र

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भोपाल में 'एक घर-एक परिवार-एक कानून' की जब से बात की है, पूरे देश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) पर गरमा गरम बहस शुरू हो गई है. राजनीतिक क्षेत्र से जो प्रतिक्रियाएं आ रही हैं वह कमोबेश उसी तरीके से हैं जैसा कि कुछ धार्मिक समूह इसके विरोध में प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

देश में यूसीसी की बात पहली बार नहीं हो रही है. भारतीय संविधान निर्माताओं ने भी इसका उल्लेख भारतीय संविधान में किया है. भारत की सर्वोच्च अदालत समान नागरिक संहिता के लिए ना मालूम कितनी बार देश की सरकारों को इसे नहीं लागू करने के लिए कटघरे में खड़ा कर चुकी हैं.

जगत में जन्म और मृत्यु में पूरी तरह से समानता है. कोई भी धर्म-जाति या संप्रदाय कुदरती रूप से असमान नहीं है. समानता का समाज कुदरत की आवाज है. जब मनुष्यता के जन्म, विकास और संरक्षण में धर्म-जाति और संप्रदाय के आधार पर कोई विभेद नहीं है तो फिर जीवन में शादी-विवाह, उत्तराधिकार, संपत्ति, तलाक जैसे दूसरे सामाजिक आधारों में असमानता न केवल गैर वाजिब है बल्कि संविधान और प्रकृति के नियमों के भी खिलाफ है.

संविधान के अनुच्छेद 44 में समान नागरिक संहिता के प्रावधानों को स्वतंत्रता के इतने सालों के बाद अब तक लागू नहीं किया जा सका है. इसका कारण वोट बैंक की राजनीति ही रही है. कांग्रेस आजादी के बाद देश का शासन संभालती रही. कांग्रेस की सरकारों ने धार्मिक आधार पर सामाजिक मुद्दों पर भी अलग-अलग कानूनों को मान्यता दी. धीरे-धीरे प्रगति और विश्वव्यापी जनचेतना के एकीकरण से यह बात विभाजनकारी दिखने लगी कि एक देश में जीवन से जुड़े सामाजिक मुद्दों पर दो कानून कैसे चल सकते हैं?

राजनीति में बीजेपी ने जब से उभार लेना शुरू किया तब से ही उसके बुनियादी मुद्दों में समान नागरिक संहिता का मुद्दा चल रहा है. बीजेपी कोई मुद्दा राष्ट्र के सामने लेकर आए, उस पर आगे बढ़ने का प्रयास करे और उसका राजनीतिक विरोध ना हो यह तो देश के लिए आश्चर्यजनक घटना ही होगी. यूसीसी के मामले में तो धार्मिक समूह जुड़ा हुआ है. मुस्लिम समुदाय को ऐसा लगता है कि यूसीसी के बहाने बीजेपी उन पर हिंदू कोड बिल लागू करना चाहती है. लोकतंत्र में चुनाव में वोट बैंक की राजनीति के कारण कई बार देशहित के मुद्दे भी इस ढंग से आगे बढ़ाए जाते हैं कि मनुष्यता और कुदरत के नियम भी शर्माने लगते हैं।

समान नागरिक संहिता पर पीएम मोदी ने जिस ढंग से विचार रखे हैं उसी से लगता है कि अब इस पर सरकार की ओर से निर्णायक कदम उठाए जा रहे हैं. मुस्लिम पर्सनल ला बोर्ड इसका विरोध कर रहा है. लॉ कमीशन की ओर से इस पर सुझाव मांगे जा रहे हैं. यूसीसी का मामला सरकार और बीजेपी के लिए भी आसान नहीं कहा जाएगा. इसको लेकर राजनीतिक ढंग से भ्रम और अफवाह फैलाई जा रही है. न केवल मुस्लिम समुदाय में बल्कि हिंदू समुदाय में दलित आदिवासियों में परंपरा के नाम पर यूसीसी को विलेन के रूप में बताने का प्रयास किया जा रहा है।

अभी तक सरकार की ओर से यूसीसी का कोई ड्राफ्ट तो सामने नहीं आया लेकिन जो विचार सार्वजनिक रूप से सामने आ रहे हैं उनसे यह विश्वास हो रहा है कि समान नागरिक संहिता में शादी-तलाक, जमीन जायदाद के बंटवारे में सभी धर्मों के लिए एक ही कानून लागू होगा. दुनिया के किसी भी देश में जाति और धर्म के आधार पर अलग-अलग कानून नहीं हैं. यहां तक कि पाकिस्तान में भी समान नागरिक संहिता लागू है. दुर्भाग्य की स्थिति है कि भारत में अलग-अलग पंथों के लिए मैरिज एक्ट हैं. इस वजह से विवाह-जनसंख्या समेत कई तरह का सामाजिक ताना-बाना बिगड़ा हुआ है।

शादी-जनसंख्या और संपत्ति में महिलाओं की भागीदारी हमेशा से महत्वपूर्ण रही है. धार्मिक मान्यताओं के आधार पर इन मामलों में महिलाओं के साथ भेदभाव होता रहा है. समान नागरिक संहिता से महिलाओं की स्थिति ना केवल सुधरेगी बल्कि उनके जीवन में गरिमा और समानता का आविर्भाव होगा।

यूसीसी की राह आसान नहीं है. इसमें बहुत सारे बुनियादी और कठिन मुद्दे शामिल हैं. शादी के मामले में आज तो ऐसे हालात बने हुए हैं कि क्या महिला पुरुष के विवाह को ही शादी माना जाएगा? आज तो लिव इन रिलेशन भी कानूनी है. यहां तक की पुरुष-पुरुष और महिला-महिला के बीच शादी को भी मान्यता देने के संबंध में मामले सर्वोच्च अदालत में निर्णय के लिए लंबित हैं।

यूसीसी में शादी की डेफिनिशन में इन सारी बातों को शामिल करना होगा. शादी के मामले में बालिका की उम्र का बड़ा मुद्दा है. हिंदू मैरिज एक्ट में शादी की उम्र निर्धारित है. मुस्लिम पर्सनल ला में इस पर अलग नियम है. इस बात से तो कोई भी व्यक्ति इनकार नहीं कर सकता कि सभी धर्मों में महिलाओं के लिए वैज्ञानिक दृष्टि से विवाह योग्य उम्र कानून में एक समान होना जरूरी है.

इसी तरह से तलाक और पुनर्विवाह के मामले में भी एक जैसा कानून महिलाओं के जीवन के लिए बेहतर अवसर प्रदान करेगा. यूसीसी का मामला बहुत पेचीदा है. इस पर बहुत सोच समझ कर ही आगे बढ़ने की जरूरत है. जैसे तीन तलाक के मामले में बीजेपी सरकार ने कानून बनाया उसी प्रकार से एक साथ कई विषयों को जोड़ने की बजाय बुनियादी विषयों पर एक एक कर कानून बनाने की प्रक्रिया प्रारंभ की जाना चाहिए.

यूजीसी का विरोध करने वाले खास करके मुस्लिम समुदाय के लोग ऐसा मानते हैं कि यह सभी धर्मों पर हिंदू कानून थोपने का प्रयास जैसा है. जबकि यूसीसी का उद्देश्य साफतौर से सभी को समान नजर से देखना और न्याय करना है. कई मुस्लिम धर्मगुरु और मुस्लिम स्कॉलर यूनिफॉर्म सिविल कोड लागू करने के पक्ष में नहीं है. उनका कहना है कि हर धर्म की अपनी मान्यताएं और आस्थाएं होती हैं. ऐसे में उन्हें नजरअंदाज नहीं किया जा सकता.

ऐसा नहीं हो सकता कि समान नागरिक संहिता में एक समुदाय के नियम सभी पर लागू हो जाएँ. ऐसा भी संभव है कि दूसरे धर्म की अच्छी विधि और परंपराओं को भी यूसीसी में शामिल कर लिया जाए और वह सभी पर लागू हो जिसमें हिंदू समुदाय भी शामिल होगा. इसलिए यूसीसी पर व्यापक विचार विमर्श की जरुरत है. विरोध के लिए विरोध देशहित में नहीं होगा.

बीजेपी पर यह राजनीतिक आरोप लगाया जा रहा है कि लोकसभा चुनाव में वोटों के ध्रुवीकरण के लिए यूसीसी को लाया जा रहा है. यूसीसी को ध्रुवीकरण के नजरिए से ना तो सरकार को देखना चाहिए और ना ही राजनीतिक दलों को. यह देश का सुधार है, सिस्टम का सुधार है. इतिहास में जो सुधार अब तक नहीं हो सका है उस सामाजिक कुरीतियों को दूर करने का सुधार है.

इसके पहले भी जब कश्मीर में धारा 370 को हटाया गया था तब भी इसी तरह के राजनीतिक आरोप लगाए गए थे. एनआरसी लागू करते समय भी इसी तरीके से विरोध की आवाजें उठाई गई थी. स्वच्छंदता और स्वतंत्रता इंसानी स्वभाव हो सकता है लेकिन राष्ट्रीय स्वभाव और अनिवार्यता संविधान और संहिता ही है. सामाजिक सुधार और सामाजिक जीवन से जुड़े नियमों में समानता के प्रति नकारात्मक दृष्टिकोण अंतर्दृष्टि की कमी ही कही जाएगी. कुदरती संहिता समान है तो फिर कानून की संहिता में अलग रहने की मानसिकता कुदरत के साथ भी नाइंसाफी ही कही जाएगी।

भारत-अमेरिका-सामरिक सहयोग की और बढ़ते कदम

ब्रह्मदीप अलूने

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की हालिया यात्रा में भी सामरिक सहयोग को प्राथमिकता दी गई। अब अमेरिका भारत की सेना के आधुनिकीकरण का समर्थन कर रहा है। भारत चीन और पाकिस्तान से लगी सीमा पर निगरानी चौकस करने के लिए अमेरिका से तीन अरब डॉलर का हथियारबंद ड्रोन ख़रीद रहा है। इसके अलावा अमेरिकी कंपनी जनरल इलेक्ट्रिक भारत की सरकारी कंपनी हिन्दुस्तान एयरोनोटिक्स के साथ मिलकर फाइटर जेट का इंजन बनाएगी। इसके साथ ही और कई भी रक्षा साझेदारियां बढ़ने की संभावना है। इनमें सेमीकंडक्टर प्लांट,रेलवे,तकनीक,ड्रोन,जेट इंजन और स्पेस सेक्टर में समझौते शामिल है। भारत और अमेरिका में यह समझौता हुआ है कि दोनों देश जटिल तकनीकों को सुरक्षित रखेंगे और आपस में बांटेंगे। दोनों देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने भारत में निर्मित स्वदेशी विमान तेजस के लिए सेंकेड जनरेशन जीई-414 जेट इंजन के निर्माण,लाइट होवित्जर तोपों को अपग्रेड करने और स्ट्राइकर बख्तरबंद वाहनों का साझा उत्पादन करने पर सहमति जताई है,जिनमें से ज्यादातर का उत्पादन भारत में किए जाने की संभावना है। इस पीढ़ी के उन्नत हथियारों में ड्रोन का इस्तेमाल बेहद बढ़ गया है और सीमा पर अत्याधुनिक ड्रोन की जरूरत को देखते हुए भारत और अमेरिका के बीच यह भी समझौता हुआ है कि अमेरिकी प्रीडेटर ड्रोन भारत को दिए जाएंगे जिससे भारत की सुरक्षा एजेंसियां विभिन्न सैन्य ऑपरेशन में इस्तेमाल कर सकेंगी। इन ड्रोन के उत्पादन का तकनीक ट्रांसफर भारत को किया जाएगा।

तकनीक हस्तांतरण को लेकर अमेरिकी नीति बहुत कड़ी रही है लेकिन भारत को लेकर अब उसका लचीला रुख अमेरिकी सामरिक हितों को प्रतिबिम्बत करता है। ऐसा लगता है कि अमेरिका चीन से निपटने के लिए भारत की सेनाओं के अत्याधुनिककरण पर ध्यान दे रहा है जिससे की भारत की रूस पर हथियारों को लेकर निर्भरता को कम किया जा सके। भारत की रक्षा आयात नीति पर यह प्रतिबिम्बित ही हो रहा है। 2017 में भारत अपने कुल हथियार आयात का 62 फीसदी रूस से ख़रीदता था जो 2022 तक घटकर 45 फीसदी हो गया है। स्पष्ट है कि हथियार ख़रीदने के मामले में अब भारत का रूस से फ़ोकस हटकर धीरे-धीरे अमेरिका और फ़्रांस जैसे पश्चिमी देशों की तरफ़ शिफ़्ट हो रहा है। भौगोलिक परिस्थितियों के कारण रूस से बेहतर सम्बन्ध बनाएं रखने की भारत की मजबूरियों को अमेरिका ने समझा है और अब वह भारत को सुरक्षा को लेकर आश्वस्त करना चाहता है। इस रणनीति के पीछे अमेरिका के दीर्घकालीन आर्थिक और सामरिक हित जुड़े हुए है।

अमेरिका दक्षिण एशिया तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत के महत्त्व को समझता है। पाकिस्तान की अस्थिरता के चलते उसे इन क्षेत्रों में बने रहने के लिए राजनीतिक स्थिरता वाले सहयोगी देश की जरूरत है और भारत से बेहतर कोई भी देश नहीं हो सकता। करीब डेढ़ दशक से चीन की लैटिन अमेरिका और अफ़्रीकी देशों में सहायता कूटनीति ने अमेरिकी हितों को गहरी चुनौती पेश की है,यहीं कारण है कि चीन को एशिया तक सीमित रखने के लिए बराक ओबामा ने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी साझेदारियों को बढ़ाने की नीति पर काम करना शुरू किया था। अमरीकी लड़ाकू विमान और सैन्य बलों की उत्तरी ऑस्ट्रेलिया में तैनाती के साथ ओबामा ने यह साफ कर दिया था कि 21वीं सदी में एशिया-प्रशांत क्षेत्र के भविष्य में अमरीका अहम भूमिका निभाएगा। चीन की हिन्द महासागर में असामान्य गतिविधियों को लेकर ओबामा ने यही भी कहा था कि अब एशिया से ही यह तय होगा कि दुनिया संघर्ष से आगे बढ़ेगी या सहयोग से। अमेरिकी प्रशासन ने एशिया के विभिन्न क्षेत्रों में अमेरिकी हितों को मजबूत करने के लिए क्षेत्रीय रणनीति को आगे बढ़ाया जिसमें द्विपक्षीय सुरक्षा गठबंधनों को मजबूत करने,व्यापक आधार वाली सैन्य उपस्थिति बनाने और लोकतंत्र और मानवाधिकारों को प्रश्रय देना शामिल था। अमेरिका ने वियतनाम,ऑस्ट्रेलिया और फिलीपींस के साथ सैन्य संबंध बढ़ाएं,लाओस को सहायता दी तथा दक्षिण कोरिया और जापान के साथ रिश्तों को मजबूत किया गया।

भौगोलिक तौर पर हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के कुछ भागों को मिलाकर समुद्र का जो हिस्सा बनता है उसे हिंद-प्रशांत क्षेत्र के नाम से जाना जाता है। यह व्यापारिक आवागमन का प्रमुख क्षेत्र है तथा इस मार्ग के बन्दरगाह सर्वाधिक व्यस्त बन्दरगाहों में शामिल है। हिंद-प्रशांत क्षेत्र से लगे 38 देशों में दुनिया की करीब 65 फीसदी आबादी रहती है। इसमें से अधिकांश देश चीन की विस्तारवादी नीति और अवैधानिक दावों से परेशान है। इन देशों में भारत समेत इंडोनेशिया, ताइवान, मलेशिया, म्यांमार, ताजीकिस्तान, किर्गिस्तान, कजाकिस्तान, लाओस और वियतनाम जैसे देश शामिल है। इनमें कुछ देश दक्षिण चीन सागर पर चीन के अवैध दावों को चुनौती देना चाहते है और कुछ देश चीन की भौगोलिक सीमाओं के विस्तार के लिए सैन्य दबाव और अतिक्रमण की घटनाओं से क्षुब्ध है। चीन जापान विवाद के बीच अमेरिका जापान को खुला और मुखर समर्थन दे रहा है। जापान और अमेरिका के बीच साल 2004 में प्रक्षेपात्र रक्षा प्रणाली के संबंध में समझौता भी हुआ था। जापान की नई रक्षा नीति में दक्षिणी द्वीपों को प्राथमिकता देते हुए वहां सैनिकों की संख्या में भारी बढ़ोत्तरी की गई है,यह दक्षिणी द्वीप चीन के निकट है। अमेरिका के द्वारा जापान को भारत तथा ऑस्ट्रेलिया के साथ बेहतर संबंध रखने को प्रेरित किया जा रहा है जिससे चीन को नियंत्रित किया जा सके। चीन के उत्तर पूर्व में उत्तर कोरिया है तथा पूर्व में जापान है। कोरियाई प्रायद्वीप में चीन और उत्तर कोरिया को नियंत्रित करने के लिए अमेरिका सैन्य कार्रवाई के लिए तैयार है। दक्षिण कोरिया की 1953 से अमरीका के साथ रक्षा संधि है और दक्षिण कोरिया में अठ्ठाइस हजार से ज्यादा अमरीकी सैनिक और युद्धपोत नियमित रूप से वहां तैनात रहते हैं। मिसाइलों से लैस यूएसएस मिशीगन विमानवाहक युद्धपोत कार्ल विंसन भी वहां खतरे से निपटने के लिए तैयार है।

अमेरिका के लिए रूस से ज्यादा बड़ा प्रतिद्वंदी चीन बनकर उभरा है और अब उसने यह स्वीकार कर लिया है कि चीन ही आर्थिक,राजनयिक,सैन्य और तकनीकी दृष्टिकोण से उसका संभावित प्रतिद्वंद्वी है जो स्थिर और खुली अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था की निरंतर चुनौती से पार पाने में सक्षम है। चीन रूस के मुकाबलें कही बेहतर प्रतिद्वंदी बनकर अमेरिका के सामने आ रहा है और अमेरिका इससे निपटने के लिए मुख्य रूप से यूरोप के बाद हिंद प्रशांत क्षेत्र से जुड़े देशों की ओर देख रहे है।

चीन वन बेल्ट वन रोड परियोजना को साकार कर दुनिया में अपना प्रभुत्व स्थापित करना चाहता है और उसके केंद्र में हिन्द प्रशांत क्षेत्र की अहम भागीदारी है। भारत अपनी सुरक्षा मजबूरियों के चलते अमेरिका का स्वभाविक सहयोगी बन गया है। चीन पाकिस्तान की बढ़ती साझेदारी ने भारत की सामरिक समस्याओं को बढ़ाया है। चीन पाकिस्तान के ग्वादर पोर्ट का प्रमुख भागीदार है। श्रीलंका का हंबनटोटा पोर्ट,बांग्लादेश का चिटगाँव पोर्ट,म्यांमार की सितवे परियोजना समेत मालद्वीप के कई निर्जन द्वीपों को चीनी कब्ज़े से भारत की समुद्री सुरक्षा की चुनौतियां बढ़ गई है। दक्षिण चीन सागर का इलाक़ा हिंद महासागर और प्रशांत महासागर के बीच है और चीन, ताइवान, वियतनाम, मलेशिया, इंडोनेशिया, ब्रुनेई और फिलीपींस से घिरा हुआ है। यहाँ आसियान के कई देशों के साथ चीन विवाद चलता रहता है। अभी तक चीन पर आर्थिक निर्भरता के चलते अधिकांश देश चीन को चुनौती देने में नाकामयाब रहे थे। अब क्वाड के बाद कई देश खुलकर चीन का विरोध करने लगे है और यह भारत की सामरिक सुरक्षा के लिए सकारात्मक सन्देश है।

इन सबके बीच एशिया में चीन जमीन और समुद्र में लगातार आक्रामक नीतियां अपनाएं हुए है उसके बाद यह संभावना बढ़ गई है की जिस प्रकार अमेरिका ने रूस को घेरने के लिए नाटो का विस्तार कर रूस के पड़ोसी देशों के साथ सुरक्षा संधि की थी उसी तर्ज पर चीन को घेरने की नीति अपनाई जा सकती है। भारत,ऑस्ट्रेलिया,जापान और अमेरिका लगातार एशिया प्रशांत के समुद्र में अपनी शक्ति बढ़ा रहे है,अमेरिका के नेतृत्व में क्वॉड की रणनीति पर काम किया जा रहा है। न्यूज़ीलैंड, दक्षिण कोरिया और वियतनाम को जोड़कर इसे क्वॉड प्लस नाम दिया गया है।

पिछले कुछ वर्षों में अफगानिस्तान से अमेरिकी सेना की वापसी से मध्य पूर्व में अमेरिकी साख बेहद प्रभावित हुई है, वहीं रूस यूक्रेन संघर्ष के चलते अमेरिका और यूरोपीय देशों द्वारा रूस पर कई प्रतिबन्ध लगाने के बाद भी पुतिन का आक्रामक व्यवहार बड़ी चुनौती बन गया है। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भी ईरान ने अपने परमाणु कार्यक्रम को तेज़ कर इतना यूरेनियम जमा कर लिया है आगे आने वाले समय में वो ख़ुद परमाणु उपकरण बनाने में सक्षम होगा। चीन की मध्य पूर्व में बढ़ती ताकत अमेरिका के लिए समस्या बढ़ा रही है।

अमेरिका का भारत से बढ़ता सहयोग चीन को रोकने की रणनीति पर आधारित है। अमेरिका में बनी तकनीक अत्याधुनिक है और इसमें भारत की साझेदारी से साफ है कि अब चीन को भारत के साथ ही अमेरिकी सैन्य सिस्टम से भी मुक़ाबला करना होगा। जाहिर है चीन के लिए चुनौतियां अब बढ़ सकती है। वहीं सामरिक दृष्टि से अमेरिका के साथ भारत का आगे बढ़ना रक्षा संबंधों के लिए यह नये युग की शुरुआत है। इसके दूरगामी वैश्विक प्रभाव दिलचस्प हो सकते है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सीहोर जिले के ग्राम शंकरपुरा करलत पठार के श्मशान घाट पर नही व्यवस्था, बारिश में किया अंतिम संस्कार

सीहोर। पूरा मामला मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के गृह जिले सीहोर का है, जहां पर आज भी ग्रामीण मूलभूत सुविधाओं से वंचित है, अंतिम संस्कार करने के लिए ग्रामीण हो रहे हैं आज भी परेशान मुक्तिधाम पर नहीं है टीन सेट, ग्राम शंकरपुरा करताल पठार के ग्रामीणों को अंतिम संस्कार करने में परेशानी हो रही है, ग्रामीणों का कहना है कि कई बार हम आवेदन दे चुके हैं लेकिन हमारी कोई सुनवाई नहीं होती श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार करने में बारिश के समय काफी परेशानियां होती हैं टीन सेट नहीं होने के कारण आए दिन ब्राह्मण जनों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता है पूर्व में भी सीहोर जिले में ऐसे कई गांव हैं और ऐसी कई पंचायत हैं जहां आज भी शमशान की सही व्यवस्था नहीं है भरी बरसात में लोग अंतिम संस्कार भीगते पानी में करने पर मजबूर है शासन की पंचायतों की अनदेखी के कारण ऐसे वाक्य आए दिन देखने को मिलते हैं।

नैनपुर से बालाघाट सड़क मार्ग बंद

नैनपुर। नैनपुर से बालाघाट सड़क मार्ग पर स्थित चांगू टोला थाना क्षेत्र अंतर्गत मान कुंवर पुल एक बार फिर टूट गया पिछली बारिश में टूटने से अस्थाई रूप से बना दिया गया था लगातार हो रही बारिश ने एक बार पुनः इस पुल को तोड दिया कुछ दिन तक पैदल भी जाना मुश्किल है एक बार फिर नैनपुर से बालाघाट सड़क मार्ग बंद हो गया अब नैनपुर से केवलारी उगली होते हुए बालाघाट और रेल्वे चिरई डोंगरी होते हुए परसवाड़ा से लामटा होते हुए बालाघाट जाया जा सकता है।

खेत में लगी आग से जले पेड़ों का अवलोकन कलेक्टर ने किया

खरगोन। कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा रविवार को नंदगांव पहुँचे। यहां उन्होंने गत 20 जून को बिजली लाइन में स्पार्किंग होने से जले चंदन के करीब 6 हजार पेड़ों का अवलोकन किया। कलेक्टर श्री वर्मा ने किसान से चंदन की खेती के तौर तरीकों आदि के बारे में जानकारी ली। गणेश पाटीदार ने बताया कि 8 वर्ष पहले स्वयं के खर्च पर 16 एकड़ में पौधे लगाएं थे। कलेक्टर श्री वर्मा ने कहा कि जो भी शासकीय सहयोग प्रावधान अनुसार हो सकेगा। किसान की मदद की जाएगी।

शकुंतला चौहान महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष नियुक्त

शाजापुर। अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की कार्यवाहक अध्यक्ष सुश्री नेट्टा डिसूजा के अनुमोदन, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ के निर्देशानुसार पूर्व कैबिनेट मंत्री, शाजापुर विधायक हुकुमसिंह कराड़ा की अनुशंसा पर पूर्व विधायक, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष शकुंतला चौहान शाजापुर को महिला कांग्रेस का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। इनकी नियुक्ति पर कालापीपल विधायक कुणाल चौधरी, कांग्रेस जिलाध्यक्ष योगेंद्रसिंह बंटी बना, वरिष्ठ कांग्रेस नेता रामवीरसिंह सिकरवार सहित कांग्रेस कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों और ईष्ट मित्रों ने हर्ष व्यक्त किया है।

कलेक्टर ने किया मतदान केंद्र का औचक निरीक्षण

छतरपुर,। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने आगामी विधानसभा चुनावों के मद्देनजर मतदान केंद्रों पर समुचित व्यवस्था बनाये रखने के लिए बुधवार को छतरपुर शहर की पुरानी तहसील के पास स्थित शासकीय नवीन माध्यमिक शाला के मतदान केन्द्र का औचक निरीक्षण किया। जिसमें शौचालय अक्रियाशील पाए गए और प्रांगण में अस्वच्छता भी पाई गई, साथ ही रैम्प निर्धारित मानक का नहीं पाया गया। तो वही मत केन्द्र पर लाईट की पर्याप्त व्यवस्था नहीं पाये जाने पर नाराजगी प्रकट करते हुए शाला के प्राचार्य रामगोपाल प्रजापति एवं उच्च श्रेणी शिक्षक श्रीमती लक्ष्मी गंगेले को नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

घुटनों तक पानी में घुसकर संजय शर्मा पहुंचे पानी से घिरे लोगों के बीच किया बचाव कार्य

नरसिंहपुर तेंदूखेड़ा विधायक एवं नदापुरम कांग्रेस के जिला प्रभारी संजय शर्मा अपनी विधानसभा के भारी बारिश से घिरे गांव का दौरा घुटने घुटने पानी में जाकर कर रहे हैं तथा गांव में गिरे लोगों के हाल-चाल जानकर उन्हें राहत पहुंचा रहे हैं उन्होंने कल भारी बारिश के चलते पानी पानी गांव देवरी नांदिया बिलहरा पिपरवानी एवं बांसखेड़ा समेत कई गांव का पानी में घुस घुस कर दौरा किया एवं लोगों के घरों में घुसे पानी से हुए नुकसान का जायजा लिया

बारिश ने मचाई तबाही

नरसिंहपुर एवं जबलपुर जिले में भारी बारिश में तबाही मचा दी है इटारसी से जबलपुर रेल मार्ग ट्रैक पर पानी भरने से रेल सेवा बाधित हुई है जबलपुर एवं नरसिंहपुर मुख्य सड़क पर मार्गो से कट गया है

तेंदूखेड़ा विधायक संजय शर्मा हमेशा जनता के बीच रहने वाले सहज सरल एवं मिलनसार व्यक्तित्व के धनी है वह हर समय खुशी का मौका हो या कोई आपदा हमेशा उनके बीच रहकर उसका हल निकालते हैं यही कारण है कि क्षेत्र की जनता पुणे भारी मतों से जिताकर विधानसभा भेजती है पानी से गिरे गांव में अपने लोगों के बीच जाकर उन्होंने यह साबित कर दिया की वह हमेशा आपके बीच रहने वाले विधायक हैं

अमन चैन के साथ मनाया गया ईद उल अजहा का त्योहार

औबेदुल्लागंज। ओबैदुल्लागंज.. गुरुवार को देशभर में बकरीद का त्योहार मनाया जा गया। इस्लाम धर्म में उक्त दिवस बकरे की कुर्बानी देने की परंपरा है। उक्त अवसर पर मुस्लिम गले मिलकर एवं जगह-जगह दावतें देकर कुर्बानी के उक्त पर्व को मनाते हैं। औबेदुल्लागंज व गौहरगंज में ईद की नमाज़ के बाद सभी ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। ईद उल अजहा (बकरी इस्लाम धर्म का दूसरा सबसे बड़ा त्योहार है। इस्लाम धर्म में उक्त दिवस बकरे की कुर्बानी देने की परंपरा होती है। दुनियाभर के मुसलमानों द्वारा पैगंबर इब्राहिम के बलिदान को याद करते हुए उक्त दिवस बकरे की कुर्बानी देते हैं। उक्त मौके पर सभी अपने दोस्तों, परिवार और करीबियों को मुबारकबाद देते हैं। ओबैदुल्लागंज में गौहरगंज रोड स्थित ईदगाह में जामा मस्जिद के मौलवी फहीम साहब द्वारा ईद की नमाज अदा की गई। अल्लाह ताला से देश में एकता, सद्भाव, अमन, चैन की दुआ मांगी गई। जामा मस्जिद के सदर गुड्डू मियां ने कहा कि ईद का त्योहार एकता का प्रतीक है। हम सभी को एक दूसरे के साथ प्रेमभाव के साथ रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ असामाजिक तत्वों के कहने पर हमारी एकता अखंडता को खराब नहीं करने दिया जायेगा। ईद उल अजहा अजीम कुर्बानी को याद करते हैं, जो हजरत इब्राहिम ने अपने रब के हुक्म से पेश की थी। ईद-उल-अजहा की नमाज के बाद शहर में अल्लाह से मोहब्बत को दुनिया की हर चीज से ऊपर रखने के जज्बे के साथ कुर्बानी की गई।

ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र सिंह राजू ने इत्र और गले लगा कर मुस्लिम समाज के लोगों को ईद की बधाई दी। उक्त अवसर पर नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष सुरजीत सिंह बिल्ले, विनोद इरपाचे, पार्षद राजेश खटीक, अकील खान, सलीम बाबा, बबलू मियां, मुख्तार हसन (पप्पू), आमिर ममनून, भाजपा मंडल अध्यक्ष सोनू चौकसे, रविंद्र विजयवर्गी, पार्षद सुनील सेरिया, डॉ.भूपेंद्र नागर, दीपू परमार, पंकज कोठारी, मनोज चौरसिया आदि ने बधाई दीं।

मुस्लिमों को टिकट नहीं दी तो वोट की आशा न करें कांग्रेसः नूरी

भोपाल(ईएमएस)। उज्जैन में कुछ दिनों पहले शहर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष रवि भदौरिया का एक ऑडियो तेजी से वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने कांग्रेस के ही एक कार्यकर्ता को यह बात कही थी कि धार्मिक नगरी उज्जैन में किसी भी मुसलमान को विधानसभा का टिकट नहीं मिलेगा, चाहे कोई कितने भी प्रयास कर ले। इस ऑडियो के वायरल होने के बाद मुस्लिम समाज में काफी आक्रोश देखा गया था, जिसके बाद तत्काल रवि भदौरिया को शहर अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। इसी मामले में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सचिव और प्रदेश के सह प्रभारी कुलदीप इंदौरा जब पूरे मामले में शहर अध्यक्ष का पक्ष जानने और नए दावेदारों की जानकारी जुटाने उज्जैन पहुंचे, यहां कांग्रेस नेत्री नूरी खान ने इंदौरा को यह चेतावनी दे डाली कि अगर वह शहर अध्यक्ष जिसने विधानसभा चुनाव में मुस्लिम समाज को टिकट नहीं देने की बात कही है, अगर उन्हें फिर से शहर अध्यक्ष बनाया जाता है, तो

इसका सीधा सा मतलब है कि कांग्रेस पार्टी को मुस्लिम समाज के वोट नहीं चाहिए।

कांग्रेस नेत्री नूरी खान ने कहा कि हमारा किसी के साथ व्यक्तिगत बैर या दुर्भावना नहीं है। पर कांग्रेस कमेटी के सचिव और प्रदेश के सह प्रभारी कुलदीप इंदौरा जो कि इस मामले में अध्यक्ष पद के दावेदारों का पक्ष सुनने आए थे, उनके सामने इस तरह ढोल बजाकर आना और नारेबाजी करना गलत है। उन्होंने कहा कि जिस समाज को लेकर टिप्पणी की गई है उस समाज के मामले में सारी स्थिति स्पष्ट हो जाना चाहिए। ऐसा व्यक्ति यदि फिर पार्टी में आता है, तो वह ठीक नहीं है। यदि पार्टी किसी बात का फैसला करेगी तो हम उसके फैसले का सम्मान करेंगे। कांग्रेस नेत्री नूरी खान ने यह भी कहा कि मैंने पहले इस मामले में कहा था कि मैं अपनी बात पार्टी प्लेटफार्म पर रखूंगी प्रभारी महोदय के समक्ष सभी ने अपने- अपने विचार रखे हैं। हमने भी रखा है। हमारे व्यक्तिगत किसी के साथ कोई बैर या दुर्भावना नहीं है। बस एक निवेदन है कि पार्टी की एक लाइन होती है उस लाइन का और संविधान का सभी को पालन करना चाहिए। अगर किसी का आचरण पार्टी की लाइन के विपरीत होता है, तो पार्टी द्वारा ठोस कदम उठाना चाहिए।

आल इंडिया ओपन कराते चैम्पियन शिप 8 जुलाई से ग्वालियर में

सीखो और खेलो थीम पर आधारित है यह आयोजन

ग्वालियर। कराते डो एसोसिएशन आफ ग्वालियर एवं जीवाजी यूनिवर्सिटी की संयुक्त मेजबानी में तीन दिवसीय एडवांस कुमिते टेक्निकल सेमिनार तथा ग्वालियर ओपन ऑल इंडिया कराते चैंपियनशिप का आयोजन 8 से 10 जुलाई को ग्वालियर में ही वर्ल्ड कराते फेडरेशन की टेक्निकल कमिटी के सदस्य एवं कराते इण्डिया आर्गनाइजेशन के मेंटॉर हॉनशी भारत शर्मा के दिशा निर्देश में एक साथ सम्पन्न कराया जाएगा। आयोजन शिकोकाई कराते एसोसिएशन आफ मध्यप्रदेश द्वारा किया जा रहा है। जो कि शिकोकाई कराते इण्टर नेशनल इण्डिया, कराते इण्डिया आर्गनाइजेशन एवं मध्य प्रदेश स्पोर्ट्स कराते एसोसिएशन द्वारा अनुमोदित है इसलिए प्रतियोगिता की मान्यता को लेकर कोई संशय नहीं है।

आयोजन समिति के अध्यक्ष - डां.केशव पाण्डेय व सचिव शिहान संतोष पाण्डेय द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार आयोजन का मुख्य उद्देश्य अंतरराष्ट्रीय स्तर की योग्यता अनुसार प्रदेश व देश के कराते खिलाड़ियों को तैयार करना है। लिहाजा इसी उद्देश्य को दृष्टिगत रखते हुए आयोजन की पहले सत्र में हॉनशी श्री शर्मा द्वारा कराते की विश्वस्तरीय तकनीकों से अवगत कराते हुए खिलाड़ियों को प्रशिक्षित किया जायेगा, तदोपरांत दूसरे सत्र में इन्ही तकनीकों का उपयोग करते हुए खिलाड़ियों के मध्य प्रतियोगिता कराई जाएगी। आयोजन समिति कि मानें तो इस उद्देश्य की यह अभिनव पहल है जिसकी शुरुआत ग्वालियर से की जा रही है जिसमें मेजवान मध्यप्रदेश सहित देश के विभिन्न प्रांतों से लगभग 5 सैंकड़ा कराते खिलाड़ियों के शामिल होने की सम्भावना है। बताया गया है कि आयोजन के दौरान जहां शिकोकाई कराते एसोसिएशन आफ मध्यप्रदेश के तकनीकी उपाध्यक्ष शिहान अरविन्द मिश्रा, सचिव शिहान प्रवीण ढोबले विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे। वहीं क?ई अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर के निर्णायकगण प्रतियोगिता को संपन्न कराने में सहयोग प्रदान करेंगे।

आगे दी गई जानकारी के अनुसार प्रतियोगिता विश्व कराते महासंघ के नवीन व संशोधित नियमों के तहत संपन्न होगी।

रन फ़ॉर वोट के लिए जिले भर में निकली जागरूकता रैली

18 साल के हो चुके या 1 अक्टूबर को हो रहे हैं तो मतदाता सूची में नाम अवश्य जुड़वायें

छतरपुर। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी संदीप जी.आर. के नेतृत्व में जिला मुख्यालय छतरपुर में रन फ़ॉर वोट जागरूकता रैली बुधवार को उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 01 से निकाली गई। तो खण्ड स्तरों पर एसडीएम की अगुवाई में रैली निकाली गई। छतरपुर शहर में कलेक्टर संदीप जी.आर. ने हरी झंडी दिखाई और रैली में भाग लिया। इस रैली के माध्यम से 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके अथवा 1 जुलाई तथा 1 अक्टूबर को 18 वर्ष के होने वाले युवाओं से नाम जुड़वाने की अपील की गई।

रैली में कलेक्टर संदीप जी.आर., एडीएम नमः शिवाय अरजरिया, एसडीएम छतरपुर सहित जिला एवं खण्ड स्तरीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों सहित स्कूली बच्चों ने भाग लिया। रैली उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 01 प्रांगण से शुरू होकर छत्रसाल चौक से महल रोड होते हुए कोतवाली थाने से वापस पुलिस लाइन रोड से उत्कृष्ट विद्यालय क्र. 01 प्रांगण में सम्पन्न हुई।

जिनके नाम मतदाता सूची में नही जुड़े है वे ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से तथा ऑफलाइन अपने मतदान केंद्र के बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) से सम्पर्क कर जुड़वा सकते हैं।

विद्यार्थियों को प्रतीकात्मक रूप से साइकिल एवं पाठ्यपुस्तक वितरित

विधायक और नपाध्यक्ष ने विद्यार्थियों को निशुल्क साइकिल वितरण का कार्यक्रम आयोजित

सीहोर। विकासखण्ड सीहोर में शासकीय शालाओं में अध्ययनरत कक्षा 8 से उत्तीर्ण होकर कक्षा 9 में प्रवेश लेने वाले 1428 बालक-बालिकाओं को निःशुल्क साइकिल वितरण तथा कक्षा 9 से 12 में अध्ययनरत 11009 विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक का वितरण किया जाना है। बुधवार को विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सीहोर के परिसर में निःशुल्क साइकिल एवं पाठ्यपुस्तक वितरण का विकासखण्ड स्तर पर शुभारंभ कार्यक्रम विधायक सुदेश राय मुख्य आतिथ्य, नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर की अध्यक्षता एवं विजेन्द्र परमार पार्षद प्रतिनिधि वार्ड नंबर सीहोर के विशेष आतिथ्य में संपन्न हुआ। जिसमें अतिथिगण द्वारा शासकीय मलबा कन्या उमावि, शासकीय स्वामी विवेकानन्द हाई स्कूल मण्डी एवं सीएम राइ? शासकीय मनुबेन उमावि मण्डी सीहोर के 52 बालक-बालिकाओं को प्रतीकात्मक रूप से साईकिल एवं पाठ्यपुस्तक वितरित की गई। कार्यक्रम के आरंभ में मुख्य अतिथि विधायक श्री राय, कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नपाध्यक्ष श्री राठौर एवं विशेष अतिथि श्री परमार द्वारा मां सरस्वती का पूजन-अर्चन, माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलन किया गया तदोपरांत शासकीय माध्यमिक शाला अभ्यास सीहोर की बालिकाओं द्वारा मां सरस्वती की वंदना एवं स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात् अतिथिगणों का पुष्पहार एवं पुष्प गुच्छों से भव्य स्वागत किया गया। कार्यक्रम की रूपरेखा आरसी राठौर द्वारा प्रस्तुत की गई।

मुख्य अतिथि विधायक श्री राय द्वारा अपने उद्बोधन में मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की जानकारी से अवगत कराया तथा बालक-बालिकाओं को शिक्षा ग्रहण कर उच्च पदों पर चयन होने के लिए अभिप्रेरित किया गया। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे नपाध्यक्ष श्री राठौर ने शिक्षा की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए गुरूजनों की भूमिका की सराहना की गई तथा शहरी क्षेत्र में संचालित शासकीय शालाओं में शैक्षिक संसाधनों की मांग अनुसार उपलब्धता करवाने का आश्वासन दिया गया। कार्यक्रम के दौरान सुरेश चन्द्र गुप्ता, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सीहोर द्वारा कार्यालय हेतु नवीन भवन/कक्ष, शौचालय, साईकिल स्टैंड रोड तथा परिसर में पेवर ब्लॉक लगवाने साथ ही शासकीय माध्यमिक शाला अभ्यास सीहोर एवं शासकीय प्राथमिक शाला मुरली सीहोर में बाउंड्री वॉल के निर्माण का मांग-पत्र मुख्य अतिथि एवं अध्यक्ष के समक्ष प्रस्तुत किया गया जिस पर विचार कर विधायक श्री राय की विशेष पहल पर नपाध्यक्ष श्री राठौर द्वारा उक्त सभी कार्य तत्काल स्वीकृत कर अतिशीघ्र प्रारंभ कराने की घोषणा की गई तथा तत्समय पार्षद प्रतिनिधि श्री परमार को निर्देशित किया गया। अतिथिगणों द्वारा परिसर में पौधारोपण भी किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से संजय सिंह तोमर डीईओ, आरआर उईके डीपीसी, सुरेश चन्द्र गुप्ता बीईओ, आरसी राठौर, अशोक वर्मा बीआरसीसी, शंकरलाल शर्मा जनशिक्षकगण, शामा शाला अभ्यास सीहोर एवं शा. प्रा.शाला मुरली सीहोर के शाला प्रभारी एवं समस्त स्टाफ, शा. म.ल.बा. कन्या उ.मा.वि. सीहोर, शा. स्वामी विवेकानन्द हाई स्कूल मण्डी सीहोर समुदाय उपस्थित रहा। कार्यक्रम के अन्त में आभार प्रदर्शन सुरेश चन्द्र गुप्ता बीईओ सीहोर द्वारा किया गया कार्यक्रम का संचालन शंकरलाल शर्मा द्वारा किया गया।

प्रधानमंत्री आवास योजना में कुटीर स्वीकृत कराने के एवज में रिश्वत लेने वाल सहायक को 5 साल की कैद एवं 10 हजार रूपए के जुर्माने की सजा

छतरपुर। प्रधानमंत्री आवास योजना में कुटीर स्वीकृत कराने के एवज में रिश्वत लेने वाले रोजगार सहायक को विशेष न्यायाधीश की अदालत ने 5 साल की कैद एवं 10 हजार रूपए के जुर्माने की सजा सुनाई है।

एडवोकेट लखन राजपूत ने बताया कि 24 मई 2017 को फरियादी लखन कुशवाहा ने लोकायुक्त पुलिस सागर में इस बात की शिकायत दी कि उसके नाम पर प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत कुटीर स्वीकृत की गई है एवं उसके खाते में पहली किश्त की राशि 40 हजार रूपए भी आ गई है। रोजगार सहायक राममिलन चतुर्वेदी ग्राम पंचायत सूरजपुराखुर्द तहसील बड़ामलहरा फरियादी लखन कुशवाहा से कुटीर स्वीकृत कराने के एवज में 15 हजार रूपए रिश्वत की मांग कर रहा है। वह रोजगार सहायक को रिश्वत नहीं देना चाहता और उसे रंगे हाथों पकड़वाना चाहता है। 24 मई को ही लखन कुशवाहा ने रोजगार सहायक की रिश्वत संबंधी बातचीत वॉयस रिकार्डर में रिकार्ड कर ली है। किश्तों में रिश्वत देने की बात हुई। 5 हजार रूपए वह पहले दे चुका है। लोकायुक्त पुलिस अपने ट्रेप दल के साथ फरियादी को लेकर रोजगार सहायक के बड़ामलहरा निवास के पास पहुंची। लखन कुशवाहा ने जैसे ही रोजगार सहायक को 5 हजार रूपए रिश्वत की राशि दी तब ट्रेप दल ने पीछे से आकर रोजगार सहायक को रंगे हाथों रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया।

अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक केके गौतम ने पैरवी करते हुए दलील रखी कि भ्रष्टाचार से व्यक्ति का नैतिक व चारित्रिक पतन होता है। भ्रष्टाचार से जनता की नजर में अधिकारियों की विश्वनीयता कम हो रही है। गरीब व्यक्तियों के जीवन जीने के प्राकृतिक अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। आरोपी को कठोर से कठोर सजा से दण्डित किया जाए। विशेष न्यायाधीश अरविंद कुमार जैन की अदालत ने फैसला सुनाया कि लोक सेवकों द्वारा भ्रष्टाचार किया जाना एक विकराल समस्या हो गई है जो समाज को खोखला कर रही है। भ्रष्टाचार लोकतंत्र और विधि के शासन की नींव को हिला रहा है। अदालत ने आरोपी रोजगार सहायक राममिलन चतुर्वेदी को दोषी ठहराते हुए 5 साल की कठोर कैद के साथ 10 हजार रूपए के जुर्माने की सजा सुनाई है। उधर कोतवाली थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम रामनगर में करीब दो वर्ष पूर्व कुल्हाड़ी से हत्या करने के मामले में जिला अदालत ने फैसला सुनाते हुए आरोपी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। एडवोकेट लखन राजपूत ने बताया कि एक अप्रैल 2021 को शाम करीब 5 बजे जब नीरज साहू अपनी भैंस को चराने के लिए अपने रामनगर स्थित बेड़ा वाले खेत पर पहुंचा तब उसने देखा कि उसके चाचा टूड़े का बेटा भरत साहू निवासी खजुराहो एवं उसके पिता काशीराम के बीच किसी बात पर बाद-विवाद हो रहा था। काशीराम ने भरत को गाली देने से मना किया तो भरत ने अपने हाथ में लिए कुल्हाड़ी से काशीराम के गले में हमला कर दिया। काशीराम जमीन पर गिर पड़ा, भरत ने कई बार कुल्हाड़ी से हमला करता रहा। नीरज काशीराम को बचाने के लिए दौड़ा तो भरत कुल्हाड़ी लेकर नीरज के पीछे भागने लगा। नीरज अपनी जान बचाकर मौके से भाग निकला और अपनी मां एवं गांव वालों को लेकर वापिस आया तो काशीराम लहूलुहान हालत में मृत अवस्था में मिला। शिकायत पर सिटी कोतवाली थाना द्वारा मामला दर्ज कर आरोपी नीरज को गिरफ्तार कर अदातल में पेश किया। अभियोजन की ओर से एजीपी प्रवीण द्विवेदी ने पैरवी करते हुए मामले के सभी सबूत एवं गवाह कोर्ट में पेश किए और आरोपी को कठोर सजा देने की दलील रखी।

कार्यालय नगर पालिक निगम भोपाल

जोन क्र.- 03 वार्ड क्रं. 11

विज्ञप्ति

संपत्तिकर / जल उपभोक्ता / लीज दुकान प्रभार खाते में नामांतरण की सूचना संपत्तिकर / जल उपभोक्ता / लीज दुकान प्रभार खाते में निम्नानुसार नामांतरण प्रस्तावित है

क्रं.	वर्तमान खातेदार का नाम	संपत्ति (भवन भूमि) का पता	संपत्तिकर आई.डी. नम्बर	नामांत्रण शुल्क रसीद न./ दिनांक	प्रस्तावित नामांतरण हेतु खातेदार का नाम	नामांतरण का आधार
1	रमेश कुमार / लोकुमल	दुकान न.14 पानी की टंकी के पास शा.बाद	L000000804	2500+cgst 225 sgst 225 = 2950/- 132300008399 23.06.2023	इसरार मोहम्मद खान / फिदा मोहम्मद खान	विक्रय पत्र
2	उसमान / शेख सुभान	दुकान न. 13 पानी की टंकी के पास शा.बाद	L000000803	2500+cgst 225 sgst 225 = 2950/- 132300008400 23.06.2023	अकबर खान / इसरार मोहम्मद खान	विक्रय पत्र

उक्त नामांतरण पर यदि किसी भी संस्था / व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो विज्ञप्ति प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के भीतर आपत्ति लिखित मे साक्ष्य एव दस्तावेजों सहित प्रस्तुत करें। यदि नियत समयावधि में कोई आपत्ति प्राप्त नही होती है तो नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के अंतर्गत नगर निगम अभिलेखो मे नामांतरण कर दिया जावेगा।

सू.क्र. 578/023/024

जोनल अधिकारी
जोन क्रं. 03 नगर निगम भोपाल

महापौर को व्यापारियों की समस्या से अवगत कराया चेंबर अध्यक्ष पाली ने

भोपाल। महापौर ने वार्ड 24 बूथ क्र. 112 श्यामला हिल्स स्थित नादिर कॉलोनी में महाजनसंपर्क अभियान के अंतर्गत तेजकुलपाल सिंह पाली, अध्यक्ष, भोपाल चैंबर आफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज से मुलाकात की, तथा पार्टी के बारे में फीडबैक लिया। श्री पाली के निवास पर महापौर श्रीमती मालती राय से चर्चा हुई। श्री पाली ने महापौर से व्यापारियों की समस्या से अवगत करवाया जिसमे प्रमुख मामला था कि अभी व्यवसायिक कर के साथ संपत्ति कर जमा करना अनिवार्य हैं। व्यवसायिक कर और संपत्ति कर को एक साथ नगर निगम द्वारा वसूला जा रहा है जिसमे हमारी व्यापारी वर्ग इससे बहुत प्रभावित है। श्रीमती मालती राय ने बताया कि आज नगर निगम द्वारा व्यवसायिक कर को संपत्ति कर से अलग कर दिया गया है। इस कारण अब से अकेले संपत्ति कर जमा किया जा सकता है। यदि आपसे वार्ड कार्यालय द्वारा दोनो की मांग अनिवार्य रूप से किया जाता है तो आप उसकी शिकायत सीधे महापौर कार्यालय या भोपाल चेंबर कार्यालय में कर सकते है।

डिस्ट्रिक्ट सम्मान समारोह ''गौरव'' में लॉयन संजय गुप्ता एडवोकेट सम्मानित

भोपाल। आमेर ग्रीन होटल में द इंटरनेशनल ऐसोसियेशन आफ लायन्स क्लब डिस्ट्रिक्ट 32, 33 जी-2 वर्ष 2022-23 का डिस्ट्रिक्ट सम्मान समारोह गौरव संपन्न हुआ एवं उपरोक्त सम्मान समारोह लॉयन क्लब इंटरनेशनल के डिस्ट्रिक्ट चेयर पर्सन बिल्डिंग इमेज लॉयन संजय गुप्ता एडवोकेट को उनके वर्ष भर के कार्यक्रम को देखते हुये सम्मानित किया गया एवं उपरोक्त सम्मान लॉयन क्लब इंटरनेशनल 32, 33 जी-2 के डिस्ट्रिक्ट गर्वनर लॉयन अजय गुप्ता द्वारा प्रदान किया गया। सम्मान समारोह में मुख्य रूप से पास्ट इंटरनेशनल मल्टीपल कौंसिल चेयर पर्सन डॉ. परमानंद राजानी प्रथम वॉयस गर्वनर मनीष शाह एवं द्वितीय वॉयस गर्वनर प्रवीण वशिष्ठ एवं डिस्ट्रिक्ट की प्रथम महिला उषा गुप्ता एवं केबीनेट सेकेट्री विजय टेलर उपस्थित थे। गुप्ता को सम्मान मिलने पर जयपाल सचदेवा बी.सी.जैन, महेश मालवीय, महेश साहू, डॉ. पी.सी.कोठारी ने बधाई प्रेषित की है।

कोटक महिंद्रा बैंक के ग्राहक अब यूपीआई पर कर सकते हैं रूपे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल

मुंबई, एजेंसी। कोटक महिंद्रा बैंक लिमिटेड(केएमबीएल/कोटक) और नैशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया(एनपीसीआई) ने आज घोषणा की है कि कोटक ग्राहक अब यूपीआई इनेबल्ड ऐप्स के साथ यूपीआई पर अपने रूपे क्रेडिट कार्ड का इस्तेमाल कर सकते हैं। कोटक महिंद्रा बैंक के ग्राहक यूपीआई पर उपयोग करने के लिए सात रूपेक्रेडिट कार्ड में से चयन कर सकते हैं। यूपीआई पर कोटक रूपे क्रेडिटकार्ड के लिंक होने से ग्राहकों को अपने फिजिकल क्रेडिट कार्ड काउपयोग करने की आवश्यकता नहीं होगी। कोटक बैंक के ग्राहक देशभर में क्यूआर कोड और पीओएस डिवाइस केसाथ मर्चेंट आउटलेट्स पर यूपीआई ऐप से भुगतान कर सकते हैं। यहएकीकरण कई लाभ प्रदान करता है क्योंकि यूपीआई ट्रांजैक्शन परकोटक रूपे क्रेडिट कार्ड न केवल सरल है बल्कि सुरक्षित भी है क्योंकिग्राहकों को फिजिकल क्रेडिट कार्ड ले जाने की आवश्यकता नहीं है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया 'एक्सिस निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड'

मुंबई एजेंसी। भारत में सबसे तेजी से बढ़ते फंड हाउसों में से एक एक्सिस म्यूचुअल फंड ने अपने नए फंड ऑफर - एक्सिस निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड के लॉन्च की घोषणा की। यह निफ्टी आईटी टीआरआई पर नज़र रखने वाला एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है। श्री हितेश दास (फंड मैनेजर) फंड का प्रबंधन करेंगे। एक्सिस निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड निफ्टी आईटी टीआरआई को ट्रैक करेगा और ट्रैकिंग त्रुटियों के अधीन, निफ्टी आईटी टीआरआई के कुल रिटर्न के अनुरूप खर्चों से पहले रिटर्न प्रदान करने का लक्ष्य रखेगा। न्यूनतम निवेश राशि रुपए 5,000 और उसके बाद 1/- रुपए के गुणकों में किया जा सकेगा।इंडेक्स फंड का मुख्य उद्देश्य पोर्टफोलियो के संदर्भ में स्टॉक मार्केट इंडेक्स को दोहराना है। निवेश पोर्टफोलियो में इन सूचकांकों के सभी शेयरों को कुछ प्रतिनिधित्व मिलेगा। अनिवार्य रूप से, यह ट्रैक किए जा रहे सूचकांक के समान प्रदर्शन सुनिश्चित करता है।

उच्च रक्तचाप घातक हो सकता है: तिवारी

भोपाल। ग्रामीण समुदाय में यह धारणा व्यापक है कि वे मेहनतकश लोग हैं इसलिए उन्हें उच्च रक्तचाप जैसी बीमारी नहीं हो सकती। लेकिन यह रोग नगरीय और ग्रामीण दोनों तरह के लोगों में समान रुप से व्याप्त है। जरुरी है कि जनता प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराए गई स्वास्थ्य अद्योसंरचना का लाभ उठाएं। समय रहते रोग की जॉच पड़ताल से इस गंभीर बीमारी से बचा जा सकता है। यह जानकारी भोपाल के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. प्रभाकर तिवारी ने नेशनल सेटंर फॉर हयूमन सेटलमेन्टस् एण्ड एनवायरनमेंट और कंज्यूमर वाइॅस द्वारा ''गैर-संचारी रोग के बढ़ते बोझ और उच्च रक्तचाप की रोकथाम और देखभाल'' विषय पर आयोजित कार्यशाला को संबोधित करते हुए दी।

ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में भारत की अग्रणी प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल के महत्व पर जोर देते हुए उन्होंने कहा कि मध्य प्रदेश में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों के माध्यम से उच्च रक्तचाप प्रोटोकॉल दवाओं की निर्बाध आपूर्ति और उपलब्धता सुनिश्चित की जाती है जिससे राज्य में उच्च रक्तचाप नियंत्रण में मदद मिलती है। उन्होंने उच्च रक्तचाप पर अंकुश लगाने के लिए जीवनशैली में बदलाव की आवश्यकता पर भी उन्होंने जोर दिया।

आल इंडिया इंस्टीटयूट ऑफ मेडिकल साईन्स (एम्स)भोपाल के पल्मोनरी मेडीसिन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक गोयल ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि सोते समय सांस में अवरोध या ऑब्सट्रक्टिव स्लीप एपनिया एक गंभीर विकार (स्लीप डिसार्डर) है जिसमे सोते-सोते नींद में ही इंसान की सांस रुक जाती है। यदि समय रहते इसका इलाज नहीं किया गया तो इंसान की जान भी जा सकती है। कंज्यूमर वॉयस, नई दिल्ली के सीओओ आशिम सान्याल मध्य प्रदेश में उच्च रक्तचाप से ग्रस्त व्यक्तियों की सबसे कम स्क्रीनिंग पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि संस्था का मिशन हाइपरटेंशन के बारे में नागरिकों के बीच जागरुकता फैलाना है जिससे की लोग समय रहते अपने जांच कराएं और अगर बीमारी पाई जाती है तो उसका इलाज भी कराएं।

शुरुआत में एनसीएचएसई के महानिदेशक डॉ. प्रदीप नंदी ने कहा कि उच्च रक्तचाप सहित गैर-संचारी रोग (एनसीडी) भारत में समय से पहले मौत का एक प्रमुख कारण है। मध्य प्रदेश में भी इस बीमारी का प्रकोप अधिक है। यह एक साइलेंट किलर होने के कारण अधिकांश लोग इस बीमारी से अनजान हैं और सावधानी बरतने में विफल रहते हैं। कार्यशाला में बड़ी संख्या में विभिन्न आयु वर्ग के प्रतिभागियों ने भाग लिया और विशेषज्ञों से बातचीत की। कार्यक्रम का संचालन एनसीएचएसई के अविनाश श्रीवास्तव ने किया।

एमएसडीई ने स्किलिंग ईकोसिस्टम को उत्तरदायी बनाने विचार-विमर्श किया

नई दिल्ली, एजेंसी। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय (एमएसडीई) के तत्वावधान में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) और राष्ट्रीय व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण परिषद (एनसीवीईटी) ने सेक्टर स्किल काउंसिल (एससीसी) के माध्यम से सार्वजनिक-निजी भागीदारी को मजबूत करके भारतीय युवाओं के लिए व्यावसायिक शिक्षा और कौशल प्रशिक्षण को आकांक्षी बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धिता दिखाई है।एमएसडीई ने कौशल स्किल ईकोसिस्टम को अधिक चुस्त बनाने और उनकी भूमिकाओं को रीइमेजिन और रीडिज़ाइन करके उन्हें अधिक प्रभावी और प्रभावशाली बनाने के लिए उद्योग की जरूरतों पर प्रतिक्रिया देने में एसएससी की महत्वपूर्ण भूमिका पर चर्चा करने के लिए एक वर्कशॉप आयोजित की। वर्कशॉप में उद्योग की जरूरतों को पूरा करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में विभिन्न जॉब रोल के लिए उद्योग संचालित कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रमों की आवश्यकता पर चर्चा हुई। यह वर्कशॉप श्री अतुल कुमार तिवारी, सचिव, एमएसडीई; डॉ. एन एस कलसी, चेयरमैन, एनसीवीईटी;डॉ. केके द्विवेदी, अतिरिक्त सचिव, एमएसडीई;सुश्री त्रिशालजीत सेठी, डीजी, डीजीटी; सुश्री सोनल मिश्रा, संयुक्त सचिव, एमएसडीई; डॉ. नीना पाहुजा, एग्ज़ीक्यूटिव मेम्बर, एनसीवीईटी; श्री नीलांबुज शरण, सीनियर इकोनोमिक एडवाइज़र, एमएसडीई और श्री वेद मणि तिवारी, ऑफिशिएटिंग सीईओ, एनएसडीसी और एमडी, एनएसडीसी इंटरनेशनल की उपस्थिति में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सभी 36 एसएससी, उनके सीईओ/प्रतिनिधि और कुछ एसएससी के चेयरपर्सन एक साथ आए। इसने युवाओं को अंतरराष्ट्रीय बाजारों के लिए प्रतिस्पर्धी बढ़त और चपलता से लैस करने के लिए अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप कौशल और योग्यताओं की मैपिंग पर ध्यान केंद्रित किया।

अमेज़ॅन इंडिया आ रहा है वापस प्राइम डे के साथ 15 जुलाई को

मुंबई, एजेंसी। अमेज़ॅन इंडिया प्राइम डे 2023 के साथ अपने वार्षिक दो दिवसीय उत्सव आनंद की खोज करें के साथ वापस आ गया है! 15 जुलाई को सुबह 12 बजे शुरू होकर 16 जुलाई 2023 तक, प्राइम डे का सातवां संस्करण दो दिनों की उत्तम डील, बचत, ब्लॉकबस्टर मनोरंजन, नए लॉन्च, और पहले से कहीं अधिक, बड़ा और बेहतर ला रहा है। इस प्राइम डे पर प्राइम सदस्य दो दिनों के शॉपिंग इवेंट के दौरान सभी ब्लॉकबस्टर मनोरंजन का आनंद ले सकते हैं, आराम कर सकते हैं और अपनी मनपसंद चीजें खरीद सकते हैं। स्मार्टफोन्स, टीवी, एप्लायंसेज, फैशन और ब्यूटी, ग्रोसरीज , अमेज़ॅन डिवाइस, घर और रसोई, रोज़मर्रा की ज़रूरी चीज़ों के लिए फर्नीचर और बहुत कुछ, से लेकर प्राइम सदस्य नए लॉन्च, पहले कभी न सुनी गई डील, मनोरंजन और उत्तम बचत का आनंद ले सकते हैं। इस मौके पर अक्षय साही, निर्देशक, प्राइम एंड डिलीवरी एक्सपीरियंस, अमेज़ॅन इंडिया ने कहा इस प्राइम डे पर, ग्राहक भारत में अब तक की हमारी सबसे तेज गति का आनंद लेंगे। भारत के 25 शहरों से ऑर्डर देने वाले प्राइम सदस्य उसी दिन या अगले दिन अपनी डिलीवरी पाने का आनंद ले सकेंगे और अधिकांश टियर द्वद्व शहरों से खरीदारी करने वाले प्राइम सदस्यों की 24 से 48 घंटे के भीतर उनकी प्राइम डे डिलिवरी होगी। देश भर के प्राइम सदस्य बड़े सौदों, नए लॉन्च, बचत और ब्लॉकबस्टर मनोरंजन की खोज करके आनंद की खोज कर सकते हैं।

टाटा एआईए ने व्हाट्सएप्प और यूपीआई के जरिए इंडस्ट्री में पहली बार प्रीमियम के भुगतान की सुविधा उपलब्ध कराई

नर्मदापुरम , एजेंसी। कंज्यूमर ऑब्सेशन के अपने मूल्य को सुदृढ़ करने के लिए टाटा एआईए लाइफ इंश्योरेंस ने व्हाट्सएप्प और यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस के माध्यम से डिजिटल भुगतान की शुरुआत की है उद्योग में पहली बार उपलब्ध यह सुविधा व्हाट्सएप और यूपीआई-सक्षम भुगतान विकल्पों के माध्यम से तत्काल प्रीमियम भुगतान की सहूलियत प्रदान करती है यह नया भुगतान विकल्प बीमा उद्योग में अपनी तरह का पहला विकल्प है इस कुशल निर्बाध प्रक्रिया के जरिए उपभोक्ता डिजिटल रूप से प्रीमियम का भुगतान करने और त्वरित प्रीमियम भुगतान की पुष्टि और पावती प्राप्त कर सकते हैं यह तकनीकी और गैर-तकनीक-प्रेमी दोनों ही उपभोक्ताओं के लिए उपयोग में आसान है यह परेशानी मुक्त प्रीमियम भुगतान अनुभव भी प्रदान करता है।

डिफेंड लॉन्च कर धानुका एग्रीटेक ने कीटनाशी पोर्टफोलियो को मजबूत किया

मुंबई, एजेंसी। भारत की अग्रणी कृषि-इनपुट कंपनियों में से एक धानुका धानुका एग्रीटेक लिमिटेड फसल सुरक्षा पोर्टफोलियो को मजबूत करते हुए एक नया शक्तिशाली कीटनाशक डिफेंड लेकर आई है। डिफेंड में ट्राईफ्लूमज़ोपायरिम 10त्न एससी है और पतिंगों (होपर्स) से पूर्ण सुरक्षा प्रदान करता है। डिफेंड कीटनाशक में पाया जाने वाला पायराक्सालट एक्टिव ग्रसित कीड़े में तांत्रिकसंचारण को रोकता है, जिसे उनका फैलने पर नियंत्रण लगाकर उनको पूरी तरह से खत्म कर देता है।

अमेज़ॉन प्राईम वीडियो के साथ गठबंधन में सोनी म्यूज़िक ने टीकू वेड्स शेरू के म्यूज़िक एलबम का अनावरण किया

मुंबई, एजेंसी। अमेज़ॉन प्राईम वीडियो के साथ गठबंधन में सोनी म्यूज़िक ने नवाजुद्दीन सिद्दीकी और अवनीत कौर अभिनीत टीकू वेड्स शेरू के म्यूज़िक एलबम का अनावरण कर दिया है। रोमांटिक, रैप, और डांस ट्रैक्स के शानदार मिश्रण के साथ इस मधुर एलबम के बोल शैली और साई कबीर ने लिखे हैं। साई कबीर ने संगीतकार गौरव चटर्जी के साथ मिलकर इस एलबम को कंपोज़ भी किया है।

कामधेनु वेंचर्स लिमिटेड बोर्ड करेगा शेयर्स के बोनस इश्यू पर विचार

गुरुग्राम, एजेंसी। डेकोरेटिव पेंट्स के अग्रणी निर्माताओं में से एक कामधेनु वेंचर्स लिमिटेड (बीएसई 543747, एनएसई) ने घोषणा की है कि कंपनी का बोर्ड बोनस शेयर्स जारी करने के प्रस्ताव पर विचार करने के लिए 28 जून, 2023 को मीटिंग रखेगा। इससे पहले कंपनी ने एक्सचेंजों को सूचित किया था कि उसने कंपनी को दिए गए राइट इश्यू ऑफर को स्वीकार कर लिया है और 24 मई, 2023 को 57.76 करोड़ रुपए के निवेश को 57,76,000 सब्सक्रिप्शन, कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी कामधेनु कलर एंड कोटिंग्स लि. के प्रति शेयर 10 रुपए की फेस वैल्यू के 100 रुपए प्रति शेयर की इश्यू प्राइस के 0.01 प्रतिशत ऑप्शनल कन्वर्टेबल रिडीमेबल प्रेफरेंस शेयर्स के माध्यम से पूरा कर लिया है। 2008 में स्थापित कामधेनु वेंचर्स लिमिटेड (कामधेनु पेंट्स) के साथ 4000 से ज्यादा डीलर जुड़े हुए हैं।

धान की खेती से मिला 22 से 23 क्विंटल प्रति एकड़ का उत्पादन

रीवा, एजेंसी। भारत दुनिया में धान का सबसे बड़ा निर्यातक और सबसे बड़ा उत्पादक दूसरे नंबर का देश है। मध्य प्रदेश हाल ही में धान के उत्पादकों में से एक बढ़ता हुआ राज्य माना जा रहा है धान की खेती मध्य प्रदेश के किसानों के बीच बढ़ती हुई है क्योंकि धान की बड़ी मांग भारत और दुनिया भर में है।मध्य प्रदेश के एक धान उत्पादक किसान ने प्रति एकड़ 22 से 23 क्विंटल उत्पादन पाया और इसके बारे में अपना अनुभव साझा किया। कौशल चौधरी ने कहा, मुझे अपने धान के खेत से प्रति एकड़ 22 से 23 क्विंटल का बंपर उत्पादन प्राप्त हुआ, जो कि एग्रोस्टार द्वारा समय पर सलाह और उच्च गुणवत्ता वाले कृषि प्रोडक्ट्स की मदद से पिछले वर्षों की तुलना में काफी अधिक था। मैंने एग्रोस्टार के 4699 गोल्ड धान वरायटी का इस्तेमाल किया। एक बाली में मुझे लगभग 250-300 दाने मिले और सबसे अच्छी बात यह है कि भारी बारिश के बाद भी यह किस्म खराब नहीं हुई।

आईआईटी मंडी में नवीन और स्वदेशी उपायों के माध्यम से रक्षा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देने के लिए शिक्षा जगत

मंडी, एजेंसी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मंडी में चल रहे मेगा जी20-एस20 बैठक के चौथे दिन अकादमिक संस्थान, रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डीआरडीओ), डीपीएसयू और सशस्त्र बल एक साथ एक मंच पर आए।इस दौरान सहयोगी दृष्टिकोण के माध्यम से रक्षा क्षेत्र में प्रौद्योगिकी विकास को बढ़ावा देने पर प्रमुखता से चर्चा की गयी। इस आयोजन का विषयरक्षा के लिए प्रौद्योगिकी रखा गया था। इस बारे में आईआईटी मंडी के निदेशक प्रो. लक्ष्मीधर बेहराने आज के विषय में अपने विचार साझा करते हुए कहा, शिक्षा जगत, अनुसंधान एवं विकास संस्थान, उद्योगों, स्टार्टअप और सशस्त्र बलों को सक्रिय संवाद मोड में लाने की आवश्यकता है - जहां पर स्वतंत्र एवं स्पष्ट रूप से नवीन विचारों का आदान-प्रदान हो सकता है। इस सम्मलेन में आये हुए सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों का मैं हृदय से आभार प्रकट करता हूँ।

बंधन बैंक ने 8 साल से भी कम समय में अपनी शाखाओं की संख्या तीन गुना तक पहुंचाई

मुंबई, एजेंसी। देश में सबसे तेजी से बढ़ते बैंकों में से एक बंधन बैंक ने अपना परिचालन शुरू करने के 8 वर्षों से भी कम समय में अपनी शाखाओं की संख्या को तीन गुना तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। बैंक की अब कुल 1,500 से अधिक बैंक शाखाएँ हैं। बैंक के पास पहले से मौजूद अन्य 4,500 बैंकिंग इकाइयों के नेटवर्क के साथ, देश भर में बैंकिंग आउटलेट की कुल संख्या अब 6,000 से अधिक है। बैंक ने 23 अगस्त 2015 को 501 शाखाओं के साथ अपनी यात्रा शुरू की थी। बैंक वर्तमान में भारत के 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में फैले 6,000 से अधिक बैंकिंग आउटलेटों के एक मजबूत नेटवर्क के माध्यम से 3 करोड़ से अधिक ग्राहकों को सेवा प्रदान करता है। बैंक की कोशिश है कि प्रत्येक भारतीय की विविध वित्तीय जरूरतों को पूरा किया जाए, चाहे वे कहीं भी रहते हों, या फिर उन्हें किसी भी वित्तीय उत्पाद की आवश्यकता हो और वे कोई भी बैंकिंग चैनल पसंद करते हों - फिजिकल या डिजिटल। बैंक के एमडी और सीईओ चंद्रशेखर घोष ने कहा, ''आज का दिन बंधन बैंक के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है, जब हमने अपनी शाखाओं की संख्या को तीन गुना तक पहुंचाने की महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है। पिछले आठ वर्षों के दौरान देश के हर कोने से मिले ग्राहकों के विश्वास के कारण ही यह उपलब्धि संभव हो पाई है। आज हमारे देश में बैंकिंग आउटलेट्स की गहरी पैठ की जरूरत है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि हर किसी की बैंकिंग तक पहुंच हो। हमारे तेजी से बढ़ते शाखा नेटवर्क और डिजिटल ऑफर्स के साथ, बंधन बैंक हमारे मूल्यवान ग्राहकों के लिए सुविधा, सुरक्षा और पहुंच को और बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।''

तेल कंपनियों ने रिटेल आउटलेट डीलर चयन प्रक्रिया आरम्भ की

मुंबई। प्रमुख पीएसयू तेल विपणन कंपनियां बीपीसीएल, एचपीसीएल और आईओसीएल देश भर में नए खुदरा दुकानों की स्थापना के लिए प्रक्रिया आरम्भ करने की घोषणा की है। कंपनियों का लक्ष्य देश की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के अनुरूप पेट्रोल और डीजल की बढ़ती मांग को पूरा करना है।

पिछले कुछ वर्षों में पेट्रोल और डीजल की खुदरा बिक्री की मांग बढ़ती जा रही है। देश की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण विकास के साथ, ऊर्जा की आवश्यकता कई गुना बढ़ गई है। नतीजतन, ओएमसी इस बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए अपने रिटेल आउटलेट नेटवर्क का विस्तार कर रहे हैं। यह विस्तार शहरी क्षेत्रों, आगामी राजमार्गों, कृषि क्षेत्रों, ग्रामीण, दूरदराज और दूर-दराज के क्षेत्रों जैसे उभरते बाजारों की जरूरतों को पूरा करेगा। इस विस्तार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि गुणवत्ता वाले पेट्रोलियम उत्पाद, ग्रामीण क्षेत्रों की कृषि मांग को पूरा करने और दूरदराज के क्षेत्रों में रहने वाले लोगों की जरूरतों को पूरा करने के लिए आसानी से उपलब्ध हों।

रिटेल आउटलेट नेटवर्क का विस्तार न केवल बढ़ती ऊर्जा जरूरतों को पूरा करता है बल्कि रोजगार के अवसर भी पैदा करता है। उद्यमियों को फॉर्च्यून 500 कंपनियों के साथ जुड़ने और रिटेल आउटलेट डीलरशिप क्षेत्र में सफल उद्यम स्थापित करने के इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। देश में आर्थिक विकास के कारण, भूमि दुर्लभ और महंगी हो गई है और भूमि मालिकों के लिए ओएमसी की डीलरशिप सहित वैकल्पिक उद्देश्यों के लिए ऐसी भूमि का उपयोग करने के नए अवसर खुल गए हैं।

भारत का सबसे बड़ा प्रीमियम इलेक्ट्रिक बस ब्रांड 'न्यूगो' दे रहा है यात्रियों को बेमिसाल सफर का अनुभव

मुंबई। ग्रीनसेल मोबिलिटी की ओर से भारत का सबसे बड़े प्रीमियम इलेक्ट्रिक बस ब्रांड न्यूगो यह सुनिश्चित करता है कि इस बस में सफ़र करने वाले यात्रियों को फ्लाइट में सफ़र करने जैसा अनुभव मिले। न्यूगो यात्रियों की सुरक्षा के साथ-साथ एकदम नए जमाने की टेक्नोलॉजी और बेमिसाल सेवाओं पर बल देते हुए, सफर की शुरुआत से लेकर अंत तक ग्राहकों की संतुष्टि को सबसे ज्यादा अहमियत देता है। न्यूगो इलेक्ट्रिक मोबिलिटी के क्षेत्र में सबसे आगे है, जिसका उद्देश्य यात्रियों की सहूलियत और सुविधा को प्राथमिकता देते हुए बिना शोर-गुल वाले, पर्यावरण के अनुकूल और तकनीकी रूप से उन्नत इलेक्ट्रिक बसों की पेशकश के माध्यम से लोगों के आवागमन के तरीके में बड़े पैमाने पर बदलाव लाना है। न्यूगो ने सफर को आरामदेह बनाने के लिए सभी चीजों को एक समान अहमियत देते हुए अपने ग्राहकों का भरोसा कायम रखा है। यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सावधानीपूर्वक कदम उठाए गए हैं, क्योंकि यही ब्रांड की सबसे पहली प्राथमिकता है। इसलिए हर बार बस को रवाना किए जाने से पहले 25 इलेक्ट्रिकल एवं मैकेनिकल जाँच की प्रक्रिया पूरी की जाती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि बसें सफर के लिए सबसे बेहतर स्थिति में हैं। इसके अलावा, बस और उसके ड्राइवरों पर हमेशा नज़र रखने के लिए रीयल-टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम की सुविधा भी लगाई गई है, ताकि किसी भी अप्रत्याशित घटना के मामले में समय पर प्रतिक्रिया दी जा सके।

कांग्रेस को घायल करता तौकीर का तीर

यह साल चुनावी है, तो ईद-उल-अजहा पर भी राजनीति के खिलाड़ी अपना दांव तो आजमाएंगे ही। साम, दाम, दंड और भेद का कारोबार तो अपना रंग दिखाएगा ही। और खास तौर से तब, जब कांग्रेस चुनावी और वोट बैंक की नब्ज परखकर लगभग यू-टर्न लेते हुए घोषित तौर पर हिंदुत्व का चोला पहनकर मैदान में आ गई है। हनुमान चालीसा, सुंदर कांड के पाठ पर जोर भी है और सेकुलर शब्द भी साथ में बगल वाली कुर्सी पर स्थापित किया जा रहा है। तो घोषित तौर पर कांग्रेस वोट बैंक का हरण कर उसे हराने में एड़ी चोटी का जोर लगाने वाली असदउद्दीन औवेसी की पार्टी ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) ने कांग्रेस की सेकुलर छवि पर सीधा हमला कर दिया है। एआईएमआईएम के सचिव पीरजादा तौकीर निजामी ने तीर चला दिया है और कांग्रेस के सेकुलर होने पर सवाल खड़ा कर दिया है। सीधा हमला है कि मोहब्बत की दुकान खुली है, हनुमान चालीसा पाठ हो सकता है तो प्रदेश कांग्रेस कमेटी कार्यालय (पीसीसी) में नमाज क्यों नहीं हो सकती और बकरे की कुर्बानी क्यों नहीं दी जा सकती? अब कांग्रेस का घायल होना तय है, परीक्षा यही है कि कितना बचाव कर खुद को बेहतर, सेकुलर और मुस्लिम मतदाताओं की हकदार साबित कर पाती है। क्योंकि एआईएमआईएम को वोट तो कांग्रेस का ही काटना है। नगरीय निकाय चुनाव में तस्वीर साफ हो चुकी है कि मुस्लिम बाहुल्य क्षेत्र में एआईएमआईएम ने कांग्रेस को किस हद तक खेल से बाहर रखने का सफल प्रयोग कर लिया है। विधानसभा चुनाव में अब पूरे प्रहार से एआईएमआईएम मुस्लिम मतदाताओं पर निगाहें टिकाएगी। और जैसा कि कांग्रेस मुस्लिम मतदाताओं को रिझाने में कभी कोई समझौता नहीं करती, तो अब बारी उसी कांग्रेस के पाले में है।

एआईएमआईएम नेता तौकीर निजामी ने पूर्व मुख्यमंत्री और राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह को एक चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी के माध्यम से एआईएमआईएम की ओर से भोपाल स्थित मध्य प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में बकरीद के दिन बकरे की कुर्बानी देने की मांग की गई है। इसमें एआईएमआईएम की ओर से तर्क दिया गया है कि, हिंदुत्व के एजेंडे के लिए मोहब्बत की दुकान खुली है। ऐसे में जब कांग्रेस ऑफिस में हनुमान चालीसा का पाठ हो सकता है तो नमाज क्यों नहीं हो सकती ? मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन पार्टी के सचिव पीरजादा तौकीर निजामी ने पत्र के जरिए कहा है कि, 'हमें हनुमान चालीसा के पाठ से ऐतराज नहीं है, लेकिन कांग्रेस द्वारा सभी धर्मों की धार्मिक मान्यताओं का भी ख्याल रखना चाहिए।' निजामी ने कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह से मांग करते हुए कहा कि, राहुल गांधी ने पूरे देश में नफरत को खत्म करने के लिए अभी नई-नई 'मोहब्बत की दुकान' खोली है और मध्य प्रदेश की कांग्रेस हार्ड हिंदुत्व के एजेंडे पर चल रही है। सिर्फ एक धर्म विशेष के आयोजन ही पीसीसी में हो रहे हैं। कभी भगवा मय करते हैं, कभी देवी देवताओं की मूर्ति स्थापित की जाती है, कभी हनुमान चालीसा का पाठ होता है। उन्होंने कहा कि, आप बिल्कुल करें, इसमें कोई ऐतराज नहीं है, लेकिन मुस्लिम समाज को वोट के नाम पर इमोशनल ब्लैकमेल करना बंद करें। निजामी की ओर से लिखे गए पत्र में आगे ये भी कहा गया कि, कांग्रेस जब सेक्युलर होने की बात करती है और सभी धर्मों की पार्टी होने की बात करती है तो फिर दलित मुस्लिम और आदिवासी के जो त्योहार हैं उसमें भेदभाव क्यों करती है? वोट तो आपको इन संमाजों से सौ फीसदी चाहिए, लेकिन काम आप संघ और बीजेपी के इशारे पर ही कर रहे हैं। अगर वाकई आप सेकुलर हैं और राहुल गांधी की बात मानते हैं तो पीसीसी जो आपकी मोहब्बत की दुकान है, उस पर मुस्लिम समाज के इस त्योहार पर कुर्बानी करने और विशेष नमाज अदा करने की अनुमति भी दें।

भाजपा की प्रतिक्रिया आई है कि मध्य प्रदेश कांग्रेस की मोहब्बत की दुकान में एआईएमआईएम नेता ने बकरे की कुर्बानी व विशेष नमाज की इजाजत मांगी है। उन्होंने पत्र में लिखा है कि जब मुस्लिम समाज के वोट पूरे 100त्न चाहिए , खुद को धर्मनिरपेक्ष बताते हो तो फिर विशेष नमाज और बकरे की कुर्बानी की इजाजत क्यों नहीं दे रहे? बात तो सही लिखी हैज्बकरा भी किया तैयारज। अब देखना होगा कमलनाथ जी की पीसीसी में कब बकरे की कुर्बानी होती है और कब विशेष नमाज अदा होगी? भाजपा तो पहले से ही कह रही है कि जिस दिन से पीसीसी में हनुमान चालीसा का पाठ हुआ है ,भगवे रंग से पीसीसी को सजाया गया था ,उस दिन से ही कई अल्पसंख्यक समाज के नेता नाराजगी दिखाकर विरोध कर रहे हैज। कुछ अल्पसंख्यक नेताओं ने तो पीसीसी को हरे रंग से सजाने की चेतावनी भी दी थी , जिससे डरकर कांग्रेस ने ईद वाले दिन अपने कार्यालय का ताला ही नहीं खोला थाज.। लेकिन देखना होगा इस ईद पर पीसीसी में बकरे की कुर्बानी और विशेष नमाज होती है या नहीज। यह मत है भाजपा प्रवक्ता और कमलनाथ के पुराने सहयोगी नरेंद्र सलूजा का। तो कांग्रेस विधायक कुणाल चौधरी ने यह कहकर ठीकरा फोड़ दिया है कि एआईएमआईएम भाजपा की बी टीम है। पर जनता तो जवाब मांगेगी और मुस्लिम मतदाता तो अपनी रणनीति के मुताबिक फैसले लेगा ही। आखिर कांग्रेस को अपनी धार्मिक सोच का खुलासा तो करना ही पड़ेगा।

शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने की उठी मांग

सौंसर। शहर में पुलिस थाना के पास शहीद भगत सिंह जी की मूर्ति स्थापित करने की मांग को लेकर स्थानीय व्यापारियों एवं विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ताओं द्वारा की गई, जिसको लेकर नगर पालिका परिषद में सीएमओ मौसम पालेवार को एक लिखित ज्ञापन दिया एवं जल्द से जल्द मूर्ति स्थापित करने की मांग की गई इस दौरान जानकारी में पंकज लोणारे मयूर मस्के ने बताया कि विगत लंबे समय से नगर में शहीद भगत सिंह की प्रतिमा स्थापित करने मांग की जा रही है जिसको लेकर नई परिषद को अवगत कराकर मूर्ति स्थापित की मांग की गई इस अवसर पर ज्ञापन सौंपते समय बड़ी संख्या में विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता और स्थानीय व्यापारियों मौजूद रहे वहीं ज्ञापन के पश्चात ही नगर पालिका इंजीनियर द्वारा तत्काल प्रतिमा स्थापित करने वाली जगह का निरीक्षण किया गया एवं जल्द से जल्द मूर्ति स्थापना एवं निर्माण कार्य प्रारंभ करने का आश्वासन दिया गया। ज्ञापन देते मुख्य रूप से पंकज लोणारे,आशुतोष वाडेकर, रेशु खंडाईत, मयूर मस्के, ऋषभ येलमुले, मोंटी चावके, आकाश लोणारे, योगेश हिवरकर ,हरीश वाडिवा, यश लोणारे ,एवम सभी बजरंगदल के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

रक्तदान शिविर,19 लोगों ने किया रक्तदान

सौसर। बुधवार को न्यायालय परिसर सौंसर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार तहसील विधिक सेवा समिति सौंसर द्वारा रक्तदान शिविर आयोजित किया गया। इस अवसर पर शिविर में जिला न्यायाधीश सौंसर विवेक कुमार सिंह, व्यवहार न्यायाधीश वरिष्ठ खंड सौंसर संजीव कुमार पालीवाल, व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खंड सौंसर सुश्री सौम्या सिंह, अधिवक्ता दिनेश भकने सहित अन्य अधिवक्तागण एवं न्यायालय कर्मचारीगण की उपस्थिति में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम में कुल 19 इच्छुक व्यक्तियों द्वारा रक्तदान किया गया। जिसे ब्लड बैंक छिंदवाड़ा द्वारा एकत्रित किया गया। जानकारी में बता दे की जिले भर में अस्पताल में रक्त की कमी को देखते हुए लगातार रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है इस दौरान एक छोटी सी पहल कर न्यायालय परिसर शिविर केमाध्यम से रक्तदान किया और अन्य लोगो को भी अधिक से अधिक रक्तदान करने जागृत किया गया जिससे अस्पतालों में रक्त की कमी से जूझना न पड़े। इसी के साथ झखंड क्षेत्र के भी सामाजिक संस्थाओं द्वारा भी रक्तदान सिविल का आयोजन किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक को जान से खतरा की शिकायत

छिंदवाड़ा। सामाजिक कार्यकर्ता भगवानदीन साहू ने जिला पुलिस अधीक्षक को आवेदन देकर स्वयं की जान को खतरा होने की बात से अवगत कराया। उन्होने बताया कि मैं एक सामाजिक कार्यकर्ता हूँ। बहुत सी जनहित याचिकाओं के माध्यम से लाखों निराश्रित , निर्धन लोगों को न्याय दिलवाने का सफल कार्य कर चुका हूँ। मेरी बहुत सी जनहित याचिका सुप्रीम कोर्ट नई दिल्ली और म.प्र. उच्च न्यायालय जबलपुर में विचाराधीन है। सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायाधीश ने मुझे कहा था कि सुरक्षा की जरूरत पड़ेगी तो आवेदन दे देना हम मदद करेंगे। मेरे अति विशिष्ट जनहित के सेवाकार्यों के कारण मेरा पद्मश्री पुरस्कार के लिए भी चयन हुआ था। दिनांक 24/06/2023 को मैंने छिंदवाड़ा अतुल सिंह के आतंक की शिकायत प्रधानमंत्री भारत सरकार को की, शिकायत से परेशान होकर अतुल सिंह मुझे जान से मारने, झूठे केस में जेल भिजवाने , एक्सीडेंट करवाने या किसी लड़की के केस में झूठा फंसाने की धमकी दे रहे हैं। ऐसी परिस्थिति में किसी भी कारणवश मेरे साथ कोई दुर्घटना होती है या मेरी मृत्यु होती है तो इसका जिम्मेदार अतुल सिंह होंगे। इसे मेरा मृत्यु पूर्व कथन पढ़ा और समझा जाये।

श्रमिकों को अग्नि दुर्घटना से बचाव का दिया गया प्रशिक्षण

छिंदवाड़ा। नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी की छिंदवाड़ा इकाई द्वारा सारा स्थित मलजल शोधन संयंत्र में आज श्रमिकों को अग्नि दुर्घटना से बचाव का प्रशिक्षण दिया गया। श्रमिकों को अग्नि सुरक्षा उपकरण प्रचालन के भी गुण सिखाये गये। मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कम्पनी भोपाल के जनसम्पर्क अधिकारी रीतेश दुबे ने बताया कि प्रशिक्षण का समन्वय पर्यावरण और सामुदायिक विशेषज्ञ लक्ष्मण सिंह और स्वप्निल मौर्य ने किया। प्रशिक्षण में 30 से अधिक श्रमिकों ने सहभागिता की। उल्लेखनीय है कि छिंदवाड़ा में विश्व बैंक के सहयोग से सीवरेज परियोजना का कार्य प्रगति पर है और विभिन्न निर्माणाधीन घटकों में श्रमिकों को दुर्घटना से बचाव के लिए निरंतर प्रशिक्षित किया जा रहा है।

जन समस्याओं को लेकर एसडीएम से मिले संदीप रघुवंशी

छिंदवाड़ा।भाजपा किसान नेता संदीप रघुवंशी ने जनता की समस्याओं के समाधान हेतु प्रतिनिधिमण्डल के साथ चौरई के एस डी एम प्रभात मिश्रा से मिले ओर बिछुआ विकासखंड (खमारपानी)की आवश्यक समस्याओं हेतु पत्र सौपा तथा सडक, कानूनी विकास सम्बन्धी चर्चा की प्राप्त समस्त समस्याओं के हरसंभव समाधान हेतु अनुविभागीय अधिकारी ने आश्वासन दिया। इस अवसर पर श्री रघुवंशी ने दिनांक 07 जुलाई शुक्रवार को बिछुआ के कुंडरैय्यतवाड़ी ग्राम पंचायत के स्कूल मे आयोजित विशाल निःशुल्क स्वास्थ्य व मोतियाबिंद शिविर का आमंत्रण भी दिया

लाखों चुराने वाले नाबालिग को पुलिस ने दबोचा

प्रियदर्शनी कालोनी में लगाई थी सेंध, पुलिस ने नगदी सहित सोने चांदी के जेवरात किए जब्त

छिंदवाड़ा। प्रियदर्शनी कालोनी में हुई चोरी की वारदात का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। लाखों रूपए चुराने वाले नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। नाबालिग ने प्रियदर्शनी कालोनी निवासी संजय मिश्रा के घर सेंध लगाई थी। घटना देहात थाना के अंतर्गत की है। पुलिस के अनुसार 26 जून को को हुई इस वारदात में पकड़ाए गए नाबालिग से नगद सहित सोने चांदी के जेवरात जब्त किए गए चोरी की वारदात होने के बाद पुलिस अधीक्षक विनायक वर्मा द्वारा देहात थाना टीआई जी.एस.उईके के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई टीम द्वारा प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए सादी वर्दी में पूछताछ की गई जिसमें प्रियदर्शनी कालोनी निवासी संजय मिश्रा द्वारा चोरी की घटना करना स्वीकार किया जिसके आधार पर नाबालिग के कब्जे से नगद 5 लाख 24 हजार , एक सोने की चैन, पुखराज पत्थर, घड़ी, मोबाईल फोन, सोफा, फ्रिज, कूलर इस तरह कुल मशरूका करीब 6 लाख 90 हजार का बरामद कर जब्त किया गया। चोरी का खुलासा करने में पुलिस टीम में थाना प्रभारी देहात श्री उईके, सउनि रूपेश यादव, प्रआर. लीलाधर कुसमारिया, अमीर रघुवंशी, विजेन्द्र कुसरे, ओमवीर जाट, जितेन्द्र उईके, गजानंद मर्रापे, उमेश उईके की अहम भूमिका रही।

जनपद पंचायत के सीईओ को चार वर्ष की जेल

छिंदवाड़ा। रिश्वत लेते पकड़ाए जनपद पंचायत तामिया के सीईओ को न्यायालय ने चार की जेल की सजा के साथ 10,10 हजार का जुर्माना भी लगाया है। सुमरन मरकाम ने 2 दिसंबर 2014 को पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त कार्यालय जबलपुर के समक्ष उपस्थित होकर एक लिखित आवेदन दिया था जिसमें लेख किया कि वह पंचायत सचिव के पद पर कार्यरत है उसे सीईओ जैन जनपद पंचायत तामिया पंचायत के रिकार्ड का परीक्षण करने के लिये नोटिस दिया गया था, जिस पर जनपद पंचायत तामिया के दो समन्वयक निरीक्षण कर अपनी रिपोर्ट सीईओ जैन को दी है।जैन साहब निरीक्षक रिपोर्ट पर कार्यवाही न करने के लिये रिश्वत मे उससे 50000 रूपये रिश्वत की मांग कर रहा है। प्रार्थी के आवदेन पत्र पर रिश्वत संबंधी वार्ता टेप करके लाने हेतु वाईस रिकार्डर करली है। रिकार्डर में दर्ज वार्तालाप में रिश्वत की मांग संबंधी तथ्यों की पुष्टि होने पर ट्रांसस्क्रिप्ट तैयार की और आरोपी महावीर जैन को 20000 रूपये की रिश्वत लेते हुये रंगे हाथो पकडा गया। न्यायालय द्वारा आरोपी महावीर प्रसाद जैन को धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत 4 वर्ष सश्रम कारावास एवं 10000 रूपये जुर्माना एवं धारा 13 (1)ष्ठ सहपठित धारा 13(2) भ्रष्टा चार निवारण अधिनियम में 3 वर्ष का सश्रम कारावास एवं 10000 रूपये जुर्माने से दण्डित किया गया। प्रकरण में शासन की ओर से समीर कुमार पाठक जिला अभियोजन अधिकारी के द्वारा अभियोजन संचालन किया गया। प्रकरण की विवेचना लोकायुक्त निरीक्षक प्रभात शुक्ला द्वारा की गई।

मंडल संयोजक श्रीमती अगामे को कारण बताओ नोटिस

छात्रावास अधीक्षका ने लगाए थे 25 हजार मांगने के आरोप

छिन्दवाड़ा। सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग सतेन्द्र सिंह मरकाम द्वारा उनके कार्यालयीन कक्ष में गत दिवस घटित घटना के संबंध में जनजातीय कार्य विभाग की मंडल संयोजक श्रीमती रजनी अगामे को कारण बताओ सूचना पत्र जारी कर 3 दिवस की समयावधि में अपना जवाब जिला कार्यालय में प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये हैं। श्रीमती प्रमिला यादव (साहू) द्वारा सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य से प्रभार नहीं सौंपने के संबंध में चर्चा के दौरान उत्तेजित होकर जोर-जोर से गाली गलौच करते हुए अशोभनीय व्यवहार करते हुये आक्रोश में आकर स्वयं की चप्पल उतारकर हमला करने की कोशिश की गई व अभद्र व्यवहार किया जाने लगा । इस समय मंडल संयोजक श्रीमती अगामे श्रीमती यादव के पास ही खड़ी थीं, परन्तु उनके द्वारा न ही श्रीमती यादव को हमला करने से रोका गया और न ही उसे इस कृत्य के लिए मना किया गया एवं घटना के समय मूक दर्शक बनकर खड़ी रही, जबकि मंडल संयोजक श्रीमती अगामे स्वयं श्रीमती यादव को साथ लेकर आई थीं। इससे स्पष्ट है कि मंडल संयोजक श्रीमती अगामे द्वारा कूटरचित तरीके से श्रीमती यादव को सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य के समक्ष योजनाबद्ध तरीके से प्रस्तुत कर घटना को पूर्व सुनियोजित ढंग से अंजाम दिया गया जिसके लिए मंडल संयोजक श्रीमती अगामे प्रथम दृष्टया दोषी हैं।

पुरानी पेंशन बहाली, 2 जुलाई को मुख्यमंत्री को सौंपेंगे ज्ञापन

छिंदवाड़ा। क्रांतिकारी पुरानी पेंशन संगठन के प्रांतीय अध्यक्ष अनिल सूर्यवंशी ने बताया कि मुख्यमंत्री एवं प्रधानमंत्री के नाम नियुक्ति दिनांक से वरिष्ठता देते हुये पुरानी पेंशन बहाली के लिये 2 जुलाई को जिला कलेक्टर महोदय को ज्ञापन सौपेंगे। श्री सूर्यवंशी ने आगे बताया कि 1 जनवरी 2005 से मध्यप्रदेश एवं भारत के समस्त सरकारी कर्मचारियों की पुरानी पेंशन बंद करके एन.पी.एस. लागू कर दिया गया है, जिसके दुष्परिणाम रिटायर होने वाले कर्मचारियों को 700 से लेकर 1500 तक की पेंशन मिलती है। कर्मचारियों की निम्न मांगो को लेकर ज्ञापन सौंपा जायेगा । सूर्यवंशी ने समस्त विभाग के कर्मचारियों एवं मातृशक्तियों से आग्रह किया है कि 2 जुलाई को ज्यादा से ज्यादा संख्या में उपस्थित होकर रैली व ज्ञापन को सफल बनायें । ।

संतों के सानिध्य में होगी दिव्य दिंडी यात्रा

छिंदवाड़ा। संत गजानन गुणगान मंडल द्वारा आषाढ़ी एकादशी (देवशयनी ग्यारस) के पावन पर्व पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी भव्य एवं दिव्य दिंडी यात्रा का आयोजन किया गया है। दिंडी यात्रा के संयोजक आनंद बक्षी ने बताया कि समग्र मराठी समाज द्वारा आयोजित इस दिंडी यात्रा में दिनांक 29 जून 2023 दिन गुरुवार को दिंडी यात्रा में विवेकानंद कॉलोनी स्थित शिर्डी साईं मंदिर में दिंडीयो के एकत्रीकरण होगा।एकत्रीकरण के उपरांत 12 बजे बाबा की महाआरती होगो। तत्पश्चात 1008 श्री हरीहर महाराज, महामंडलेश्वर श्री दादू महाराज, हरिभक्त परायण श्री चिंतामण गुर्वे महाराज एवं महामंडलेश्वर वैभव अलोनी के परम सानिध्य में शिर्डी साईं मंदिर से गजानन महाराज मंदिर तक दिव्य एवं भव्य दिंडी यात्रा निकाली जाएगी। समग्र मराठी समाज भक्त समुदाय से आग्रह करता है कि पुरुष भक्त गण सफेद पैजामे कुर्ते में एवं समस्त मातृशक्ति पीली साड़ी वस्त्र पहनकर सम्मिलित हो। इस यात्रा में पारंपरिक दिंडीया पखावज, मृदंग, झांझ-मंजीरे के साथ विट्ठल नाम का जयघोष करते हुए यात्रा का नेतृत्व करेंगी। सच्चिदानंद सेवा समिति के एस. व्ही. पुराणिक, जयंत बक्षी, अवधूत मोहगावकर, एवं गजानन गुणगान मंडल के कृष्णा मंगरुलकर, संजय औरंगाबादकर, सुधीर साइखेड़कर, प्रदीप मुले, सुभाष स्मार्त, ऋतु मुले, वर्षा पाठक, विणा चेड़गे एवं सारंग बक्षी ने समस्त भक्त समुदाय से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर पुण्यार्जन का आग्रह किया है।

आत्मनिर्भरता की तरफ बढ़ रहे युवतियों के कदम

स्टोरी टेलर की ट्रेनिंग ले चुकी युवतियां पर्यटकों को घुमा रही हैं पातालकोट की वादियां

छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड ने महिलाओं के लिए सुरक्षित पर्यटन परियोजना के अंतर्गत जिले के आदिवासी अंचल तामिया की युवतियों को स्टोरी टेलर की ट्रेनिंग दी है। ट्रेनिंग लेने वाली युवतियों के कदम अब आत्मनिर्भर बनने की तरफ बढ़ रहे हैं। तामिया-पातालकोट घूमने आने वाले पर्यटकों को गाइड की तरह यह युवतियां पूरा अंचल घुमाकर नई-नई जानकारियां दे रहीं हैं। इससे स्टोरी टेलर युवतियों की आय भी हो रही है और पातालकोट के बारे में पर्यटक अच्छे तरीके से समझ रहे हैं। पातालकोट टूरिस्ट इंफरमेशन सेंटर (ट्राइब स्कैप) के माध्यम से यह युवतियां कार्य कर रहीं हैं। तामिया अंचल में रहने वाली शरद कुमारी, खुशी कहार, जानकी भारती, लक्ष्मी उइके, शीतल उइके व बबीता सहित स्टोरी टेलर की ट्रेनिंग ले चुकी युवतियां पर्यटकों को राजाखोह की गुफा, तुलतुला पहाड़, तामिया माउंट घुमा चुकी हैं। करीबन हर वीकेंड पर अब आसपास के जिलों सहित पूरे मध्यप्रदेश व महाराष्ट्र से पर्यटक तामिया और पातालकोट घूमने आते हैं। परिवार सहित घूमने आए पर्यटक महिला गाइड को देखकर खुद को सुरक्षित भी समझते हैं। पिछले दिनों रतलाम जिले से तामिया घूमने आये प्रतीक ने अपने अनुभव साझा करते हुए कहा कि महिला गाइड के साथ तामिया माउंट, छोटा महादेव और तुलतुला पहाड़ घूमना रोमांचकारी था। हम आकर घूम जाते लेकिन गाइड के रूप में कई जानकारी हमें इन युवतियों से मिली हैं। स्टोरी टेलर का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुकी इन युवतियों ने अब तक 20 से अधिक ग्रुप को ट्रेकिंग आदि करवाकर तामिया-पातालकोट घुमाया है जिससे इनकी आय भी शुरू हुई है। स्टोरी टेलर के रूप में पर्यटकों को घुमाने पर इन्हें दो घंटे में दो सौ से सात सौ रूपये तक मिलते हैं। शरद कुमारी कहती हैं कि यह तो केवल शुरूआत है, आगे अभी और मंजिलें बाकी हैं। कतर में रहने वाले परिवार को करवाई पातालकोट की सैर-स्टोरी टेलर शीतल और बबीता ने पिछले दिनों कतर में रहने वाले एक परिवार को पातालकोट की सैर करवाई। यह परिवार मूल रूप से महाराष्ट्र के वर्धा जिले का है, लेकिन प्रवासी भारतीय के रूप में कतर में रहता है। इनके अलावा युवतियों ने डॉक्टर ग्रुप जबलपुर व सागर के साथ पिछले दिनों वायुसेना के रिटायर्ड अधिकारी के परिवार को और महाराष्ट से आये कई परिवारों को तामिया-पातालकोट के कई अनदेखे दृश्यों सहित छोटा महादेव आदि घुमाकर अपने कदम आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ा लिये हैं।

एक माह तक लिया प्रशिक्षण-मध्यप्रदेश टूरिज्म बोर्ड की पहल पर इंडियन ग्रामीण सर्विसेज के सहयोग से पातालकोट टूरिस्ट इंफरमेशन सेंटर से इन्हें स्टोरी टेलर की ट्रेनिंग मिली है। मास्टर ट्रेनर पवन श्रीवास्तव कहते हैं कि युवतियों में अपने काम के प्रति समर्पित भाव है, इनका भविष्य उज्जवल जिला पुरातत्व, पर्यटन व संस्कृति परिषद ने इन युवतियों को प्रमाण पत्र व परिचय पत्र भी दिए हैं।

बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ ग्रामीणों व किसानों की समस्या से हुआ रूबरू

छिंदवाड़ा। ग्रामीणों क्षेत्रों में बिजली संकट विकराल बना हुआ है किसानों के क्यू. आर. कोडमें बड़े पैमाने पर गड़बड़ी कर कृषि सिंचाई पंपों के हार्स पावर अनावश्यक रूप से बढ़ा दिए गए हैं जोकि 3 एचपी ?? को 4 एच पी, 5 एचपी का 6 एच पी इसी प्रकार 10 एचपी का 11 हॉर्स पावर कर दिया गया है इससे किसानों को जो बिल प्रदान किए जा रहे हैं उसमें भारी असमानता दिख रहा है किसानों को बढ़े हुए बिल थमा जा रहे हैं जिससे किसानों में विधुत वितरण कंपनी के प्रति भारी आक्रोश व्याप्त है विद्युत उपभोक्ताओं के हित में कनिष्ठ यंत्री कार्यालयों में सिटीजन चार्टर लगाए जाने चाहिए बरसात ऋतु के पूर्व किए गए मेंटेनेंस के फर्जीवाड़े की जांच होना चाहिए एवं किसानों की मांग पर टी. सी. कनेक्शन की जगह नियमित कनेक्शन देने और ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदले जाने एवं किसानों के बकाया राशि किस्तों में वसूल किए जाने के अलावा ग्रामीणों क्षेत्रों में 24 घंटे बिजली देने की मांग को लेकर चर्चा बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ की महत्वपूर्ण बैठक ब्लॉक छिंदवाड़ा ग्रामीण के अंतर्गत ग्राम चौसरा में हुई जिसमें ग्रामीण उपभोक्ताओं ने विद्युत समस्या पर विस्तार से चर्चा की गई बैठक में जिला कांग्रेस बिजली समस्या निवारण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष मुकेश उपाध्याय ने ग्रामीणों व किसानों की मांगों का समर्थन करते हुए कहा कि विद्युत वितरण कंपनी की मनमानी व लापरवाही से उपभोक्ताओं में भारी आक्रोश व्याप्त है ग्रामीण अंचलों में किसानों को खेती हेतु पर्याप्त बिजली नहीं कराई जा रही है एवं ट्रांसफार्मरों की खराबी को भी दूर नहीं किया जा रहा है वोल्टेज की समस्या शहर एवं गांव में आम हो गई है जिससे लोगों के विद्युत उपकरण खराब हो रहे हैं ऐसे में बिजली विभाग की कार्य प्रणाली पर प्रश्नचिन्ह लग रहे है वही विद्युत पोलों में गड़बड़ी होने पर यदाकदा लाइनमैन पहुँच रहे हैं जिससे ग्रामीण उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं शिकायत करने पर अधिकारी फोन नहीं उठाते हैं विद्युत वितरण कंपनी के शिकायत शिविर शोभा की सुपारी बने हुए है ग्रामीण अंचलों व पंचायतों का उपभोक्ता उन केंद्रों में शिकायतें लेकर नहीं पहुंच पा रहा है इस तरह के शिविरों को पंचायत स्तर पर लगाया जाना चाहिए इस अवसर पर? विशेष आमंत्रित पीड़ित विधुत उपभोक्ता जितेंद्र सिंह चौहान बाबा ठाकुर साकेत जैन सीताराम कवरेती विवेक जैन प्रवीण साहू कृपा राम वर्मा कमलेश चंद्रवंशी यादव सचिन नागवंशी जितू यादव दुर्गेश चंद्रवंशी नेमीचंद विश्वकर्मा मेहताब चंद्रवंशी देवेंद्र यादव आदि प्रमुख उपस्थित थे

ईदुज्जुहा पर्व के दौरान कानून व्यवस्था, लोक शांति व सुरक्षा के लिए अधिकारी नियुक्त

छिन्दवाड़ा। प्रभारी कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी पार्थ जैसवाल द्वारा 29 जून को ईदुज्जुहा पर्व के आयोजन के दौरान कानून व्यवस्था, लोक शांति व सुरक्षा व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुये 37 कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को निर्धारित क्षेत्र/स्थलों पर कार्यक्रम प्रारंभ से समाप्ति तक के लिये नियुक्त किया गया है। नियुक्त कार्यपालिक दण्डाधिकारियों को निर्देश दिये गये हैं कि अपने अनुभाग/तहसील क्षेत्र में स्थानीय स्तर पर पर्व के आयोजन का संज्ञान लेते हुये विहित क्षेत्रों में सतत भ्रमण करें और वहां आयोजित होने वाले पर्व, धार्मिक समागम व अन्य सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान आने वाले श्रध्दालुओं/व्यक्तियों व अन्य व्यवस्थाओं का भारत सरकार के गृह विभाग व मध्यप्रदेश शासन द्वारा समय-समय पर जारी आदेश/निर्देशों के अनुक्रम में समुचित आंकलन करें एवं क्षेत्र में समुचित सुरक्षा, शांति एवं कानून व्यवस्था की दृष्टि से क्षेत्रीय आवश्यकता के अनुसार कार्यपालिक दंडाधिकारियों और अधीनस्थ कर्मचारियों की ड्यूटी अपने स्तर से लगाते हुये पुलिस अधिकारियों/कर्मचारियों के साथ निरंतर संपर्क/समन्वय बनाये रखें । साथ ही यदि किसी महत्वपूर्ण अप्रिय घटना की जानकारी हो या जिला स्तर से कोई कार्यवाही अपेक्षित हो तो उससे तत्काल जिला दण्डाधिकारी और अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी को अवगत करायें ।अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी श्री ओ.पी.सनोडिया ने बताया कि अनुविभाग छिंदवाड़ा, अमरवाड़ा, परासिया, चौरई, जुन्नारदेव, पांढुर्णा और सौंसर में अनुविभाग के अंतर्गत थाना व चौकी के संपूर्ण क्षेत्र में संबंधित अनुविभागीय दण्डाधिकारियों, तहसीलदारों और नायब तहसीलदारों को कार्यपालिक दण्डाधिकारी नियुक्त किया गया है

स्वयं को जानना ही अष्टान्हिका का सार है: पं. रजनीभाई दोशी

श्री आदिनाथ जिनालय में अष्टान्हिका पर हो रही श्री समयसार महामण्डल विधान की आराधना

छिन्दवाड़ा। आत्म शुद्धि एवं धर्माराधना के निमित्त आने वाले महापर्व अष्टान्हिका, दसलक्षण, पर्यूषण अथवा अष्टमी, चतुर्दशी सहित कोई भी धार्मिक अनुष्ठान हो सभी आयोजन का एक मात्र प्रयोजन है मैं ज्ञायक भगवान आत्मा हूँ ऐसा जानना, मानना एवं उसी में जम जाना यही अष्टान्हिका महापर्व का सार है।उक्त मार्मिक एवं ह्रदय स्पर्शी बात अपने प्रवचन में कही गुजरात हिम्मतनगर ने पधारे प्रतिष्ठाचार्य युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत पण्डितश्री रजनीभाई दोशी ने अहिंसा स्थली गोल गंज स्थित श्री आदिनाथ जिनालय में अष्टान्हिका महापर्व पर चल रहे श्री समयसार महामण्डल विधान के प्रसंग पर।

अष्टान्हिका महापर्व के तृतीय दिवस आषाढ़ शुक्ल दसमीं के शुभ दिन प्रातःकाल की मंगल बेला पर बड़ी संख्या में इंद्र -इंद्राणियों सहित श्रावक-श्राविकाओं ने श्री जिनेन्द्र पूजन एवं नन्दीश्वर दीप पूजन कर समयसार विधान में हिस्सा लिया। जिसमे विधानाचार्य पं. अशोककुमार जैन उज्जैन ने मंगलगान से ग्रँथराज समयसारजी की एक एक गाथाओं का सार बताकर ज्ञायक भगवान आत्मा का गुणगान कराया पश्चात सकल समाज ने रजनीभाई दोशी के प्रवचनों का लाभ लिया। रजनीभाई ने कहा कि जीव का जन्म - मोक्ष प्राप्ति के लिए ही हुआ है, मोक्ष उसका अधिकार है, धर्म के नाम पर बाह्य क्रिया मात्र में जो संतुष्ट होता है, वह कभी मोक्ष की प्राप्ति नही कर सकता क्योंकि आत्मा को जानने से ही मोक्ष की प्राप्ति हो सकती है।उन्होंने कहा कि शुभ क्रिया अर्थात पूजा, पाठ, विधान, आराधना के सभी कार्यों से पुण्य ही बंधता है और पुण्य के फल में संसार परिभ्रमण ही बढ़ता है एवं शुद्ध भावों से आत्मा को जानना होता है। आत्मा अर्थात मैं कौन हूँ, आया कहाँ से ओर मेरा रूप क्या है एवं मुझे जाना कहां है ऐसा बार बार चिंतन करके ही मोक्षमार्ग प्रशस्त होता है ओर उस पर चलकर दिगम्बर महामुनिराज बनकर यह जीव आत्मा से परमात्मा बन जाता है।

आत्मनिर्भर बनने व्यक्तित्व व उद्यमिता विकास के तकनीकी और व्यवहारिक पहलुओं की जानकारी दी

10 दिवसीय पशुपालन और केचुआं खाद निर्माण का प्रशिक्षण

छिन्दवाड़ा। भारत शासन के ग्रामीण विकास मंत्रालय के अधीन सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया द्वारा संचालित ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान (सेंट आरसेटी) का 10 दिवसीय पशुपालन और केचुआं खाद निर्माण का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न हुआ । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ गत 19 जून को अग्रणी जिला प्रबंधक हुकुम चन्द्रा द्वारा किया गया। इस अवसर पर वित्तीय साक्षरता प्रभारी पी.आर.उइके, संकाय प्रभारी सौरभ पटेल, कार्यालय सहायक कु.महिमा डेहरिया व संस्था के अन्य सदस्य उपस्थित थे। इसी प्रकार आज क्षेत्रीय कार्यालय के मुख्य प्रबंधक आर.के.यादव और म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिशन के जिला प्रबंधक सुक्रन कुमार कवडे की उपस्थिति में समापन समारोह संपन्न हुआ । समापन समारोह में सभी प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करते हुए अतिथियों ने उन्हें प्रमाणपत्र वितरित किये और शीघ्र ही अपना स्वरोजगार शुरू करने के लिये उज्जवल भविष्य की शुभकामनायें दीं । इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में जिले के विभिन्न विकासखंडों के स्व-सहायता समूह की 27 महिला प्रतिभागियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया। सेंट आरसेटी के निदेशक ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में म.प्र. ग्रामीण आजीविका मिशन के सहयोग से महिला प्रतिभागियों को आत्मनिर्भर बनने के लिये व्यक्तित्व व उद्यमिता विकास के तकनीकी और व्यवहारिक पहलुओं पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में सेवानिवृत्त पशु चिकित्सक एस.आर.पटले का विशेष सहयोग रहा जिन्होंने प्रशिक्षण सम्बन्धी पाठ्यक्रम पूर्ण कराया।

जिले की युवा पीढ़ी, नकुल-कमलनाथ की शक्तिः अमित सक्सेना

भाजपा जिलाध्यक्ष दे रहे ऊल जलूल बयान

छिन्दवाड़ा। प्रदेश के पूर्व व भावी मुख्यमंत्री की जनछबि और प्रतिदिन कांग्रेस के बढ़ते जनाधार से बौखलाकर जिला भाजपा अध्यक्ष अब पूरी तरह सदमे में चले गये हैं। दूरबीन और पोस्टरवार की हवा निकलने के बाद वे ऊल जलूल बयान देने पर उतर आये हैं अब उन्होंने जे.पी इंजीनियरिंग कॉलेज जैसे फुस्सी बम का उपयोग कर युवाओं को बरगलाने का प्रयास किया है जबकि वे नहीं जानते कि जिले की युवा पीढ़ी कमलनाथ व नकुलनाथ की वास्तविक शक्ति है जिन्हें कोई भी बड़बोला डिगा नहीं सकता है।जिला भाजपा अध्यक्ष द्वारा इंजीनियरिंग कॉलेज को मुद्दा बनाते हुये दिये गये अफसोस जनक व हल्के बयान पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुये कांग्रेस के वरिष्ठ नेता व जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित सक्सेना ने कहा कि बंटी साहू पहले जे.पी कॉलेज का इतिहास जान लें और फिर कमलनाथ पर आरोप लगाये। श्री सक्सेना ने कहा कि वर्ष 2014 जिले के विकास का वह स्वर्णिम काल था जब केन्द्रीय शहरी विकास व संसदीय कार्यमंत्री के रूप में कमलनाथ ने 13 फरवरी 2014 को छिन्दवाड़ा मेडिकल कॉलेज की स्वीकृति दिलाई और 24 मार्च 2014 को निर्माणाधीन जे.पी. इंजीनियरिंग कॉलेज का लोकार्पण किया इस कॉलेज के निर्माण के लिये 1 फरवरी 2010 को भूमि की रजिस्ट्री हुई और 6 अक्टूबर 2011 को भूमिपूजन के उपरांत कॉलेज भवन का निर्माण प्रारंभ हुआ। श्री कमलनाथ द्वारा कॉलेज के प्रशासनिक भवन के लोकार्पण के बाद तीन विषयों के साथ कॉलेज में अध्यापन का कार्य होना था परन्तु मई 2014 में केन्द्र की भाजपा सरकार स्थापित हो गई और भाजपा ने अपनी दमनकारी नीतियों से छिन्दवाड़ा से सौतेला व्यवहार करते हुये जे.पी कॉलेज को निशाना बनाया जिसके परिणाम स्वरूप जे.पी ग्रुप को कॉलेज का काम रोकना पड़ा और दिल्ली से मिली इसी सीख का अनुशरण करते हुये मप्र में सत्ता परिवर्तन के बाद भाजपा के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने छिन्दवाड़ा में मेडिकल कॉलेज, एग्रीकल्चर कॉलेज, विभिन्न सिंचाई परियोजना सहित अन्य महत्वपूर्ण विकास की योजनाओं को अधर में लटका दिया और भाजपा जिलाध्यक्ष जेपी कॉलेज का रोना रो रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में बरगद, कचनार और मौलश्री के पौधे रोपे।

मध्यप्रदेश भाजपा में मजबूरी या मंजूरी

शिवराज को काटने होंगे अपने ही मंत्रियों के टिकट, इन मंत्रियों के खिलाफ भारी बगावत

भोपाल। बहुत पुराना गाना है... दोस्त दोस्त न रहा, प्यार प्यार न रहा। ये दर्दभरा नगमा तकरीबन हर उस विधानसभा सीट पर बीजेपी के लिए फिट है जहां-जहां शिवराज कैबिनेट के मंत्री है। अभी कुछ ही दिन की बात है मप्र की सियासत में क्यूआर कोड का शगूफा बहुत चला। कहीं कमलनाथ के पोस्टर लगे जिसका क्यूआर कोड स्केन करने पर भ्रष्टाचारों की लंबी सूची खुलने लगी। तो शिवराज सिंह चौहान के पोस्टर लगते भी देर नहीं लगी। क्यूआर कोड की जुबानी भ्रष्टाचार की कहानी कहने वाले ऐसे पोस्टर्स का बोलबाला रहा। ये किसकी कारस्तानी हो सकती है इसको लेकर भी खूब बातें चलीं। कमलनाथ पर जो आरोप हैं वो अलग बात है, लेकिन बीजेपी की मुश्किल इन पोस्टरों से ज्यादा उसके मंत्री और विधायक बन चुके हैं। ऐसे मंत्रियों की लिस्ट लंबी होती जा रही है जिनके क्षेत्र में विधायक या कोई अन्य नेता ही मंत्रियों के कारनामों का कच्चा चिट्ठा खोल रहा है। इस आपसी कलह को बीजेपी प्रेशर पॉलीटिक्स का नाम देकर दरकिनार तो करने की कोशिश में है पर अफसोस सारी कोशिशें अब तक नाकाम साबित हो रही है।

बीजेपी नेताओं का अपने-अपने क्षेत्र में लगातार विरोध

आग चाहें कहीं से भी भड़की हो, लेकिन मध्यप्रदेश की राजधानी से लेकर मंत्रालय में सीएम कक्ष तक जो लपट पहले पहुंची वो सागर जिले की थी। जिले में मंत्री भूपेंद्र सिंह और जिलाध्यक्ष के खिलाफ जमकर नाराजगी है। जिसका नतीजा ये है कि सागर के ही कुछ नेता मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के सबसे चहेते और करीबी मंत्री भूपेंद्र सिंह की शिकायत लेकर पहुंचे। इसके बाद कार्रवाई का तो कुछ पता नहीं, लेकिन अगले दिन शिकायत लेकर जाने वालों में से एक गोपाल भार्गव सुर बदलने पर मजबूर जरूर हुए। गोपाल भार्गव सीनियर नेता हैं पार्टी के डिसिप्लीन से वाकिफ हैं। या यूं कहें कि उसी में रचे बसे हैं, लेकिन हर नेता बीजेपी की पुरानी मिट्टी से नहीं बना है। जो अपने-अपने क्षेत्र में लगातार विरोध के सुर ऊंचे करने के साथ अपनी ही पार्टी के दूसरे नेताओं का कच्चा चिट्ठा खोल रहे हैं।

बीजेपी अपने ही नेताओं का बर्ताव संभालने में नाकाम हो रही

मध्यप्रदेश में विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा में अंतर्कलह के कई मामले सामने आना अब आम बात हो गई है। पहली बार ऐसा हो रहा है कि एक साथ कई मंत्रियों के खिलाफ उन्हीं के इलाके के नेता खुलकर शिकायतें कर रहे हैं। खास बात यह है कि ये सभी शिकवे और शिकायतें कोर ग्रुप की बैठकों तक पहुंच रहे हैं या अखबारों में छप रहे हैं। सख्त अनुशासन फॉलो करने वाली बीजेपी अपने ही नेताओं का ये बर्ताव संभाल पाने में अब तक नाकाम हो रही है।

बीजेपी के अंदर ही अंदर सुलग रही आग फैलती ही जा रही है

चुनाव से पहले ये दस्तूर आम है, ये नजारे भी आम है। टिकट की आस में दावेदार पुराने दावेदारों की पोल पट्टी ऐसे ही खोलते हैं, लेकिन इस बार हालात कुछ अलग है। इस बार बीजेपी में मंत्रियों के खिलाफ कोई न कोई विधायक या नेता मोर्चा खोले बैठा है। लगातार शिकायतें दर्ज करवा रहा है। संगठन बार-बार ताकीद कर चुका है कि घर की बात घर में ही रहने दी जाए। लेकिन बीजेपी के अपने ही नेता हर कलह को दुनियाभर के सामने नुमाया करने पर अमादा नजर आ रहे हैं। बीजेपी के आला नेता इस आग को बुझाने की जगह हर बार इसे दबाने की कोशिश कर रहे हैं। नतीजा ये है कि अंदर ही अंदर सुलग रही आग फैलती ही जा रही है।

जहां सिंधिया समर्थक नहीं वहां बीजेपी का हाल तो वहां भी बुरा है

अब तक सुनने में आ रहा था कि बीजेपी में पुराने और ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ आए समर्थकों की वजह से गुटबाजी बढ़ रही है। कलह बढ़ रही है, लेकिन सिर्फ सिंधिया के समर्थकों पर इल्जाम लगाना कितना सही है। क्योंकि, बीजेपी का हाल तो वहां भी बुरा है जहां सिंधिया समर्थक नहीं है। मनमुटाव लगातार सिर्फ बढ़ ही नहीं रहा है बल्कि दिखने भी लगा है।

ताजा मामला बालाघाट का है, जहां प्रदेश के गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा मंच पर भाजपा के वरिष्ठ नेता गौरीशंकर बिसेन का हाथ नीचे करते नजर आ रहे हैं।

बुंदेलखंड से आने वाले मंत्री भूपेन्द्र सिंह के विरुद्ध लोकायुक्त में दर्ज कराई गई शिकायत में पर्दे के पीछे सागर के ही एक मंत्री का नाम सामने आ रहा है।

बालाघाट में पिछड़ा वर्ग कल्याण आयोग के अध्यक्ष गौरीशंकर बिसेन और मप्र खनिज निगम के अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल के बीच विवाद प्रदेश संगठन तक पहुंचा है।

विधायक उमाकांत शर्मा खुद एक मंच से कह चुके हैं कि उन्हीं की पार्टी का एक नेता उन्हें जान से मारने की धमकी दे रहा है।

मेहर से भाजपा विधायक नारायण त्रिपाठी ने सतना से भाजपा सांसद गणेश सिंह पर आरोप लगाए हैं।

जबलपुर में धीरज पटेरिया की वापसी पर पूर्व प्रदेश संगठन महामंत्री मेघराज जैन ने विरोध जता रहे हैं।

शिवराज कैबिनेट के 7 मंत्रियों के खिलाफ उन्हीं के क्षेत्र में नाराजगी

ऐसे मनमुटावों को बीजेपी आम बात मानकर चल रही है। पार्टी के कुछ नेताओं का कहना है कि चुनावी साल में ऐसा होता रहता है, लेकिन चुनावी साल में क्या मंत्रियों के कारनामों की लिस्ट सरेआम जनता के बीच पहुंच जाती है। कभी पोस्टर के जरिए कभी शिकायतों के जरिए तो कभी किसी और माध्यम से। शिवराज कैबिनेट के सात ऐसे मंत्री हैं जिनके खिलाफ उन्हीं के क्षेत्र में विधायक या नेता नाराजगी जाहिर करने लगे हैं।

मोहन यादव

उज्जैन में मंत्री मोहन यादव के खिलाफ पूर्व मंत्री पारस जैन और पूर्व सांसद चिंतामणी मालवीय एक हो गए हैं। कोर ग्रुप की बैठक में मास्टर प्लान के बहाने मोहन यादव पर इल्जाम लगे। उन पर सिंहस्थ की जमीन को अपना बनाने के आरोप हैं।

भूपेंद्र सिंह

भूपेंद्र सिंह और पार्टी के जिलाध्यक्ष के खिलाफ नाराजगी है।

हरदीप सिंह डंग

हरदीप सिंह डंग पर गौ तस्करों को संरक्षण देने का आरोप लग रहा है। बीजेपी के पुराने कार्यकर्ता भी हरदीप सिंह डंग से नाराज हैं।

बिसाहू लाल सिंह

मंत्री बिसाहू लाल सिंह और पूर्व विधायक राम लाल का गुट अनूपपुर में आमने सामने है। पुराने कार्यकर्ता भी सिंह से नाराज है।

इन मंत्रियों के अलावा राजवर्धन सिंह दत्तीगांव और मीना सिंह जैसे मंत्रियों के खिलाफ भी बगावत बढ़ती जा रही है। भाजपा विधायक और नेता ही अपनी सरकार के मंत्रियों की अवैध सम्पत्ति और कथित भ्रष्टाचार की फाइलें तैयार करने में लगे हुए हैं। कुछ फाइलें लोकायुक्त पहुंच गई हैं। कुछ पहुंचाने की तैयारी है।

नए और पुराने नेताओं के बीच बीजेपी उलझकर रह गई है

चुनाव विश्लेषकों की माने तो बीजेपी में या किसी भी अन्य दल में चुनाव से पहले प्रेशर पॉलीटिक्स आम रही है। लेकिन इस बार बीजेपी इन पर काबू पाने में नाकाम होती जा रही है। इसकी वजह कांग्रेस से बीजेपी में आए नेता भी माने जा रहे हैं। जिनके चलते बीजेपी का डीएनए भी बदला है और चाल, चरित्र भी। नए और पुराने नेताओं के बीच पार्टी यहां उलझकर रह गई है। चुनाव नजदीक आते-आते ऐसे नेताओं से निपटना और गुस्से की आग को ठंडा करना बीजेपी के बस से बाहर होता जा रहा है।

मध्यप्रदेश में अब बीजेपी वर्सेज बीजेपी होता जा रहा है

बीजेपी हर मोर्चे पर कमलनाथ और दिग्विजय सिंह को घेरने में जुटी हुई है, लेकिन असल लड़ाई कांग्रेस बीजेपी की नहीं है। बल्कि, मध्यप्रदेश में अब बीजेपी वर्सेज बीजेपी ही होता जा रहा है। चुनाव जीतना है तो बीजेपी को पहले बीजेपी से ही लड़ना है। जिसमें नई और पुराने की खाई इतनी गहरी हो चुकी है कि बड़े-बड़े रणनीतिकार और संगठन के दिग्गज भी उसे पाटने की कोई कारगर जुगत नहीं तलाश पा रहे हैं। हाल यही रहा तो बीजेपी को हराने के लिए किसी कांग्रेसी की जरूरत नहीं होगी।

यूनीफार्म सिविल कोड पर पीएम मोदी ने उड़ाई एआईएमपीएलबी की नींद

भोपाल। यूनिफार्म सिविल कोड को लेकर पीएम मोदी के बयान के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने आधी रात को मीटिंग बुलाई और लॉ कमीशन जाने का फैसला किया है। पीएम मोदी ने कहा था कि जब संविधान में सभी नागरिकों को एक समान अधिकार दिए गए हैं तो फिर दो कानून कैसे हो सकते हैं। इस बयान के बाद मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड में खलबली है और मीटिंग में तय किया गया कि वे इसे लेकर लॉ कमीशन का दरवाजा खटखटाएंगे।

एआईएमपीएलबी की 3 घंटे चली ऑनलाइन मीटिंग- पीएम मोदी के बयान के बाद ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड ने आधी रात को ही ऑनलाइन मीटिंग बुलाई। रिपोर्ट्स के अनुसार यह मीटिंग करीब 3 घंटे तक चली। इसमें यह तय किया गया कि एक ड्रॉफ्ट तैयार करके लॉ कमीशन के पास भेजा जाएगा। मीटिं के दौरान प्रस्तावित कानून को लेकर रणनीतिक चर्चा भी हुई है। बोर्ड ने लॉ कमीशन से मुलाकात का भी निर्णय लिया है। जानकारी के अनुसार बोर्ड द्वारा तैयार ड्राफ्ट में शरीयत के जरूरी हिस्सों को शामिल किया जाएगा और बोर्ड लॉ कमीशन के सामने समान नागरिक संहिता का पुरजोर विरोध भी करेगा। बोर्ड की ऑनलाइन मीटिंग के दौरान पीएम मोदी के बयान पर भी चर्चा की गई है।

एआईएमपीएलबी अध्यक्ष सहित कई पदाधिकारी शामिल रहे- ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड की ऑनलाइन मीटिंग के दौरान प्रेसीडेंट सैफुल्लाह रहमानी, मौलाना खालिद राशिद फिरंगी महली सहित बोर्ड के कई मेंबर और एडवोकेट भी शामिल रहे। बोर्ड की तरह ही विपक्षी दलों ने भी इसका विरोध किया है और कहा कि जब चुनाव नजदीक आता है तभी यह मुद्दा उछाला जाता है। कुछ पार्टियों का कहना है कि जातिगत जनगणना के मुद्दे को दबाने के लिए यूनिफार्म सिविल कोड का मामला उछाला गया है।

ओवैसी ने कहा- पाकिस्तान से प्रेरणा क्यों ले रहे पीएम मोदी- यूनिफार्म सिविल कोड को लेकर असदुद्दीन ओवैसी ने पीएम मोदी पर हमला बोला है और कहा कि वे पाकिस्तान के क्यों प्रेरणा ले रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि यूसीसी के नाम पर देश की विविधता और बहुलतावादी सिद्धांतों को छीनने की कोशिश की जा रही है।

चंद्रशेखर आजाद पर जानलेवा हमला करने वालों की कार बरामद, हिरासत में चार संदिग्ध

सहारनपुर। उत्तर प्रदेश के देवबंद में बुधवार शाम को भीम आर्मी के चीफ चंद्रशेखर आजाद की गाड़ी पर अज्ञात हमलावरों ने फायरिंग कर दी थी। हमलावरों ने ताबड़तोड़ गोलियां बरसाकर चंद्रशेखर आजाद पर जानलेवा हमला किया गया। मिली जानकारी के मुताबिक, हरियाणा नंबर की कार से आए हमलावरों ने चंद्रशेखर पर 4 राउंड फायरिंग की। बताया जा रहा है कि, वह दिल्ली से अपने घर सहारनपुर के छुटमलपुर कस्बे जा रहे थे। इस हमले में गोली चंद्रशेखर को छूकर निकली है। इस हमले में उन्हें हल्की चोटें आई हैं और उन्हें देवबंद के अस्पताल में भर्ती कराया गया। ये हमला उस वक़्त हुआ जब चंद्रशेखर देवबंद में अपने एक समर्थक के घर जा रहे थे। वो एसयूवी में सवार थे। सीसीटीवी फुटेज में गाड़ी का नंबर दिख रहा था। फायरिंग में चंद्रशेखर आजाद की कार के शीशे भी टूट गए हैं।

विश्व हिंदू परिषद का कलेक्टर को ज्ञापन

लव जिहाद, अवैध अतिक्रमण एवं गोकशी गौ तस्करी की लगातार बढ़ रही घटनाओं पर कठोर कार्यवाही तथा थाना मिसरोद एवं थाना सुखी सेवनिया मैं गोवंश से ठूंस -ठूंस कर भरे दो ट्रकों पर राजसात कार्यवाही एवं गौ तस्करों पर रासुका की कार्यवाही को लेकर विश्व हिंदू परिषद प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर भोपाल आशीष सिंह को ज्ञापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल में विभाग मंत्री राजेश साहू प्रांतीय सहविधि प्रमुख देवेंद्र रावत विभाग संयोजक दिनेश यादव जिला मंत्री सोनू दुबे जिला मंत्री जीवन शर्मा उपस्थित थे।

नरोत्तम मिश्रा ने दिग्विजय पर कसा तंज, कहा- चचा जान आप हिंदुत्व का हलाला करते रहे, अब आपसे...

इंदौर। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने एएमआईएम द्वारा दिग्विजय सिंह को लिखी गई चिट्ठी को लेकर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि यह तो होना ही था। चचा जान आप हिंदू और हिंदुत्व का हलाला करते रहे। अब आपसे बकरे की हलाली की डिमांड आ गई। छद्म धर्मनिरपेक्षता का जो चोला ओढ़े हुए हैं, उसी को ओढ़कर आप हिंदुत्व और हिंदू को नकारते हैं। यह तो दिग्विजय सिंह आपके साथ होना ही था। एक कहावत है- 'न खुदा मिला न विसाले सनम, न इधर के रहे न उधर के हम।' अब उस सवाल का जवाब दें, जो एआईएमआईएम ने मांगा है।

इंदौर के हीरा नगर थाने का लोकार्पण किया। लोकार्पण के बाद गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा एक निजी कार्यक्रम में शामिल हुए। इसके बाद रेसीडेंसी कोठी में पत्रकारों से चर्चा करते हुए कई मुद्दों पर अपना पक्ष रखा। उन्होंने बीजेपी आईटी सेल के चीफ पर हुई एफआईआर को लेकर कहा कि कर्नाटक की सरकार जिस तरह से चोला ओढ़कर आई थी कि बिजली का बिल माफ कर देंगे और अब बढ़ा दिया.. जो विधेयक था बच्चियों की सुरक्षा के लिए वो विधेयक वापस ले लिया.. कर्नाटक सरकार पूरा ऊहापोह में काम कर रही है।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ द्वारा प्रधानमंत्री पर दिए गए बयान को लेकर गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा कि कमलनाथ ने ध्यान से पूरा भाषण सुना नहीं है। एक बार प्रधानमंत्री का भाषण सुन लेते, जिस तरह से उन्होंने दो घंटे खड़े हो के बयान दिया, आप तो 20 मिनट भी नहीं बोल पाते। अकारण उंगली उठाते हैं।

जय मां भवानी हिंदू संगठन ने निकाली सेंसर बोर्ड की अर्थी, फिल्म 'आदिपुरुष' किया विरोध

भोपाल। भगवान राम के जीवन पर केंद्रित फिल्म %आदिपुरुष% का विरोध जारी है। बुधवार को शहर में जय मां भवानी हिंदू संगठन के कार्यकर्ता सड़कों पर उतर आए और सेंसर बोर्ड की अर्थी निकाली। पुठा मिल मैदान से शुरू हुई यात्रा नादरा बस स्टैंड, भोपाल टाकीज, पुलिस आयुक्त जोन क्रमांक-तीन शाहजहांनाबाद तक गई। इस दौरान जय मां भवानी हिंदू संगठन के कार्यकर्ताओं ने फिल्म के निर्देशक ओम राउत और लेखक व गीतकार मनोज मुंतशिर शुक्ला के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। शाहजहांनाबाद चौराहा पर सेंसर बोर्ड, मनोज मुंतशिर, निर्देशक ओम राऊत का पुतला दहन किया गया। पुलिस को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नाम का ज्ञापन दिया।

संगठन के अध्यक्ष भानु हिंदू ने कहा कि इस फिल्म में जिस तरह की शब्दावली का प्रयोग किया गया है, उससे हिंदुस्तान ही नहीं पूरे विश्व में रह रहे सनातन धर्म को मानने वाले लोगों की भावनाएं आहत हुई है। हमारी मांग है कि %आदिपुरुष% फिल्म के निर्देशक ओम राउत एवं लेखक मनोज मुंतशिर के खिलाफ एफआइआर दर्ज की जाए। सेंसर बोर्ड कि समिति को तत्काल भंग करने की भी मांग की है। प्रदेश में जल्द ही फिल्म पर प्रतिबंध लगाने की भी मांग रखी गई है। अगर ऐसा नहीं हुआ तो हमारा संगठन उग्र आंदोलन करने के लिए बाध्य होगा।

संगठन के अध्यक्ष भानु हिंदू ने कहा कि यह फिल्म रामचरितमानस पर आधारित है, जिसमें भगवान श्रीराम की जीवनी बताई गई है। लेकिन इस फिल्म में हिंदुओं के आराध्य देव भगवान श्रीराम के बारे में मनगढंत कहानियां बताई गई हैं। यह हिंदुओं की आस्था के साथ ही नहीं, भारत देश की महान संस्कृति के साथ भी खिलवाड़ है। इसे किसी तरह भी सहन नहीं किया जा सकता।

मध्य प्रदेश में रोजगार सहायकों का वेतन 9000 से बढ़ाकर 18000 किया गया

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रोजगार सहायकों का वेतन 9000 से बढ़ा कर 18000 कर दिया है। बुधवार को भोपाल के मोतीलाल नेहरू स्टेडियम में रोजगार सहायकों का सम्मेलन बुलाया गया था। सम्मलेन में प्रदेशभर से करीब 20 हजार रोजगार सहायक जुटे थे। रोजगार सहायक लंबे समय से अपना वेतन बढ़ाने की मांग कर रहे थे। इसके साथ ही उन्होंने घोषणा की कि अब रोजगार सहायक की सेवाएं समाप्त नहीं की जा सकेंगी। चाहे अवकाश का मामला हो, प्रसूति अवकाश हों, ऐच्छिक अवकाश हों, सब रोजगार सहायकों को दिए जाएंगे। उनका 108 दिन का मातृत्व अवकाश तो होगा ही, 15 दिन का पितृत्व अवकाश भी दिया जाएगा।

बरसात में शाकाहारी वन्य-प्राणी सफारी बंद रहेगी

भोपाल। वन विहार राष्ट्रीय उद्यान जू भोपाल के प्रबंधन ने वन्य-प्राणी संरक्षण और पर्यटकों की सुरक्षा की दृष्टि से वर्षा ऋतु में वन विहार के आंतरिक क्षेत्रों में संचालित शाकाहारी वन्य-प्राणी सफारी बंद रखे जाने का निर्णय लिया है। सफारी 1 जुलाई से 30 सितम्बर तक की अवधि में बंद रहेगी।

एक दिन मुझे बोल्ड आउट होना है, मेरे बहुत विरोधी हैं... बोले धीरेंद्र शास्त्री

भोपाल। मध्य प्रदेश राजगढ़ जिले के खिलचीपुर उदय पैलेस में बागेश्वर धाम के धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने 73 समाज के अध्यक्षों के साथ बैठक की. उन्होंने कहा कि तुम लोगों की फूट में सरकार का फायदा कैसे होगा? फूट डालो नीति करो से नेताओं का फायदा है. अंग्रेज चले गए, उनका बीज बचा हुआ है.

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि सबको डर है यह बात इसलिए बोल रहे हैं. हमारे पीछे विरोधी तो लगे हुए हैं. हमें यह भी पता है कि बोल्ड आउट होना है, लेकिन एक धीरेंद्र कृष्ण को कोई मिटाएगा, तब तक हम घर-घर धीरेंद्र कृष्ण की यात्रा प्रारंभ कर देंगे. उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार ऐसा हो रहा है कि जहां 73 समाजों के लोग आगे आकर हिंदू सनातन एकता के लिए एक हो रहे हैं. इसका श्रेय सबसे पहले भारतवर्ष में राजगढ़ को मिलेगा. इसके लिए सभी समाज एकजुट हों, तभी एक राष्ट्र बनेगा

पं.धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि अपनी लड़ाई के दूसरे मजहब के लोग मजे लेते हैं. अंग्रेज जब भारत में आए तो फूट डालो राज करो की नीति अपनाई. वर्तमान में हल्लीलाह वाले यही कर रहे हैं. आपकी लड़ाई का वह भड़काने का काम करते हैं.

धीरेंद्र शास्त्री बोले- हम चाहते हैं, हिंदू राष्ट्र हो, हमें राजनीति में नहीं जाना

धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि

हम जातिवाद पर भरोसा नहीं करते. हम सिर्फ सद्भावना व मानवता पर भरोसा करते हैं. हमारा कर्म है हिंदू एक हो, हिंदू राष्ट्र हो. हमें कोई राजनीति में नहीं जाना. अब चुनाव आ गए हैं. तुम्हें लड़ाने वाले आ गए हैं. जातिवाद के नाम पर कुर्ता पायजाम, पुरानी गाड़ी लेकर 14 लाख में नेताजी बनकर जातिवाद पर बांट देंगे. धीरेंद्र शास्त्री ने 73 समाज के लोगों को इस कार्यक्रम में अगड़े पिछड़े की लड़ाई बंद कर एक होने का संकल्प दिलाया.

समाज में फैला रहे प्रायोजित जहर - पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने कहा कि षड्यंत्रकारी प्रायोजित ढंग से अगड़ेक्कपिछड़े का जहर फैला रहे हैं. लव जिहाद, रामचरित मानस को जलाना, ये सब षड्यंत्र है. हमारे ही भाई षड्यंत्र के शिकार होकर भगवान को बाहर निकाल रहे हैं. बाहरी लोग हमारी बहनक्कबेटियों को फंसा रहे हैं. पिछड़े समाज को मंचों पर खड़ा करेंगे. जातीय कट्टरता समाज के लिए घातक है. सबको मंदिर में दर्शन करने का अधिकार मिलना है. कुप्रथा को समाप्त करना है. कोई समाज का व्यक्ति गलती करता है तो उसको पूरे समाज से न जोड़ा जाए. हमारी लड़ाई के मजे दूसरे लेते हैं. इस समय में सद्भाव मंच के साथ बैठक करें, दोनों पक्ष बैठें. आज से हम भी नई यात्रा शुरू करेंगे. हर जिले में समाजों की बैठक करेंगे.